सूर्योदय 5:49 सूर्यास्त 7:01

आज का तापमान

शिमला	17.0 न्यू	23.7 अधि
धर्मशाला	21.4 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,728
निफ्टी	24,287

सोना 1,54,000 चांदी 2,36,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | मंगलवार, 18 अगस्त 2026 | 2 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 113, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

भारतीय नौसेना को 30 माह के लिए मिलेंगे दो एमक्यू-9बी सशस्त्र ड्रोन

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए अमेरिका से दो एमक्यू-9बी सी गार्डियन सशस्त्र ड्रोन 30 महीने के लिए लीज पर लिए जाएंगे। करीब 1,943 करोड़ रुपए के इस समझौते पर सोमवार को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए। समझौता जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स के साथ हुआ। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन अत्याधुनिक ड्रोन से समुद्री क्षेत्र में लगातार खुफिया, निगरानी व टोही क्षमता मजबूत होगी। एमक्यू-9बी ड्रोन उन्नत सेंसर व अत्याधुनिक पेलोड से लैस हैं तथा लंबे समय तक हवा में रहकर निगरानी कर सकते हैं। इससे हिंद महासागर क्षेत्र के साथ-साथ संवेदनशील सीमाई क्षेत्रों पर निगरानी क्षमता बढ़ेगी। भारत ने अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदने का भी प्रस्ताव रखा है, लेकिन इसकी कीमत और अन्य शर्तों पर अभी बातचीत जारी है। प्रस्तावित सौदे में नौसेना के लिए 15 सी गार्डियन तथा सेना और वायुसेना के लिए आठ-आठ स्काई गार्डियन ड्रोन शामिल हैं।

एसबीएन पर कार्रवाई 253 लोग हिरासत में

एजेंसी, नई दिल्ली। सुरक्षा एजेंसियों ने आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ 14 राज्यों में समन्वित अभियान चलाकर 253 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। अभियान के दौरान नेटवर्क के खिलाफ 80 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 12 अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ रियल-टाइम खुफिया जानकारी साझा कर यह कार्रवाई की गई। सबसे अधिक हिरासत उत्तर प्रदेश में 62, हरियाणा में 52, दिल्ली में 51 और पंजाब में 44 लोगों की हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अभियान के दौरान नेटवर्क के मंसूबों को नाकाम किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्टरी की मार्किंग वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और निगरानी के लिए इस्तेमाल होने वाले सीसीटीवी कैमरे बरामद किए हैं।

जेएसएससी दफ्तर पहुंची सीआईडी, की पूछताछ

एजेंसी, रांची। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर सीआईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जेएसएससी कार्यालय में छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार सीआईडी की टीम ने सबसे पहले सुबह पांच बजे ही जेएसएससी सचिव सुधीर गुप्ता के मोरहाबादी स्थित हरिहर सिंह रोड वाले आवास पर दबिश दी, जहां घंटों चली तलाशी के दौरान कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए। इसके बाद सीआईडी की टीम जेएसएससी कार्यालय पहुंची और वहां भी छापेमारी की। बताया जा रहा है कि सीआईडी की टीम ने जेएसएससी कार्यालय में सचिव सुधीर गुप्ता को नामकुम थाने बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस दौरान कार्यालय से जुड़े दस्तावेजों की भी गहन जांच की जा रही है।

भाजपा आईटी सेल के इंचार्ज अमित हटाए, दीपक म्हस्क संभालेंगे जिम्मेदारी

नितिन नवीन ने घोषित की नई टीम, 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और आठ महामंत्री बनाए

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन निवीन ने सोमवार को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, वरिष्ठ नेता राम माधव समेत 13 लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, हरीश द्विवेदी समेत आठ नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाजपा आईटी सेल के इंचार्ज अमित मालवीय को हटा दिया गया है, दीपक म्हस्के उनकी जगह लेंगे। भाजपा की विज्ञप्ति के मुताबिक वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह

◆ राम माधव-स्मृति ईरानी की वापसी; बीएल संतोष संगठन महामंत्री बने रहेंगे

रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराज, तारिक मंसूर और मधुचंद्र कर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं।

बीएल संतोष राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) होंगे। शिव प्रकाश और सौदान सिंह को फिर राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। विनोद तावड़े, सुनील बंसल, विप्लब देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी, संजय भाटिया राष्ट्रीय महासचिव होंगे। पीयूष गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। पार्टी ने कुल 7 राज्यों से 8 महामंत्री बनाए हैं और सबसे ज्यादा दो नेता उत्तर प्रदेश से आते हैं। चार महिलाओं को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व कविता पाटिदार, के सुरेंद्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, संदीप पाठक, फांग्नोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन , मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश को सौंपा गया है। वहीं, तरुण चुग को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी और महेंद्र पांडे को राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री बनाया गया है। डॉ. संबित को नॉर्थ ईस्ट संयोजक बनाया गया है। प्रकोष्ठ संकुल संयोजक विष्णु शर्मा को बनाया गया है। इस प्रकोष्ठ के सह संयोजक ऋतुराज सिंहा और विष्णु वर्धन रेड्डी को बनाया गया है।

अनिल बलूनी फिर बने मीडिया संयोजक

हेमांग जोशी को युवा मोर्चा, रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा, अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा, बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा, शिवेश कुमार राम को अनुसूचित जाति मोर्चा, जॉ. मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा की कमान सौंपी गई है। अनिल बलूनी को फिर मीडिया संयोजक बनाया गया है। आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी, सिद्धार्थ यादव को सह संयोजक बनाया गया है। प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट, अरुण यादव को सह संयोजक बनाया गया है।

बंगाल में बीरभूम के होटल में आग, आठ की मौत, 9 गंभीर

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बीरभूम के एसपी विदित राज भुंडेश के मुताबिक, होटल के बाहर से धुआं या आग की लपटें दिखाई नहीं दे रही थीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों ने सीढ़ियों की मदद से 22 लोगों को बाहर निकाला, जबकि 11 लोगों को अस्पताल भेजा गया। होटल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंचेगी। एक अन्य महिला ने बताया कि वो साउथ 24 परगना से रविवार दोपहर पूजा करने आई थी। उनके साथ उनकी मां और बच्चे थे। उनकी मां रूम नंबर एक में थी, अब उनकी मां और दो बच्चे नहीं मिल रहे हैं।

हादसे में बची कोलकाता की महिला ने बताया- अचानक पूरी होटल में धुआं भर गया। हम सांस नहीं ले पा रहे थे और बचने का रास्ता ढूंढना मुश्किल था।

◆ शॉर्ट सर्किट से हादसा सावन के सोमवार पर तारापीठ मंदिर आए थे

आय से अधिक संपत्ति मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम राहत

एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में उच्चतम न्यायालय से राहत मिली है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में राहुल गांधी के खिलाफ लंबित मामलों की सुनवाई पर रोक लगा दी है। राहुल गांधी ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करके इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दाखिल कई याचिकाओं के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके पास आय ज्यादा संपत्ति है। राहुल गांधी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस मामले को दिल्ली उच्च न्यायालय में ट्रांसफर करने भी मांग की है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मई में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को निर्देश दिया था कि वो राहुल गांधी की संपत्तियों का पता करें।

◆ हाई कोर्ट की सुनवाई पर रोक

सरकार के आर्थिक सलाहकार बोले ई-20 से गाड़ियों को हो रहा नुकसान

एजेंसी, नई दिल्ली। सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन का कहना है कि ई-20 पेट्रोल से गाड़ियों में नुकसान हो रहा है। पुराने टू-व्हीलर्स के लिए ई10 पेट्रोल की बिक्री फिर से शुरू की जानी चाहिए।

नागेश्वरन ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' में लिखे अपने आर्टिकल में कहा कि भारत ने पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य समय से पहले हासिल करके अरबों रुपए तो बचा लिए, लेकिन अब नया संकट खड़ा हो रहा है। सरकार का दावा है कि पेट्रोल में एथनॉल मिलाने से कच्चे तेल के इंपोर्ट में कमी आई है। इससे अरबों रुपए की बचत हुई है। एथेनॉल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए गन्ना, मक्का व चावल जैसी खाद्य फसलों को बड़े पैमाने पर एथेनॉल फैक्टिरयों में भेजा जा रहा है, अगर एथेनॉल बनाने वाली कंपनियां ज्यादा दाम देकर मक्का खरीदने लगेंगी, तो पोल्ट्री व डेयरी इंडस्ट्री के लिए चारा महंगा हो जाएगा। नतीजा यह होगा कि अंडे, चिकन और दूध के दाम बढ़ेंगे, जिससे सीधे तौर पर खाद्य महंगाई को बढ़ावा मिलेगा।

वी अनंत नागेश्वरन के मुताबिक देश में इस समय करीब 8 करोड़ पुराने बाइक-स्कूटर दौड़ रहे हैं। ये पुरानी 'कार्बोरेटर' तकनीक पर चलते हैं, जो बीएस-4 इंजन नियमों के आने से पहले बनती थीं।

◆ कहा- टू-व्हीलर्स के लिए ई-10 पेट्रोल की बिक्री फिर से शुरू की जानी चाहिए

सीएम ने खटीमा में लोगों से की मुलाकात, सुनीं जन समस्याएं

जनसेवा सरकार का मूल उद्देश्य, समयबद्ध समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता : पुष्कर धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा कैंप कार्यालय में स्थानीय लोगों और विभिन्न जनपदों से आए जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही सरकार का मूल उद्देश्य है और आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। धामी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर उसका प्रभावी समाधान किया जाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को अपनी समस्याओं के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर बीजेपी कार्यकर्ताओं और एबीपी छात्र संगठन से जुड़े लोगों ने मुख्यमंत्री धामी का स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, प्रेम सिंह टूरना, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, गंभीर सिंह धामी, फरजाना बेगम, रणजीत सिंह नामधारी, किसन सिंह किन्ना, मोहिनी पोखरिया, उत्तम दत्ता, पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, मंडलायुक्त दीपक रावत और जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बिहार के लखीसराय में करंट फैलने की अफवाह से भगदड़, 7 महिलाओं की मौत

एजेंसी, लखीसराय। बिहार के लखीसराय में सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में 7 महिलाओं की मौत हो गई। 23 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जबकि 3 की हालत नाजुक है।

घटना अशोकधाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। लखीसराय डीएम शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुरुषों की लाइन की तरफ एक खंभा गिर गया। इसके बाद अफवाह फैली कि लोगों पर बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया, जबकि वह सिर्फ एक केबल वायर (डिश/इंटरनेट का तार) था। पुरुषों की तरफ से भीड़ का दबाव महिलाओं की लाइन पर पड़ा, जिससे वे एक-दूसरे पर गिर गईं। चार मृतकों की पहचान हुई है। इनमें लखीसराय की मधुबाला देवी, मनमाला देवी, हेमलता देवी और मुंगेर की रिंकू देवी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं, सीएम सम्राट चौधरी ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। दर्शन के लिए लाइन में लगे श्रद्धालु ने कहा, 'बहुत भीड़ थी। तभी पोल गिरने और करंट लगने की बात फैली।

◆ मंदिर में जलाभिषेक के लिए जुटे थे हजारों श्रद्धालु

सात दिन में फाइनल करें हवाई किराया नियम, अगर एयरलाइन्स न मानें तो प्लेन खड़े कर दें : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत नियम बनाने का काम तेज कर दिया गया है।

इन नियमों का मकसद भारत के विमानन क्षेत्र को आधुनिक बनाना है और इन्हें तीन हफ्ते में अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सरकार ने जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच के सामने नियमों का ड्राफ्ट सीलबंद लिफाफे में रखा। केंद्र ने बताया कि ड्राफ्ट पर कुछ अंतिम चर्चा चल रही है। बेंच ने कहा, 'इसे सात दिन के भीतर प्रकाशित कीजिए। अगर एयरलाइंस पालन नहीं कर रही हैं, तो उन्हें जमीन पर खड़ा कर दीजिए।'

त्योहार व खराब मौसम में यात्रियों पर ज्यादा असर

याचिका में कहा गया है कि नियामकीय सुरक्षा नहीं होने से त्योहारों या मौसम खराब होने के दौरान किराए में मनमानी बढ़ोतरी होती है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब व आखिरी समय में टिकट बुक करने वाले यात्रियों पर पड़ता है। किराया तय करने वाले एल्गोरिदम, टिकट कैंसिलेशन की नीतियों और शिकायतों के समाधान की व्यवस्था को नियंत्रित नहीं करना राज्य के संवैधानिक दायित्व में चूक है।

याचिका में मांग- फ्री रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाई जाए

हवाई किराया नियमों को लेकर याचिका सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन ने दायर की थी। उन्होंने पूरे सिविल एविएशन सेक्टर में ट्रांसपेरेंसी और यात्रियों की सुरक्षा के लिए मजबूत और फ्री रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाने की मांग की है। याचिका में भारत की प्राइवेट एयरलाइन्स की ओर से हवाई किराए और एक्स्ट्रा चार्ज के रूप में होने वाले उतार-चढ़ाव पर कंट्रोल के लिए गाइडलाइंस बनाने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि नए नियम लागू होने तक पुराने नियम ही चल रहे हैं। उन्होंने मौजूदा व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। याचिका में कहा गया कि एयरलाइन्स बहुत ज्यादा किराया वसूल रही हैं। उन्होंने संसद में नागरिक विमानन मंत्री के बयान का हवाला देते हुए कहा कि सरकार ने कहा था कि वह हवाई किराए की अधिकतम सीमा तय नहीं कर सकती।

जयपुर एयरपोर्ट पर विमान से वाहन टकराया

एजेंसी, जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट (छोटे विमान) के साथ हादसा हो गया। विमान को रनवे पर ले जाते समय ग्राउंड हैंडलिंग वाहन ने टक्कर मार दी। इससे प्लेन क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार पायलट और ट्रेनी एनसीसी कैडेट सुरक्षित हैं। प्लेन को ट्रेनिंग फ्लाइट के लिए पार्किंग एरिया (हैंगर) से हवाई पट्टी ले जाया जा रहा था। इसमें विंग कमांडर पायलट और एक एनसीसी कैडेट बैठे थे। इसी दौरान ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी इंडोथाई का वाहन भी एयरपोर्ट परिसर में मूव कर रहा था। हादसे के बाद एयरपोर्ट परिसर में मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। हादसे के बाद विमान और वाहन को सुरक्षित किया गया। घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी गई। अब तकनीकी जांच के बाद ही प्लेन दोबारा उड़ान के लिए तैयार होने की संभावना है।

दिल्लीवासियों ने कनॉट प्लेस को देशभक्ति के रंग में रंग दिया : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एनडीएमसी की तिरंगा यात्रा में उमड़ा देशभक्ति का जज्बा, युवाओं ने लिया हिस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भाग लिया।

उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा में शामिल हर दिल्लीवासी ने आज कनॉट प्लेस को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। युवाओं के हाथों में शान से लहराता तिरंगा और एक साथ गूंजता 'वंदे मातरम' ऐसा दृश्य था, जिसने असंख्य वीरों के त्याग, बलिदान और देश के लिए उनके समर्पण को हम सभी के हृदय में फिर जीवंत कर दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली स्वतंत्रता संग्राम के अनेक निर्णायक अध्यायों का केंद्र रही है व स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा की साक्षी भी। आज उसी दिल्ली की नई पीढ़ी तिरंगा थामे, राष्ट्रगौरव के उसी भाव को आगे बढ़ाती हुई कदम से कदम मिलाकर चली। उन्होंने कहा कि इस यादगार तिरंगा यात्रा में एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलजीत चहल, एनडीएमसी के अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा साथी शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस और उससे जुड़ा 'हर घर तिरंगा' उत्सव मनाया गया। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की 'जय भारत माता' की गूंजती आवाज के बीच, यह संकल्प लिया गया कि विकसित भारत का सपना सिर्फ एक संकल्प नहीं है, बल्कि पूरा देश, सभी सरकारें और हर एक नागरिक 'मिशन मोड' में इस काम के लिए खुद को समर्पित करेंगे।

◆ कहा- विकसित भारत का सपना पूरा करने को मिशन मोड में जुटेगा देश

यूपी में 2017 से पहले सपाई हड़प लेते थे गरीबों का राशन कार्ड : सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राशन कोटेदारों की आस पूरी करते हुए सोमवार को लोकभवन में सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया। योगी ने बटन दबाकर उत्तर प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में हुई वृद्धि (90 रुपए से बढ़ाकर 125 रुपए प्रति कुंतल) का उपहार दिया।

उन्होंने कहा कि मार्जिन मनी में 35 रुपये की वृद्धि (10 रुपए केंद्र सरकार व 25 रुपए राज्य सरकार) से आपने लंबी छलांग लगाई है। हमने 25 रुपए और बढ़ाने के लिए भारत सरकार को पत्र लिखा है। समय लगेगा लेकिन यह कार्य हो गया तो आपके लिए और भी अच्छी व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

सरकारी राशन वितरण के उचित दर विक्रेताओं से अपील की कि वह कार्य करिए, जिसमें सम्मान हो। जिसमें सम्मान न हो, वह कार्य कभी नहीं करना चाहिए। इससे पीढ़ियां खराब होती हैं, उन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने 2017 के बाद आए बदलाव का जिक्र किया और कहा कि अब कोई आप पर अंगुली नहीं उठा सकता। 2017 से पहले सपाई गरीब का राशन कार्ड अपने घर में रख लेते थे, जिससे वह भूख से मरता था परंतु अब ऐसी स्थिति नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के जरिए प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को लगातार नि:शुल्क राशन मिल रहा है। निराश्रितों/दिव्यांगों का राशन घर तक पहुंचाने की व्यवस्था हो रही है। दो करोड़ परिवारों को फ्री में रसोई गैस के कनेक्शन, 1.53 करोड़ परिवारों को फ्री में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। राशन की 10 हजार दुकानों को अन्नपूर्णा भवन के रूप में स्थापित किया गया है। यह परिणाम राज्य की उन्नति को बताते हैं।

सुविधा | मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से मंडी जिले के लिए 25 इलेक्ट्रिक बस सेवाओं का किया शुभारंभ

पांच वर्षों में एचआरटीसी को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य: सुक्खू

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी/शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश में स्वच्छ, हरित व पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत वर्चुअल माध्यम से मंडी जिले के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम की 25 नई टाइप-1 इलेक्ट्रिक बस सेवाओं का पड्डल मैदान से शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एचआरटीसी के इलेक्ट्रिक बस बेड़े के विस्तार के लिए नई 297 टाइप-1 इलेक्ट्रिक बसों की खरीद की है। नई इलेक्ट्रिक बसें वर्तमान में शिमला, नाहन, नालागढ़, ऊना, हरोली, बिलासपुर, देहरा, हमीरपुर, पालमपुर, धर्मशाला तथा नगरोटा में संचालित की जा रही हैं।

इसके अतिरिक्त कुल्लू, मंडी और सुंदरनगर में भी आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना विकसित की जा चुकी है तथा इन क्षेत्रों में नई इलेक्ट्रिक बस सेवाओं का संचालन भी आज से शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टाइप-1 इलेक्ट्रिक बसों की निर्धारित ड्राइविंग रेंज 80 प्रतिशत स्टेट ऑफ चार्ज पर लगभग 180 किलोमीटर है। परिचालन के दौरान इन बसों का प्रदर्शन अत्यंत उत्साहजनक रहा है। उन्होंने कहा कि शिमलादृचंडीगढ़ मार्ग पर इलेक्ट्रिक बस द्वारा एक बार चार्ज करने पर लगभग 270 किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय की जा रही है।

यह प्रदर्शन हिमाचल प्रदेश के चुनौतीपूर्ण पहाड़ी भू-भाग में लंबी दूरी के अंतर-शहरी मार्गों पर इन बसों की उपयोगिता को प्रदर्शित करता है। सुक्खू ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से एचआरटीसी की परिचालन लागत में भी महत्वपूर्ण कमी आ रही है। पारंपरिक डीजल बसों की तुलना में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से ऊर्जा लागत में लगभग 12-13 रुपए प्रति किलोमीटर की बचत हो रही है। इससे निगम के ईंधन एवं परिचालन व्यय में कमी आने के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की समग्र दक्षता में भी सुधार हो रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार चंद शर्मा, प्रबंध निदेशक एचआरटीसी शिवम प्रताप सिंह मुख्यमंत्री के साथ शिमला में उपस्थित थे। मंडी में वर्चुअल माध्यम से एचआरटीसी के उपाध्यक्ष अजय वर्मा, एपीएमसी अध्यक्ष संजीव गुलेरिया, जल प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष शशि शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी मंडी अध्यक्ष चंपा ठाकुर सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

सीएम ने कहा- ग्रीन हिमाचल की दिशा में ई-बसों व हाइड्रोजन बसों का संचालन अहम कदम

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार एचआरटीसी को बसें खरीद कर देती है और हर साल अनुदान के रूप में 840 करोड़ रुपए सरकार की ओर से दिए जा रहे हैं। इतनी ही कमाई एचआरटीसी अपने संसाधनों से भी कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार का लक्ष्य अगले पांच साल में एचआरटीसी को आत्मनिर्भर बनाने का है। सरकार आने वाले समय में 1000 ई-बसें और 200 हाईड्रोजन बसें खरीदेगी। उन्होंने कहा कि हमने पहले बजट में ग्रीन हिमाचल की परिकल्पना की थी और इन बसों का संचालन इसी दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

सुन्नी में चोरी के मामलों का वांछित आरोपी पुलिस ने दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के सुन्नी क्षेत्र में पुलिस ने चोरी के कई मामलों में करीब एक वर्ष से वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान 35 वर्षीय योगराज पुत्र जीवानंद निवासी बसंतपुर, सुन्नी के रूप में हुई है। पुलिस थाना सुन्नी की टीम 16 अगस्त को गश्त और सुराग जुटाने के दौरान सवांकर नौटीखड्ड के पास मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मई 2025 में करीब दो लाख रुपये मूल्य के आभूषण चोरी के मामले में वांछित था। इसके अलावा सुन्नी थाना क्षेत्र में दर्ज एक अन्य मामले में करीब एक लाख 75 हजार रुपये नकद चोरी होने की शिकायत में भी उसकी तलाश थी। पुलिस थाना सदर शिमला में दर्ज करीब पांच लाख रुपये नकद चोरी के मामले में भी आरोपी का नाम सामने आया है। पुलिस के अनुसार आरोपी से जुड़े मामलों में कुल करीब 8.75 लाख रुपये की नकदी और संपत्ति चोरी का संबंध है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा चोरी के सामान और अन्य संभावित आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले की जांच जारी है।

जिला परिषद चुनाव में देरी पर हाई कोर्ट ने डीसी को किया तलब

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने जिला परिषद शिमला के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में हो रही देरी पर कड़ा संज्ञान लिया है। अदालत ने उपायुक्त शिमला को मंगलवार, 18 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होकर स्थिति स्पष्ट करने के आदेश दिए हैं। मामला मई 2026 में संपन्न हुए पंचायती राज चुनाव के बाद जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं होने से जुड़ा है। नवनिर्वाचित जिला परिषद सदस्यों ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं में ममता सहित 12 अन्य नवनिर्वाचित सदस्य शामिल हैं। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान उपायुक्त शिमला की ओर से अदालत को बताया गया कि विधानसभा सत्र के आयोजन के कारण जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए बैठक आयोजित करना फिलहाल संभव नहीं है। न्यायाधीश ज्योत्सना रिवाल दुआ ने इस तर्क पर कड़ा रुख अपनाते हुए सवाल किया कि विधानसभा सत्र के आयोजन और जिला परिषद की बैठक के बीच क्या संबंध है। अदालत ने उपायुक्त को अगली सुनवाई में इस संबंध में स्पष्ट जानकारी देने को कहा है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि प्रशासन जानबूझकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लंबित कर रहा है। उन्होंने अदालत से उपायुक्त को जल्द वैधानिक बैठक बुलाकर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करवाने के निर्देश देने की मांग की है।

बिंदल का सुक्खू सरकार पर चौतरफा हमला रोजगार पर सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस की सुक्खू सरकार पर बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ते कर, कर्ज और विकास कार्यों में कथित ठहराव को लेकर तीखा हमला बोला। भाजपा प्रदेश मुख्यालय दीपकमल में पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव से पहले एक लाख सरकारी नौकरियां और पांच लाख रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन करीब चार वर्ष बाद भी प्रदेश के युवा रोजगार के लिए परेशान हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि बड़ी संख्या में सरकारी पद रिक्त हैं और युवा वर्षों से भर्ती परीक्षाओं का इंतजार कर रहे हैं। पेपर लीक के आरोपों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जब परीक्षाएं ही नहीं हो रही हैं तो पेपर लीक कहां से होगा। उन्होंने बिना लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के हुई नियुक्तियों की जांच की मांग की। उन्होंने पेट्रोल-डीजल पर नए उपकर, महंगे सीमेंट, बिजली, पानी, राशन और बस किराये को लेकर भी सरकार को घेरा। उनका आरोप था कि बढ़ते करों से गरीब और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। बिंदल ने कहा कि सरकार ने हजारों करोड़ रुपये का कर्ज लिया, लेकिन सड़कें बदहाल हैं और कर्मचारियों व पेंशनरों की देनदारियां लंबित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा मानसून सत्र में बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और विकास से जुड़े मुद्दे मजबूती से उठाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए संगठन को मजबूत कर रही है।

चियोग स्कूल में देशभक्ति के रंग में रंगा आजादी का उत्सव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चियोग में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आजादी का उत्सव बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री रमेश वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सबसे पहले ध्वजारोहण किया और विद्यालय के विभिन्न सदनों की परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नाटक और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम और देश के वीर सपूतों की शहादत को याद करते हुए राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्रीमती शालिनी गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को आजादी के महत्व और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि श्री रमेश वर्मा ने देश को स्वतंत्रता दिलाने वाले वीर पुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को याद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से सच्चा देशभक्त बनने और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संगम पाठशाला, राजकीय उच्च पाठशाला ददास, राजकीय माध्यमिक पाठशाला धलेउ, राजकीय माध्यमिक पाठशाला शिल्ली मेहला तथा राजकीय केंद्र प्राथमिक पाठशाला चियोग के विद्यार्थियों और अध्यापकों ने भी भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों सहित स्थानीय विद्यालयों के कर्मचारी और विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

शोघी में स्वास्थ्य सुविधा को मिलेगी मजबूती, नौ माह में पूरा होगा 15 करोड़ का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन

शोघी में स्वास्थ्य केंद्र निर्माण तेज, ट्रामा सेंटर सहित मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के शोघी में निर्माणाधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का कार्य आगामी नौ माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इस भवन के निर्माण पर करीब 15 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने यह जानकारी शोघी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन के निरीक्षण के दौरान दी।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह ने किया था, लेकिन पिछले कुछ समय से निर्माण कार्य की गति धीमी हो गई थी। अब निर्माण कार्य ने दोबारा गति पकड़ ली है। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को निर्धारित समय में निर्माण पूरा करने

के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी तथा यहां आघात उपचार केंद्र की सुविधा भी विकसित की जाएगी, ताकि दुर्घटना की स्थिति में लोगों को तत्काल उपचार मिल सके।

इसके बाद मंत्री ने शोघी पंचायत भवन में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में शोघी, आनंदपुर, कोट, थड़ी, जलेल और बढ़ाई पंचायतों के प्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पेयजल और ग्रामीण विकास से संबंधित समस्याएं रखीं। मंत्री ने लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

उन्होंने कहा कि शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत का विकास सरकार की प्राथमिकता है और विकास कार्यों के लिए बजट की कमी नहीं आने दी जाएगी। शोघी पंचायत के विकास के लिए विधायक निधि सहित 32 लाख रुपये तथा थड़ी पंचायत के लिए 16 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। क्षेत्र में करीब 11 करोड़ रुपये के विकास कार्य जारी हैं।

सड़कों के संबंध में उन्होंने बताया कि धार सड़क के लिए 15 लाख, आनंदपुर-कोल्हापुर सड़क के लिए 15 लाख, फायल-दौती सड़क के लिए 12 लाख तथा तारादेवी मंदिर सड़क की चौड़ाई बढ़ाने और पक्का करने के लिए एक करोड़ 18 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

उन्होंने शोघी स्कूल को सीबीएसई का दर्जा मिलने पर क्षेत्रवासियों को बधाई दी और कहा कि स्कूल में शिक्षकों के रिक्त पद शीघ्र भरे जाएंगे। शोघी में बिजली बोर्ड का उपकेंद्र भी जल्द शुरू किया जाएगा।

अति गरीब 1.78 लाख परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए बनेगी नई व्यवस्था

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में अति गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए सरकार ने विशेष व्यवस्था तैयार की है। आठ चरणों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर प्रदेश में 1.78 लाख अति गरीब परिवारों का चयन किया गया है। इन परिवारों को उनकी वास्तविक जरूरत के अनुसार विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक रूप से सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा।

वहीं, पहले से गरीबी रेखा से नीचे की सूची में शामिल 2.62 लाख परिवारों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। उन्हें पहले की तरह सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत रियायती राशन सहित सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, आवास, आजीविका और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

नए सर्वेक्षण में करीब 90 हजार ऐसे परिवार भी सामने आए हैं, जो पहले कभी गरीबी रेखा से नीचे की सूची में शामिल नहीं रहे। ऐसे परिवारों को भी उनकी आर्थिक स्थिति और जरूरत के आधार पर सहायता उपलब्ध करवाने की योजना है। सरकार की योजना के तहत 1.78 लाख अति गरीब परिवारों को रोजगार और स्थायी आजीविका से जोड़ा जाएगा। स्वरोजगार के लिए ऋण, प्रशिक्षण और आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाने के साथ पात्र परिवारों को आवास, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी दिलाई जाएंगी। बच्चों की शिक्षा और छात्रवृत्ति के अलावा पात्र महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांग सदस्यों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने पर भी जोर रहेगा।

तारा देवी में 30 ग्राम चिट्टे के साथ युवक गिरफ्तार, तस्करी नेटवर्क की जांच तेज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को 30 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई विशेष प्रकोष्ठ शिमला की टीम ने बालूगंज थाना क्षेत्र के तारा देवी इलाके में की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, 16 अगस्त को विशेष प्रकोष्ठ को विश्वसनीय सूत्र से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति तारा देवी रैन शेल्टर में चिट्टा लेकर मौजूद है और इसे आगे सप्लाई करने की तैयारी में है। सूचना में आरोपी के पास काले रंग का पीठू बैग होने की जानकारी भी दी गई थी।

सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल तारा देवी रैन शेल्टर पहुंचकर निगरानी शुरू की। मौके पर एक संदिग्ध व्यक्ति मिला, जिसकी पहचान 33 वर्षीय गोपाल सिंह कटवाल के रूप में हुई। वह मूल रूप

से मंडी जिले का रहने वाला है और वर्तमान में शिमला के टुटीकंडी क्षेत्र में रह रहा है।

पुलिस ने उसके पास मौजूद काले रंग के सफारी बैग की तलाशी ली। बैग की गुप्त चैन में तलाशी के दौरान 30 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में बालूगंज थाने में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी को अदालत में पेश करने की तैयारी कर रही है। पुलिस अब बरामद चिट्टे के स्रोत और उसके संभावित खरीदारों का पता लगाने में जुटी है।

चौपाल की विकास परियोजनाओं को मुख्यमंत्री ने दिए 27 करोड़ रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शिमला जिले के चौपाल विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए 27 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। इसके तहत संयुक्त कार्यालय भवन नेरवा के लिए दो करोड़, चौपाल के लिए तीन करोड़ और कुपवी के लिए दो करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा दुग्ध अभिशीतन संयंत्र नेरवा के लिए दो करोड़, नेरवा बाईपास के लिए चार करोड़, लखावटी पुल के लिए 12 करोड़ तथा छवाला-चौपाल जलापूर्ति योजना के लिए दो करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। चौपाल क्षेत्र के कांग्रेस नेता रजनीश किमटा, एचपीएमसी उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा और चौपाल नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष चंद्र मोहन ने विकास परियोजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया।

मुकेश चंदेल सर्वसम्मति से बने सहकारी सभा अध्यक्ष, चैलचौक में आतिशबाजी से भव्य स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। दी सीडी सहकारी सभा लिमिटेड गोहर मंडी के चुनाव दाड़ी स्थित मुख्यालय में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया में सभा के सभी 13 जोनों से चुने गए सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान गोहर जोन के मुकेश चंदेल को सर्वसम्मति से सभा का अध्यक्ष चुना गया।

चुनाव में सुंदरनगर से लाल सिंह और कोटली से वासुदेव को उपाध्यक्ष चुना गया। दी सीडी सहकारी सभा लिमिटेड दाड़ी, गोहर के महाप्रबंधक भीम सिंह वर्मा ने बताया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों और संबंधित लोगों का आभार व्यक्त किया। साथ ही नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्षों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अध्यक्ष चुने जाने के बाद सहकारी सभा के शेयरधारकों और कर्मचारियों ने मुकेश चंदेल का हार पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर नाचन के युवा विधायक विनोद कुमार, बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी तथा करसोग के पूर्व विधायक हीरा लाल भी मौजूद रहे।

इसके बाद चैलचौक के मुख्य बाजार में नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश चंदेल का आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया गया। समर्थकों और क्षेत्रवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी।

मुकेश चंदेल ने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत अपनी गृह पंचायत मोवीसेरी से प्रधान के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने जिला परिषद उपाध्यक्ष का दायित्व भी संभाला। वर्तमान में वह नाचन भाजपा मंडल के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। सहकारी सभा के अध्यक्ष पद पर उनका सर्वसम्मति से चयन उनकी राजनीतिक और सामाजिक सक्रियता को दर्शाता है। अध्यक्ष चुने जाने के बाद मुकेश चंदेल ने निदेशक मंडल, सभी शेयरधारकों, सहकारी सभा के कर्मचारियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

फीस वृद्धि के विरोध में एबीवीपी की भूख हड़ताल जारी

फीस वृद्धि के खिलाफ छात्रों का आंदोलन तेज, छात्रावास शुल्क घटाने की उठी मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विश्वविद्यालय इकाई की क्रमिक भूख हड़ताल लगातार जारी है। आंदोलन के 14वें दिन शोध इकाई के कार्यकर्ता अमन बनयाल और संजीव धीमान ने 24 घंटे का अनशन पूरा किया। इसके बाद आंदोलन के 15वें दिन विश्वविद्यालय इकाई के विस्तारक आशीष शर्मा और आकर्षित ने अगले 24 घंटे के लिए क्रमिक भूख हड़ताल की जिम्मेदारी संभाली।

विद्यार्थी परिषद ने कहा कि छात्रों की मांगों का समाधान होने तक आंदोलन लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा। परिषद लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन से फीस वृद्धि वापस लेने की मांग कर रही है। संगठन का कहना है कि फीस में बढ़ोतरी का सीधा असर विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर पड़ रहा है।

छात्रहित में फीस वृद्धि वापस लेने की मांग : इसी बीच हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में छात्रावास शुल्क में की गई 75 प्रतिशत वृद्धि को लेकर भी विद्यार्थी परिषद ने कड़ा विरोध जताया है। परिषद का कहना है कि छात्रावास फीस में इतनी बड़ी बढ़ोतरी से विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। इसका सबसे अधिक प्रभाव दूरदराज के क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों पर पड़ेगा।

एबीवीपी ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि छात्रावास शुल्क में की गई वृद्धि को तत्काल वापस लेकर पहले से निर्धारित शुल्क बहाल किया जाए। परिषद का कहना है कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सुलभ और किफायती आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। ऐसे में छात्रावास जैसी मूलभूत सुविधा को महंगा करना छात्रहित में उचित नहीं है।

परिषद ने सवाल उठाया कि जब विद्यार्थियों को बेहतर एवं सस्ती सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता है, तब शुल्क में भारी वृद्धि क्यों की गई। संगठन ने प्रशासन से इस निर्णय पर पुनर्विचार कर छात्रों को राहत देने की मांग की है।

तिब्बती प्रतिनिधि आचार्य येशी फूंटोक ने विधानसभा अध्यक्ष पठानियां से की अहम शिष्टाचार भेंट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। निर्वासित तिब्बती संसद के पूर्व उपाध्यक्ष एवं इंडो-तिब्बत मैत्री संघ के सलाहकार तथा भारत-तिब्बत सहयोग मंच के वरिष्ठ सलाहकार आचार्य येशी फूंटोक ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। यह भेंट दोपहर करीब एक बजे हुई। इस दौरान दोनों के बीच भारत-तिब्बत संबंधों, तिब्बती समुदाय और युवा पीढ़ी को ऐतिहासिक संबंधों से अवगत करवाने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

आचार्य येशी फूंटोक ने विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां को तिब्बती समुदायों के प्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं तथा निर्वासित तिब्बती सरकार के जनप्रतिनिधियों को लगातार सहयोग और सम्मान देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि व्यस्त

कार्यक्रम के बावजूद पठानियां ने हमेशा तिब्बती समुदाय के विभिन्न वर्गों को अपने कार्यालय में सम्मान दिया है। यह उनकी मानवीय संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को दर्शाता है।

बैठक के दौरान फूंटोक ने विधानसभा अध्यक्ष को तिब्बती समुदाय की 108 शांति संस्था की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्था शिमला स्थित चार प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में भारत-तिब्बत संबंधों को लेकर संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इनमें हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, राजीव गांधी उत्कृष्ट महाविद्यालय संजौली, राजकीय कन्या महाविद्यालय शिमला और सेंट बेड्स विश्व कॉलेज शिमला शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इन संवाद कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और आने वाली पीढ़ी को भारत-तिब्बत के ऐतिहासिक संबंधों से अवगत करवाना है।

निजी वीडियो वायरल करने की धमकी पर साइबर आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला के महिला पुलिस थाना बीसीएस में दर्ज साइबर अपराध के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर युवती के निजी वीडियो की बिना अनुमति स्क्रीन रिकॉर्डिंग करने, उसे ब्लैकमेल करने और वीडियो को इंटरनेट तथा सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित करने का प्रयास करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार मामला 20 वर्षीय युवती की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में युवती ने आरोप लगाया कि उसके निजी वीडियो की अनधिकृत तरीके से स्क्रीन रिकॉर्डिंग की गई। इसके बाद वीडियो के माध्यम से उसे धमकाकर ब्लैकमेल किया गया और उसे विभिन्न वेबसाइटों तथा सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित करने की कोशिश की गई।

मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 78 और 351(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और उपलब्ध डिजिटल जानकारी का विश्लेषण

किया। जांच के आधार पर सिरमौर जिले के निवासी 21 वर्षीय अंकुश चौहान को आरोपी के रूप में चिन्हित किया गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। मोबाइल फोन की तकनीकी जांच की जा रही है और पुलिस मामले से जुड़े अन्य डिजिटल साक्ष्यों को भी जुटा रही है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

शिमला पुलिस ने कहा कि महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में पीड़ितों की गोपनीयता और पहचान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रसेवा बिंदल ने कांग्रेस पर मुद्दों से भटकाने का लगाया आरोप, संघ की सेवाओं का किया बचाव

आरएसएस पर कांग्रेस के आरोपों को बिंदल ने बताया निराधार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेंदू संवाददाता, शिमला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस नेताओं की ओर से की जा रही टिप्पणियों के बीच हिमाचल प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कांग्रेस नेताओं के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, सामाजिक समरसता और नि:स्वार्थ सेवा की भावना से काम करने वाला संगठन है। उन्होंने कांग्रेस की ओर से लगाए जा रहे आरोपों को वैचारिक हताशा का परिणाम बताया।

सोमवार को डॉ. बिंदल ने कहा कि जब कांग्रेस सरकार जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों, बेरोजगारी और अन्य समस्याओं पर संतोषजनक जवाब देने में असमर्थ होती है तो वह आरएसएस को लेकर बयानबाजी शुरू कर देती है। उनके अनुसार इससे वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास किया

जाता है। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक लंबे समय से समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय हैं।

आपदा में सेवा कार्यों का दावा : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं, सामाजिक संकटों और अन्य कठिन परिस्थितियों में संघ के स्वयंसेवकों ने लोगों की मदद के लिए लगातार कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राहत और सेवा गतिविधियों में स्वयंसेवकों की भूमिका कई मौकों पर सामने आई है। उनके अनुसार संघ का काम किसी राजनीतिक लाभ या प्रचार के लिए नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा की भावना से किया जाता है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि संघ अपने स्वयंसेवकों में अनुशासन, राष्ट्र के प्रति समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से संघ को लेकर लगाए जा रहे आरोपों के बजाय तथ्यों के आधार पर बात करने को कहा।

नियुक्तियों के आरोपों पर मांगे तथ्य : शिक्षण संस्थानों में संघ से जुड़े लोगों की नियुक्तियों को लेकर कांग्रेस नेताओं की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर डॉ. बिंदल ने कहा कि यदि किसी नियुक्ति में नियमों का उल्लंघन हुआ है तो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है और वह मामले की निष्पक्ष जांच करवा सकती है। उन्होंने कहा कि केवल किसी व्यक्ति या संगठन का नाम लेकर आरोप लगाना पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि किसी शिक्षक, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी योग्यता, मेरिट, कार्यशैली और निर्धारित भर्ती प्रक्रिया के आधार पर होना चाहिए। किसी व्यक्ति को उसकी कथित वैचारिक सोच या किसी सामाजिक संगठन से जुड़ाव के आधार पर निशाना बनाना उचित नहीं है। डॉ. बिंदल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपने विचार रखने और सामाजिक संगठनों से जुड़ने का अधिकार है।

आईआईटी मंडी में समुद्री अर्चिन से प्रेरित हड्डी प्रत्यारोपण कोटिंग की विकसित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के शोधकर्ताओं ने 3डी प्रिंटेड हड्डी प्रत्यारोपण के लिए समुद्री अर्चिन से प्रेरित एक जैव-प्रेरित सतह कोटिंग विकसित की है। यह कोटिंग प्रतिजैविक दवाओं के बिना बैक्टीरिया को यांत्रिक रूप से नुकसान पहुंचाने और प्रत्यारोपण को हड्डी से बेहतर तरीके से जोड़ने में मदद कर सकती है।

शोध दल का नेतृत्व डॉ. सुमित मुराब ने किया। टीम में अंकिता नेगी, आकाश वर्मा, के. एम. मोहम्मद सुफियान और वेदांते मिश्रा शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने जैव-अपघटनीय पॉलीलैक्टिक एसिड से बने ढांचे पर हाइड्रॉक्सीएपेटाइट की सूक्ष्म संरचनाओं वाली दोहरी परत विकसित की है। हाइड्रॉक्सीएपेटाइट मानव हड्डी का प्रमुख खनिज घटक है।

शोधकर्ताओं के अनुसार बड़े हड्डी दोषों के उपचार में 3डी प्रिंटेड प्रत्यारोपण उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन पॉलीलैक्टिक एसिड की जल-विकर्षी प्रकृति के कारण उनका हड्डी से जुड़ाव चुनौतीपूर्ण

रहता है। साथ ही प्रत्यारोपण की सतह पर बैक्टीरिया के चिपकने और जैव-परत बनाने से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

नई कोटिंग तैयार करने के लिए पहले प्रत्यारोपण की सतह को क्षारीय घोल से सक्रिय किया गया। इसके बाद 90 डिग्री सेल्सियस पर जलतापीय उपचार देकर समुद्री अर्चिन जैसी सुईनुमा हाइड्रॉक्सीएपेटाइट संरचनाएं विकसित की गईं। इन सूक्ष्म संरचनाओं से बैक्टीरिया को यांत्रिक नुकसान पहुंचाने की क्षमता विकसित होती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में अस्थि, दंत और अन्य जैव-चिकित्सीय प्रत्यारोपणों के विकास में उपयोगी हो सकती है।

राज्यपाल से सैनिक कल्याण सचिव युगल किशोर पंत ने की शिष्टाचार भेंट

अनिल थपलियाल। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) से सोमवार को लोक भवन देहरादून में सचिव सैनिक कल्याण विभाग युगल किशोर पंत ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने सैनिक कल्याण विभाग की ओर से संचालित योजनाओं और किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी ली। राज्यपाल ने सैनिकों तथा पूर्व सैनिकों के परिवारों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

'देवभूमि में क्षेत्र और जाति के आधार पर राजनीति स्वीकार नहीं' : धामी

धार्मिक नारों और शुद्धीकरण विवाद को लेकर कांग्रेस पर बरसे सीएम

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की हल्द्वानी रैली के बाद उठे विवाद को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में वर्ग, क्षेत्र और जाति के आधार पर राजनीति किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता विकास और राष्ट्रहित की राजनीति चाहती है, जबकि कांग्रेस राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़ा करने का प्रयास कर रही है।

हल्द्वानी में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री धामी ने रैली के बाद रामलीला मैदान में कथित रूप से लगाए गए धार्मिक नारों और गंदगी के मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रैली के बाद कुछ स्वयंसेवी धार्मिक संगठनों ने मैदान का शुद्धीकरण किया।

राष्ट्रभक्ति और सैनिक सम्मान पर उठाए सवाल

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर राष्ट्रभक्ति और सैनिकों के सम्मान को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सैनिकों की भूमि है और यहां सेना के जवानों के प्रति लोगों के मन में विशेष सम्मान है। उन्होंने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति या कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता से नहीं बल्कि उन विचारों से है जिनमें वंदे मातरम् का विरोध किया जाता है या सैनिकों की कार्रवाई पर सवाल उठाए जाते हैं। धामी ने कांग्रेस के इतिहास का उल्लेख करते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर, बाबू जगजीवन राम और सीताराम केसरी के साथ पार्टी के व्यवहार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने आंबेडकर से जुड़े पंचशील सिद्धांतों और उनके विचारों को सम्मान देने का काम किया है।

पीपलकोटी हादसे पर भी जताई चिंता

मुख्यमंत्री धामी ने पीपलकोटी में हुई घटना को बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि हादसे के समय वहां 22 लोग मौजूद थे, जिनमें से 20 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। कुछ लोगों की मौत हुई है और दो लोगों की तलाश जारी है। मुख्यमंत्री ने घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण परियोजनाओं में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। चाहे सुरंग हो, रोपवे, सड़क या अन्य परियोजना, किसी भी स्तर पर कर्मचारियों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा। घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और लापता लोगों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान को प्राथमिकता दी जा रही है।

समुद्र मंथन की थीम से सजेगा कुंभ का भव्य स्वागत द्वार

अनिल थपलियाल। हरिद्वार में आगामी कुंभ मेला 2027 को लेकर तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उत्तर प्रदेश की सीमा पर मंडावर-छुटमलपुर में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जा रहा है। समुद्र मंथन की पौराणिक कथा को आधार बनाकर तैयार किए जा रहे इस स्वागत द्वार के माध्यम से श्रद्धालुओं को कुंभ की धार्मिक और आध्यात्मिक परंपरा के साथ देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक भी देखने को मिलेगी। मेला प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाए जा रहे इस द्वार के लिए राज्य सरकार ने 204.19 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। लगभग साढ़े छह मीटर ऊंचे इस प्रवेश द्वार को हरिद्वार पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक और भव्य प्रवेश बिंदु के रूप में विकसित किया जा रहा है।

भारतीय पौराणिक मान्यताओं में समुद्र मंथन और अमृत कलश की कथा का कुंभ पर्व से विशेष संबंध माना जाता है। इसी धार्मिक मान्यता को ध्यान में रखते हुए स्वागत द्वार की पूरी थीम तैयार की जा रही है। द्वार की सज्जा और वास्तुशिल्प में समुद्र मंथन की गाथा को प्रमुखता दी जाएगी। इसके साथ ही उत्तराखंड की लोक संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को भी स्थान दिया जाएगा। इससे हरिद्वार में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं को शुरुआत से ही कुंभ के आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव हो सकेगा।

मंडावर-छुटमलपुर मार्ग हरिद्वार पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। इस रास्ते से उत्तर प्रदेश के अलावा हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं। ऐसे में यह स्वागत द्वार कुंभ नगरी में प्रवेश से पहले श्रद्धालुओं के लिए उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान की पहली भव्य झलक प्रस्तुत करेगा।

दिसंबर तक पूरा होगा निर्माण

स्वागत द्वार का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और इसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समयसीमा में इसे पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नियमित निगरानी तथा निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने को भी कहा।

न्यूज ब्रीफ

अल्मोड़ा में एसएसबी की बड़ी कार्रवाई लाखों की जाली करंसी जब्त

भारतेंदु संवाददाता, अल्मोड़ा। अल्मोड़ा के गनियाधोली स्थित सीमांत मुख्यालय में एसएसबी ने भारत-नेपाल और भूटान सीमा पर की गई कार्रवाई की जानकारी दी। आईजी अमित कुमार ने बताया कि मानव तस्करी के 45 मामलों में 52 पीड़ितों को मुक्त कराया गया और 32 तस्करों को गिरफ्तार किया गया। सीमा पर 54.74 लाख रुपये की नकली भारतीय मुद्रा और 8.09 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त की गई। इसके अलावा 136 तस्करों से 41.87 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए। उत्कृष्ट कार्य के लिए अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया गया।

टिहरी में मेडिकल कॉलेज की मांग पर सड़कों पर उतरे लोग

अनिल थपलियाल। जनपद में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर एक बार फिर जनआक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। बौराड़ी स्टेडियम से ओपन मार्केट होते हुए गणेश चौक तक विशाल जनाक्रोश रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर टिहरी में ही मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। गणेश चौक पहुंचने के बाद रैली सभा में बदल गई। वक्ताओं ने कहा कि टिहरी की जनता लंबे समय से मेडिकल कॉलेज की मांग कर रही है और अब जब तक निर्माण शुरू नहीं होता तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पर्वतीय जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहद आवश्यकता है। गंभीर मरीजों को उपचार के लिए देहरादून, ऋषिकेश और अन्य बड़े शहरों का रुख करना पड़ता है।

गोपेश्वर-मंडल मार्ग पर पेड़ गिरने से यातायात रहा बाधित

उदित नैनवाल। गोपेश्वर-मंडल मार्ग पर बैरागना के समीप सोमवार सुबह विशालकाय पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। सुबह 5:39 बजे फायर स्टेशन गोपेश्वर को इसकी सूचना मिली। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुआ। मौके पर पहुंची टीम ने लकड़ी काटने वाले उपकरण की सहायता से सड़क पर गिरे पेड़ को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर सड़क किनारे हटाया। पेड़ हटाए जाने के बाद मार्ग को वाहनों के आवागमन के लिए पूरी तरह खोल दिया गया।

ऋषिकेश विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने वीरभद्र मंदिर में किया शिव पूजन

अनिल थपलियाल। पवित्र सोमवार के अवसर पर ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने परिवार सहित वीरभद्र मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना की। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भगवान शिव की आराधना से मनुष्य को सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति प्राप्त होती है।

कुमाऊंनी गीतों से गूंजा घी त्यार समारोह

देहरादून में घी त्यार समारोह ने जीवंत की कुमाऊंनी लोक संस्कृति

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। विकास बलोनी। कूर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद की शिवालिक रेंज, धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र की माजरा शाखा की ओर से घी त्यार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम 16 अगस्त 2026 को दोपहर तीन बजे सामुदायिक भवन, मछली तालाब के निकट, टर्नर रोड, क्लेमेंटाउन में आयोजित हुआ। समारोह में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों के साथ परिषद की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों तथा केंद्रीय और विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, कुमाऊंनी गणेश वंदना, दीप प्रज्वलन मंत्र और शकुनाखर की प्रस्तुति के साथ हुआ। परिषद के मुख्य संरक्षक, वरिष्ठ संरक्षक और अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं ने समारोह में चार चांद लगा दिए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फैंसी ड्रेस, सपनों की उड़ान, आत्मनिर्भर नारी तथा राजकुमारी, रानी और महारानी वर्ग की कुमाऊंनी परिधान एवं आभूषण प्रतियोगिता रही। छोटे बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सपनों की उड़ान कार्यक्रम में बच्चों ने अपना परिचय देते हुए भविष्य के सपनों और लक्ष्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान बच्चों के आत्मविश्वास और प्रतिभा की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

सभी प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

केंद्रीय और शाखाओं के पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए और प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम में परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय महासचिव, प्रेमनगर शाखा के अध्यक्ष और सचिव सहित माजरा शाखा के मुख्य संरक्षक, वरिष्ठ संरक्षक, मुख्य सलाहकार, अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सांस्कृतिक सचिव, सह सचिव, प्रचार-प्रसार सचिव, संगठन सचिव, लेखा परीक्षक, मनोनीत सदस्य और अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

85 भारतीय जवान थाईलैंड में करेंगे संयुक्त सैन्य अभ्यास

थाईलैंड में आज से शुरू होगा भारत-थाईलैंड सैन्य अभ्यास मैत्री

अनिल थपलियाल। भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री' के 15वें संस्करण में भाग लेने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी सोमवार को थाईलैंड रवाना हो गई। यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 18 से 31 अगस्त 2026 तक थाईलैंड के सूरत थानी स्थित विभावादी रंगसिट कैंप में आयोजित किया जाएगा। अभ्यास का पिछला संस्करण सितंबर 2025 में मेघालय के उमरोई में हुआ था। इस बार भारतीय सेना और थाई शाही सेना की 85-85 जवानों की टुकड़ियां हिस्सा ले रही हैं। भारतीय दल में मुख्य रूप से 9 गोरखा राइफल्स के सैनिक शामिल हैं, जबकि थाई सेना की ओर से 5वीं डिवीजन की 25वीं इन्फेंट्री ब्रिगेड की तीसरी बटालियन के जवान भाग ले रहे हैं।

अभ्यास के दौरान दोनों सेनाएं कंपनी स्तर पर संयुक्त प्रशिक्षण करेंगी। प्रशिक्षण का मुख्य फोकस जंगल और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में अभियानों पर रहेगा। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के तहत उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के लिए संयुक्त अभियानों की क्षमता को मजबूत किया जाएगा।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य हों तेज: गढ़वाल आयुक्त

भारतेंदु संवाददाता, गोपेश्वर

गढ़वाल मंडल आयुक्त आनंद स्वरूप ने सोमवार को जिला सभागार गोपेश्वर में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों तथा आवश्यक सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा के दौरान आम जनता की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय से तेजी से राहत कार्य संचालित करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और सड़क निर्माण एजेंसियों को बंद सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल खोलने के निर्देश दिए। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क जल्द बहाल करने पर जोर दिया गया।

आयुक्त ने क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों की मरम्मत कर जलापूर्ति तत्काल बहाल करने को कहा। पशुपालन विभाग को प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं की सुरक्षा, उपचार और चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करने पर आयुक्त ने दिया जोर

चिकित्सा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने आपदा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाए रखने के लिए क्षेत्रवार अलग आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने को कहा। गैरसैण, फूलों की घाटी, चारधाम यात्रा मार्गों और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कार्ययोजना बनाने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने राहत कार्यों की नियमित निगरानी और आवश्यकता के अनुसार संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

चारधाम यात्रा में सुरक्षा प्रबंधन को मिलेगी तकनीकी मजबूती

ओएनजीसी ने चारधाम कंट्रोल रूम को सौंपे सुरक्षा प्रबंधन के उपकरण

अनिल थपलियाल। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख ऊर्जा कंपनी ओएनजीसी ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत चारधाम यात्रा की सुरक्षा और प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उत्तराखंड पुलिस को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए। गैर सरकारी संस्था देवभूमि पहाड़ समिति के सहयोग से चारधाम यात्रा पुलिस कंट्रोल रूम को इंटरैक्टिव पैनल, 85 इंच एलईडी स्मार्ट टीवी, कैनन कलर प्रिंटर, माइक्रोफोन और साउंड सिस्टम के साथ चारधाम यात्रा डैशबोर्ड एप की सुविधा प्रदान की गई। गढ़वाल मंडल पुलिस परिक्षेत्र कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में ओएनजीसी के मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रधान मानव संसाधन सेवाएं नीरज कुमार शर्मा ने अपर पुलिस अधीक्षक एवं चारधाम यात्रा के नोडल अधिकारी लोकजीत सिंह की उपस्थिति में उपकरण कंट्रोल रूम को सौंपे। इस अवसर पर नीरज कुमार शर्मा ने बताया कि ओएनजीसी उत्तराखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और स्वच्छता सहित विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में लगातार सहयोग कर रहा है। पिछले पांच वर्षों में कंपनी ने सीएसआर के तहत राज्य में 250 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता दी है।

नर्सिंग छात्रों के भविष्य की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

अनिल थपलियाल। उत्तराखंड महिला मंच, उत्तराखंड इंसानियत मंच और छात्र हित समर्थक जनसंगठनों ने सूरजमल विश्वविद्यालय कॉलेज ऑफ नर्सिंग, किच्छा में अध्ययनरत छात्रों के भविष्य की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। संगठनों ने जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से सौंपे ज्ञापन में 17 फरवरी को हुए समझौते का पूर्ण अनुपालन कराने और छात्रों के लिए वैकल्पिक शैक्षणिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना है कि बीएससी नर्सिंग और जीएनएम पाठ्यक्रमों की मान्यता व संबद्धता को लेकर छात्रों को पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई, जिससे उनका शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य असमंजस में है। छात्रों द्वारा जनवरी से समाधान के लिए कॉलेज प्रबंधन से वार्ता की जा रही है। समाधान नहीं मिलने पर उन्होंने 29 जुलाई से शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू किया है।

मान्यता विवाद में फंसे नर्सिंग छात्र, वैकल्पिक व्यवस्था की उठी मांग

संगठनों ने छात्रों को मान्यता प्राप्त संस्थान में समायोजित करने, शैक्षणिक रिकॉर्ड और क्रेडिट सुरक्षित स्थानांतरित करने, उचित क्षतिपूर्ति तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। साथ ही जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और आंदोलनरत छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

राजकुमारी, रानी और महारानी वर्ग में सजी कुमाऊंनी संस्कृति की छटा

अनिल थपलियाल। कूर्मांचल सांस्कृतिक एवं कल्याण परिषद, शिवालिक रेंज, धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र की माजरा शाखा की ओर से रविवार को टर्नर रोड स्थित सामुदायिक भवन में घी त्यार कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों के साथ परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी तथा विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, कुमाऊंनी गणेश वंदना, दीप प्रज्वलन मंत्र और शकुनाखर की प्रस्तुति से हुआ। उपस्थित पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। समारोह में फैंसी ड्रेस, सपनों की उड़ान, आत्मनिर्भर नारी तथा राजकुमारी, रानी और महारानी वर्ग में कुमाऊंनी परिधान एवं आभूषण प्रतियोगिताएं विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छोटे बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा दिखाई। सपनों की उड़ान कार्यक्रम में बच्चों ने अपना परिचय देते हुए भविष्य के सपनों और लक्ष्यों को सभी के सामने प्रस्तुत किया। राजकुमारी, रानी और महारानी वर्ग की प्रतिभागियों ने कुमाऊंनी गीतों पर पारंपरिक परिधान और आभूषणों के साथ मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। बरखा व अवंतिका, महिमा कन्याल, मंजू तनवाल एवं उनकी टीम तथा गीता कालाकोटी एवं उनकी टीम ने प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। महिलाओं ने घी संक्रांति गीत प्रस्तुत कर कुमाऊंनी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत किया। आत्मनिर्भर महिलाओं ने अपना परिचय देते हुए आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और अनुभवों को साझा किया। श्रीमती भगवती जोशी ने घी त्यार की परंपरा और महत्व पर विचार रखे।

डुमक गांव में घर-घर पहुंचकर पात्र मतदाताओं का किया जा रहा सत्यापन

उदित नैनवाल। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार के निर्देशन में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जिले के सुदूरवर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में निर्वाचन टीम ने दुर्गम डुमक गांव पहुंचकर घर-घर जाकर पुनरीक्षण कार्य किया। टीम ने ग्रामीणों के अभिलेखों और आवश्यक विवरणों का सत्यापन करते हुए पात्र व्यक्तियों से संबंधित जानकारी एकत्र की। साथ ही ग्रामीणों को पुनरीक्षण प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दुरस्थ और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाला कोई भी पात्र व्यक्ति पुनरीक्षण प्रक्रिया से वंचित न रहे। टीम का नेतृत्व एईआरओ सुनील पुरोहित कर रहे हैं। अभियान में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी जालोक रावत, ग्राम विकास अधिकारी लक्ष्मी प्रसाद, बीएलओ अनसूया सिंह, मोहन तिवारी और रघुवीर सिंह सहित अन्य कार्मिक सहयोग कर रहे हैं।

उपलब्धि — उत्तराखंड में कृषि विपणन को मिलेगा बढ़ावा, 23 गांव बनेंगे कृषि विपणन ग्राम

उत्तराखंड में एक मंडी-एक गांव योजना शुरू

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। राज्य में एक मंडी-एक गांव योजना लागू की गई है। इसके तहत प्रदेश की सभी 23 कृषि उत्पादन मंडी समितियां एक-एक गांव को गोद लेंगी और उन्हें मॉडल कृषि विपणन ग्राम के रूप में विकसित करेंगी। योजना का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ भंडारण, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन जैसी सुविधाएं गांव के स्तर पर उपलब्ध कराना है।

23 मंडी समितियां एक-एक गांव लेंगी गोद किसानों को मिलेगा बाजार

उत्तराखंड में कृषि की पर्याप्त संभावनाएं हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में फल, सब्जियां, मसाले, दालें और विभिन्न प्रकार की पारंपरिक फसलों का उत्पादन होता है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में भी कृषि उत्पादन बड़े स्तर पर किया जाता है। इसके बावजूद किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में बाजार तक पहुंच, परिवहन, भंडारण और उचित मूल्य का अभाव शामिल है। कई बार किसान अपनी उपज को दूर स्थित मंडियों तक ले जाने में असमर्थ होते हैं। परिवहन लागत बढ़ने और समय अधिक लगने के कारण उन्हें अपनी उपज स्थानीय स्तर पर ही कम कीमत में बेचनी पड़ती है।

एक मंडी-एक गांव योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर की मंडियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। चयनित गांवों को मॉडल कृषि विपणन ग्राम के रूप में विकसित करने की योजना है। इससे किसानों और बाजार के बीच की दूरी कम होगी तथा स्थानीय स्तर पर ही कृषि उत्पादों की खरीद और बिक्री की व्यवस्था मजबूत की जा सकेगी।

योजना के तहत किसानों को केवल बाजार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि कृषि उत्पादों के भंडारण और प्रसंस्करण पर भी ध्यान दिया जाएगा। इससे किसान अपनी उपज को तुरंत बेचने के बजाय आवश्यकता के अनुसार सुरक्षित रख सकेंगे। उचित समय पर बिक्री करने से उन्हें बेहतर मूल्य मिलने की संभावना बढ़ेगी।

कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि फल, सब्जियां, मसाले और अन्य कृषि उत्पाद गांव के स्तर पर ही प्राथमिक प्रसंस्करण से गुजरें तो उनके मूल्य में वृद्धि की जा सकती है। इससे किसानों को कच्ची उपज बेचने के बजाय अधिक मूल्य वाले उत्पादों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। पहाड़ी क्षेत्रों में कई गांव बाजारों से काफी दूर हैं और खराब सड़क संपर्क या परिवहन की कठिनाइयों के कारण किसानों को अपनी उपज बेचने में परेशानी होती है। कई बार जल्दी खराब होने वाले फल और सब्जियां समय पर बाजार नहीं पहुंच पातीं। स्थानीय स्तर पर बेहतर विपणन व्यवस्था और भंडारण सुविधा होने से इस समस्या को कम किया जा सकता है।

कृषि उत्पादों का उचित मूल्य मिलने से किसानों की आय में वृद्धि की संभावना है। बाजार की जानकारी, बेहतर विपणन व्यवस्था और स्थानीय स्तर पर खरीद की सुविधा किसानों को अपनी उपज के लिए बेहतर विकल्प दे सकती है। इससे बिचौलियों पर निर्भरता भी कम हो सकती है और किसान सीधे बाजार से जुड़ सकते हैं।

योजना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर उसे बाजार आधारित गतिविधि के रूप में विकसित करना भी है। यदि किसान यह जान सके कि किस उत्पाद की मांग कहां और कितनी है तो वह अपनी खेती को बाजार की जरूरत के अनुसार व्यवस्थित कर सकता है। इससे उत्पादन और बिक्री के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो सकता है।

पलायन रोकने में भी होगा मददगार

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि और रोजगार की सीमित संभावनाओं के कारण ग्रामीण पलायन लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यदि गांव में ही कृषि उत्पादों के लिए बेहतर बाजार, भंडारण और प्रसंस्करण सुविधाएं उपलब्ध होती हैं तो स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे युवाओं को कृषि, बागवानी, प्रसंस्करण और विपणन से जुड़ने का अवसर मिलेगा। हालांकि योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि चयनित गांवों में सुविधाओं को कितनी प्रभावी ढंग से विकसित किया जाता है।

राष्ट्रीय पर्वों के स्वागत समारोहों से 'एट होम' हटाने की उठी मांग

'एट होम' की जगह भारतीय नाम की पहल, राष्ट्रीय पर्वों में संस्कृति और परंपरा को सम्मान देने पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

चंडीगढ़। स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर लोक भवन में आयोजित होने वाले स्वागत समारोहों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 'एट होम' शब्दावली को बदलने की मांग उठी है। अधिवक्ता एवं प्रशासक सलाहकार परिषद के सदस्य अजय जग्गा ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को पत्र भेजकर इस शब्दावली पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय पर्वों से जुड़े संवैधानिक समारोहों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीय भावना को दर्शाने वाली शब्दावली का इस्तेमाल अधिक उपयुक्त होगा।

जग्गा ने पत्र में कहा कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह का निमंत्रण पत्र हिंदी और पंजाबी दोनों भाषाओं में तैयार किया गया है। उन्होंने इसे सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि स्थानीय भाषाओं को सम्मान देने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, निमंत्रण पत्र में हिंदी और पंजाबी दोनों भाषाओं के साथ 'एट होम' शब्द का प्रयोग अब भी किया गया है। उनका मानना है कि ऐसे राष्ट्रीय समारोहों में विदेशी पृष्ठभूमि वाली शब्दावली के स्थान पर भारतीय अभिव्यक्ति अपनाई जानी चाहिए।

ब्रिटिश परंपरा से जुड़ा है 'एट होम' : अजय जग्गा ने अपने पत्र में 'एट होम' शब्द की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का भी उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश समाज में घर पर आयोजित होने वाले स्वागत समारोहों, सामाजिक मेल-मिलाप और चाय समारोहों के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया जाता था। बाद में यह शब्दावली ब्रिटिश साम्राज्य के विभिन्न हिस्सों और उपनिवेशों तक पहुंची।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत में 'एट होम' शब्द को एक अलग आधिकारिक और औपचारिक अर्थ मिला। राज्यपालों की ओर से स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले स्वागत समारोहों के लिए दशकों से इसका इस्तेमाल होता आ रहा है। इसलिए यह अब सरकारी समारोहों की स्थापित परंपरा का हिस्सा बन चुका है।

परंपरा नहीं समारोह का स्वरूप बदलने की मांग : जग्गा ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य इस परंपरा को समाप्त करना नहीं है। वह केवल समारोह की शब्दावली को भारतीय स्वरूप देने की मांग कर रहे हैं। उनके अनुसार स्वागत और मेल-मिलाप की परंपरा पहले की तरह जारी रह सकती है, लेकिन उसके नाम में भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय भावना की झलक होनी चाहिए।

उन्होंने इसके लिए कई विकल्प भी सुझाए हैं। इनमें राजकीय स्नेह मिलन समारोह, स्वागत एवं स्नेह समारोह, अभिनंदन समारोह, राष्ट्र पर्व स्नेह समारोह और राष्ट्रीय अभिनंदन समारोह जैसे नाम शामिल हैं। उनका कहना है कि इनमें से किसी भारतीय नाम को अपनाकर राष्ट्रीय पर्वों से जुड़े समारोह को देश की सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप बनाया जा सकता है।

गृह मंत्रालय से परामर्श का सुझाव : अजय जग्गा ने राज्यपाल से आग्रह किया है कि इस विषय पर गृह मंत्रालय और अन्य संबंधित प्राधिकारियों से भी परामर्श किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि 'एट होम' की जगह भारतीय शब्दावली अपनाने का निर्णय लिया जाता है तो इसे आगामी गणतंत्र दिवस या स्वतंत्रता दिवस से लागू किया जा सकता है।

कर्मचारियों के हक पर गरजे वड़िंग सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने सरकारी कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी करने और उनकी आवाज दबाने के लिए सरकारी ताकत के इस्तेमाल का आरोप राज्य सरकार पर लगाया है। कांग्रेस के 'योद्धाओं के साथ सत्र-2' कार्यक्रम के दौरान वड़िंग ने कर्मचारियों को महंगाई भत्ता और पुरानी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

वड़िंग ने कहा कि राज्य सरकार एक तरफ पंजाब के पास पर्याप्त धन होने का दावा करती है, जबकि दूसरी ओर कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देने के लिए पैसे की कमी बताती है। उन्होंने उच्च न्यायालय के महंगाई भत्ते से जुड़े आदेश के खिलाफ सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के फैसले पर भी सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों ने आम आदमी पार्टी को सत्ता में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। चुनाव से पहले कर्मचारियों से कई वादे किए गए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें भुला दिया गया। वड़िंग के अनुसार किसान, मजदूर, सफाई कर्मचारी, शिक्षक और पंजाब राज्य बिजली निगम लिमिटेड के कर्मचारी समेत विभिन्न वर्ग सरकार के रवैये से परेशान हैं।

पुरानी पेंशन योजना को लेकर भी वड़िंग ने सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा किया और इसका अधिसूचना भी जारी किया, लेकिन इसे वास्तविक रूप से लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है।

न्यूज ब्रीफ

कर्मचारियों के समर्थन में शिक्षक एकजुट, 27 अगस्त को पंजाब बंद

भारतेन्दु संवाददाता, श्री चमकौर साहिब। पंजाब मुलाजिम एवं पेंशनर्स संयुक्त फ्रंट तथा संयुक्त कर्मचारी मंच पंजाब की समन्वय समिति की ओर से सात अगस्त को चंडीगढ़ में आयोजित रैली के दौरान घोषित 27 अगस्त के पंजाब बंद को सफल बनाने के लिए प्रदेश के विभिन्न शिक्षक संगठनों की वर्चुअल बैठक हुई। बैठक में बंद को सफल बनाने और शिक्षकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर रणनीति तैयार की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 27 अगस्त को प्रदेशभर के शिक्षक सामूहिक अवकाश लेकर कर्मचारी संगठनों के विरोध प्रदर्शनों में शामिल होंगे। आंदोलन की तैयारियों के लिए 17, 18 और 19 अगस्त को जिला स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में शिक्षकों को आंदोलन की रणनीति और उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही संबंधित विभागीय प्रमुखों को सामूहिक अवकाश का नोटिस भेजने का फैसला भी किया गया।

फिरोजपुर में 65 वर्षीय कारोबारी ने खुद को गोली मारकर दी जान

भारतेन्दु संवाददाता, फिरोजपुर। गोल्डन एनक्लेव में सोमवार सुबह 65 वर्षीय स्पेयर पार्ट्स कारोबारी गुरकृपाल सिंह चावला ने अपने कमरे में खुद को गोली मारकर जान दे दी। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। गुरकृपाल सिंह बगदादी गेट चौक में स्पेयर पार्ट्स की दुकान चलाते थे। परिवार के अनुसार सोमवार सुबह करीब चार बजे वह रोजाना की तरह उठे, स्नान करने के बाद पाठ किया और पानी पीकर अपने कमरे में चले गए। उन्होंने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर परिजनों ने दरवाजा खोला तो वह मृत अवस्था में मिले। परिजनों ने बताया कि घर में किसी तरह का तनाव या विवाद नहीं था। हालांकि गुरकृपाल सिंह के दिमाग से संबंधित बीमारी का इलाज पीजीआई चंडीगढ़ से चल रहा था और करीब एक वर्ष पहले उनका ऑपरेशन भी हुआ था। घटना की वजह को लेकर परिवार भी हैरान है।

नाले के दूषित पानी से अवैध शराब बनाने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। अजनाला क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार से जुड़ा चिंताजनक मामला सामने आया है। आरोप है कि शराब माफिया नाले के दूषित पानी का इस्तेमाल अवैध शराब बनाने में कर रहे हैं। उपभोक्ताओं के बीच यह भ्रम भी फैलाया जा रहा है कि खारे या नाले के पानी से तैयार शराब का स्वाद और नशा अलग होता है। कुछ लोग इसे पहाड़ी क्षेत्रों की जड़ी-बूटियों से जुड़ा पानी बताकर प्रचारित करते हैं और यहां तक दावा किया जाता है कि इससे खुजली ठीक हो सकती है। जानकारों के अनुसार नालों के पानी में गंदगी, अपशिष्ट और अन्य हानिकारक पदार्थ हो सकते हैं। ऐसे पानी का इस्तेमाल लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। क्षेत्र में पहले भी अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई और बरामदगी होती रही है, लेकिन कारोबार पूरी तरह बंद नहीं हो सका। विशेषज्ञों ने लोगों को ऐसे भ्रामक दावों से सावधान रहने की सलाह दी है।

हथौड़े से तिजोरी तोड़ी, हिडन कैमरे में कैद हुआ शातिर चोर

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। घोड़ा कॉलोनी के पास स्थित अमन सत्कार लॉजिस्टिक के दफ्तर में शातिर चोर ने सेंध लगाकर करीब सवा लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली। चोर हथौड़ा लेकर दफ्तर में घुसा और सभी लॉकर व तिजोरी के ताले तोड़कर नकदी लेकर फरार हो गया। ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक अमन के अनुसार वह रविवार रात दफ्तर बंद कर घर चले गए थे। सोमवार सुबह करीब छह बजे जब वह दफ्तर पहुंचे तो अंदर सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों व लॉकरों के ताले टूटे हुए थे। जांच करने पर तिजोरी से करीब 1.25 लाख रुपये गायब मिले। चोर ने पहचान छिपाने के लिए दफ्तर में लगे तीन मुख्य सीसीटीवी कैमरों की दिशा बदल दी थी। हालांकि, उसे एसी के पीछे लगे छिपे कैमरे की जानकारी नहीं थी। कैमरे में करीब एक घंटे तक उसकी पूरी गतिविधि रिकॉर्ड हो गई।

चंडीगढ़ के अर्शदीप बने ब्रिटेन वायुसेना के पहले सिख लड़ाकू पायलट अधिकारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

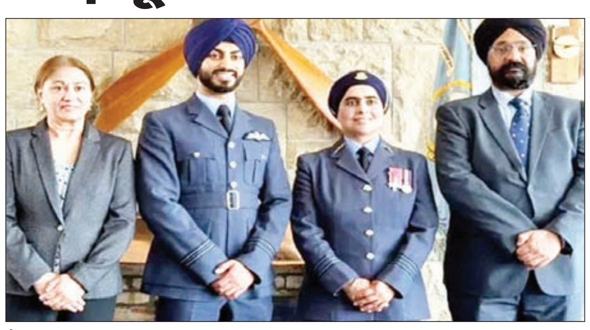

चंडीगढ़ में जन्मे 28 वर्षीय फ्लाइट लेफ्टिनेंट अर्शदीप सिंह डांग ने ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन की वायुसेना में लड़ाकू पायलट के पंख हासिल करने वाले पहले सिख बन गए हैं। 14 अगस्त को उत्तरी वेल्स स्थित रॉयल एयर फोर्स वैली में आयोजित समारोह में उन्हें लड़ाकू पायलट के पंख प्रदान किए गए।

अर्शदीप वर्ष 2021 में ब्रिटेन की वायुसेना में शामिल हुए थे। उन्होंने 2022 में अधिकारी प्रशिक्षण पूरा किया। इसके बाद उन्होंने कठिन उड़ान प्रशिक्षण शुरू किया और जुलाई 2026 में पायलट पंखों की परीक्षा सफलतापूर्वक पास की। वायुसेना के अनुसार, वह टेक्सन विमान पर प्रशिक्षण पूरा करने वाले पहले सिख प्रशिक्षु भी हैं। अपने प्रशिक्षण समूह में वह भारतीय मूल के एकमात्र पायलट रहे।

अर्शदीप का जन्म वर्ष 1998 में चंडीगढ़ में हुआ था। जब वह छह वर्ष के थे, तब उनका परिवार ब्रिटेन चला गया। उनके पिता जगदीप सिंह डांग लुधियाना और मां गगनदीप कौर अमृतसर से हैं। उनका परिवार इंग्लैंड के साउथॉल में रहता है।

अर्शदीप ने ब्रिस्टल विश्वविद्यालय से गणित और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की। वर्ष 2023 में उन्होंने प्राथमिक उड़ान प्रशिक्षण लिया और 2024 में लड़ाकू विमान प्रशिक्षण के लिए चयनित हुए। अब अग्रिम लड़ाकू विमान उड़ाने से पहले उन्हें करीब एक वर्ष का अतिरिक्त कठिन प्रशिक्षण पूरा करना होगा।

अर्शदीप ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार को दिया। उन्होंने बताया कि उनके दादा सरदार संतोख सिंह डांग का सपना था कि उनके पिता पायलट बनें। इसी कारण परिवार में विमानन के प्रति रुचि बनी। उन्होंने कहा कि उनकी मां ने कठिन परिस्थितियों में उनका पालन-पोषण किया और उन्हें सिख मूल्यों से जोड़े रखा।

ईडी पत्र से पंजाब में सियासी हलचल एफआईआर पर कानूनी राय का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पत्र के बाद पंजाब की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में हलचल बढ़ गई है। ईडी ने पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव को पत्र भेजकर निजी व्यक्ति नितिन गोहल और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आधार बताया है। एजेंसी का कहना है कि धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत जांच के दौरान ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत संज्ञेय अपराध बनते हैं।

ईडी की जांच अजय सहगल और इंडियन कोऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसायटी से जुड़े मामले से संबंधित है। एजेंसी के अनुसार सरकारी अधिकारियों के माध्यम से कुछ रियल एस्टेट संस्थाओं को भूमि उपयोग परिवर्तन की सुविधा दिलाने की कोशिश की गई। जांच के दौरान नितिन गोहल की भूमिका भी सामने आई। ईडी का आरोप है कि गोहल ने मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी राजबीर घुम्मण से संपर्क का इस्तेमाल सरकारी कामकाज को प्रभावित करने के लिए किया।

एजेंसी ने गोहल पर अधिकारियों के तबादलों और तैनातियों, गोपनीय दस्तावेजों, हथियार लाइसेंस, सुरक्षा मंजूरियों तथा अन्य सरकारी लाभों के मामलों में बिचौलिये की भूमिका निभाने का आरोप लगाया है। ईडी के अनुसार कथित गतिविधियों से करीब दो करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित आय जुटाई गई।

ईडी ने मई में गोहल और अन्य लोगों के परिसरों की तलाशी के दौरान दस्तावेज और करीब एक करोड़ रुपये नकद बरामद करने का दावा किया है। जांच में मोबाइल फोन से मिले वाट्सऐप संदेशों और कॉल रिकॉर्ड का भी हवाला दिया गया है।

नए मतदाताओं पर छात्र संगठनों की नजर, समर्थन जुटाने में जुटे संगठन

पांच हजार नए मतदाता बदल सकते हैं पंजाब यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव के समीकरण

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव को लेकर कैंपस में सियासी हलचल तेज हो गई है। सितंबर के पहले सप्ताह में प्रस्तावित चुनाव को लेकर छात्र संगठनों ने अपनी रणनीति तैयार करनी शुरू कर दी है। इस बार मुकाबला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पिछले दो चुनावों में अध्यक्ष पद के परिणामों ने छात्र राजनीति के पुराने समीकरणों को बदल दिया है।

वर्ष 2024 में पहली बार किसी निर्दलीय उम्मीदवार ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज कर छात्र संगठनों को बड़ा झटका दिया था। इसके बाद पिछले वर्ष पंजाब यूनिवर्सिटी के इतिहास में पहली बार अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष पद पर कब्जा किया। लगातार दो चुनावों में अलग-अलग परिणाम सामने आने से इस बार सभी प्रमुख छात्र संगठनों के सामने अपनी रणनीति को नए सिरे से मजबूत करने की चुनौती है।

इस चुनाव में करीब पांच हजार नए मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। पंजाब यूनिवर्सिटी में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 16 हजार है। इस लिहाज से लगभग एक तिहाई मतदाता ऐसे हैं जो पहली बार छात्रसंघ चुनाव में मतदान करेंगे। यही वजह है कि नए मतदाताओं को इस बार चुनावी मुकाबले का सबसे महत्वपूर्ण वर्ग माना जा रहा है। जिस संगठन को इन नए छात्रों का समर्थन मिलेगा उसकी स्थिति चुनाव में काफी मजबूत हो सकती है।

नए मतदाताओं की अहमियत को समझते हुए छात्र संगठनों ने पहले से ही उनसे संपर्क बढ़ाना शुरू कर दिया है। दाखिला प्रक्रिया के दौरान कई संगठनों ने विभिन्न विभागों के बाहर हेल्प डेस्क लगाए थे। इसके अलावा नए विद्यार्थियों को कैंपस की जानकारी देने के साथ उनकी काउंसलिंग भी की गई। छात्र संगठनों का प्रयास रहा कि नए विद्यार्थियों के साथ शुरुआती स्तर पर ही संपर्क स्थापित किया जाए और उन्हें संगठन की विचारधारा तथा गतिविधियों से जोड़ा जा सके।

1977 में शुरू हुए थे प्रत्यक्ष चुनाव: पंजाब यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनावों की शुरुआत अकादमिक स्तर पर वर्ष 1965-66 में हुई थी। हालांकि प्रत्यक्ष रूप से छात्रसंघ चुनाव वर्ष 1977 में शुरू किए गए। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव समेत चार प्रमुख पदों के लिए मतदान होता है। वर्ष 1983 में कुछ कारणों के चलते चुनाव प्रक्रिया रोक दी गई थी।

इसके बाद वर्ष 1997 में छात्रों के आंदोलन और प्रदर्शन के बाद छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई। तब से विश्वविद्यालय प्रशासन परिसर में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने और विद्यार्थियों की लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोजित करता रहा है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग और न्यायालय की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया जाता है।

सुखबीर पर हमले को हरसिमरत ने बताया सुनियोजित साजिश, बोलीं और मजबूत होगा अकाली दल

◆ हरसिमरत ने अमित शाह से दोनों हमलों की एनआईए जांच की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने अपने पति और पार्टी नेता सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले को राजनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 48 घंटे परिवार के लिए बेहद कठिन रहे हैं, लेकिन इस घटना से उनका हौसला नहीं टूटा है। उन्होंने कहा कि जितना उन्हें तोड़ने की कोशिश की जाएगी, वे उतने ही मजबूत होकर उभरेंगे।

खन्ना जिले के इसरू गांव में गोवा मुक्ति आंदोलन के शहीद करनैल सिंह इसरू की स्मृति में आयोजित सम्मेलन में हरसिमरत ने कहा कि सुखबीर बादल को कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन हमले के कारण वह नहीं पहुंच सके। उन्होंने कहा कि सुखबीर पर उस समय हमला हुआ, जब वह पंजाब में शांति और खुशहाली की प्रार्थना कर रहे थे।

सुखबीर बादल पर गुरुवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ स्थित गुरुद्वारे में प्रार्थना के दौरान एक निहंग ने कृपाण से हमला किया था। उनके दाहिने हाथ पर चोट लगी थी। पुलिस ने हमलावर को मौके से गिरफ्तार कर लिया था। प्राथमिक उपचार के बाद सुखबीर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जिसके बाद उन्हें गुरुग्राम के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

हरसिमरत ने आरोप लगाया कि सुखबीर पर दो वर्षों में यह दूसरा हमला है और इसके पीछे राजनीतिक साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 से पंजाब में शांति भंग करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने हमलावर की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि गुरु के स्थान पर ऐसी घटना को अंजाम देने वाला व्यक्ति सच्ची सिख भावना का प्रतिनिधित्व नहीं करता।

खनौरी बॉर्डर से दिल्ली कूच को लेकर किसानों का रुख अडिग

हरियाणा सीमा बंद होने से रुके किसान, प्रशासन से रास्ता खोलने की मांग जारी

भारतेन्दु संवाददाता, संगरूर

खनौरी बॉर्डर पर किसानों का मोर्चा सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। किसानों की ओर से दिल्ली के जंतर-मंतर तक पैदल मार्च करने की मांग को लेकर स्थिति बनी हुई है। इसी बीच संगरूर और पटियाला के सिविल एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल तथा अन्य किसान नेताओं के साथ बैठक कर मौजूदा स्थिति पर चर्चा की।

बैठक के बाद जगजीत सिंह डल्लेवाल ने पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि खनौरी बॉर्डर पर किसानों का स्थायी मोर्चा लगाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों का उद्देश्य पैदल दिल्ली पहुंचकर जंतर-मंतर पर अपनी मांगें उठाना है। उनके अनुसार जत्थे में 51 किसान पदयात्री और कुछ सहयोगी किसान शामिल हैं, लेकिन हरियाणा प्रशासन की ओर से खनौरी बॉर्डर को सील किए जाने के कारण उन्हें वहीं रुकना पड़ा है।

डल्लेवाल ने कहा कि यदि हरियाणा प्रशासन रास्ता खोलकर किसानों को पैदल आगे जाने की अनुमति देता है तो जत्था तुरंत खनौरी बॉर्डर से रवाना हो जाएगा। उन्होंने प्रशासन से रास्ता खोलने के लिए हरियाणा सरकार से बातचीत करने की अपील की।

नौ पुरानी मांगों के साथ नई मांग भी शामिल : डल्लेवाल ने बताया कि पंजाब सरकार की ओर से प्रशासनिक अधिकारी किसान नेताओं से बातचीत करने पहुंचे थे। बैठक में किसानों की मांगों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन-2 के दौरान उठाई गई नौ प्रमुख मांगें अभी भी महत्वपूर्ण हैं। इनमें सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करना और किसानों की कर्जमाफी जैसी मांगें शामिल हैं।

इसके अलावा अब किसान भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को रद्द करने की मांग भी उठा रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि इस समझौते से कृषि क्षेत्र और किसानों के हित प्रभावित होने की आशंका है।

केंद्रीय कृषि मंत्री से बैठक की मांग : जगजीत सिंह डल्लेवाल ने प्रशासन से मांग की कि पंजाब और हरियाणा सरकार मिलकर रास्ता खुलवाने की दिशा में पहल करें। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री के साथ किसानों की बैठक तय करवाने की भी मांग की। उनका कहना है कि किसान आंदोलन-2 के दौरान जिन मांगों पर बातचीत रुकी थी, उसी बिंदु से वार्ता दोबारा शुरू की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसानों और प्रशासन के बीच बातचीत का दौर जारी है। आगे की रणनीति सभी किसान संगठनों और साथियों की सहमति से तय की जाएगी।

51 की जगह 41 किसानों का जत्था भेजने को तैयार : डल्लेवाल ने बताया कि हरियाणा प्रशासन की ओर से जत्थे में किसानों की संख्या कम करने की बात कही गई है। किसान संगठन इस पर भी सहमति देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन 51 किसानों के बजाय 41 किसानों को पैदल आगे जाने की अनुमति देता है तो किसान संगठन इसके लिए तैयार हैं।

किसान नेता ने प्रशासन से जल्द निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा कि किसानों का उद्देश्य टकराव पैदा करना नहीं बल्कि अपनी मांगों को शांतिपूर्ण तरीके से केंद्र सरकार तक पहुंचाना है। फिलहाल खनौरी बॉर्डर पर किसानों की मौजूदगी बनी हुई है और प्रशासन तथा किसान नेताओं के बीच बातचीत के आधार पर आगे की रणनीति तय होने की संभावना है। किसान नेताओं ने कहा कि खनौरी बॉर्डर पर स्थिति फिलहाल शांतिपूर्ण बनी हुई है और प्रशासन के साथ संवाद का रास्ता खुला है। किसानों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से केंद्र सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं।

ठोस कचरा प्रबंधन नियमों का मसौदा जारी उल्लंघन पर होगा 10 लाख तक का जुर्माना

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

नगर निगम ने ठोस कचरा प्रबंधन उपनियम-2026 का मसौदा जारी कर शहरवासियों से 15 दिन के भीतर सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। प्रस्तावित उपनियमों के तहत घरों सहित अन्य सभी कचरा उत्पादकों के लिए स्रोत स्तर पर ही कचरे को अलग-अलग करना अनिवार्य किया गया है। कचरे को चार श्रेणियों गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष देखभाल वाला कचरा में विभाजित कर अधिकृत कलेक्टर को सौंपना होगा।

मसौदे में कचरा प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 500 रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रविधान किया गया है। सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने पर पहली बार 500 रुपये, दूसरी बार 1,000 रुपये और इसके बाद प्रत्येक उल्लंघन पर 2,000 रुपये जुर्माना प्रस्तावित है। वहीं खुले में कचरा जलाने पर पहली बार 5,000 रुपये, दूसरी बार 10,000 रुपये और इसके बाद 20,000 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

15 दिन में भेज सकते हैं सुझाव: नगर निगम ने नागरिकों से मसौदे पर अपने सुझाव और आपत्तियां 15 दिन के भीतर भेजने को कहा है। इसके लिए नागरिक ई-मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया भेज सकते हैं या नगर निगम के एमओएच कार्यालय में लिखित रूप से सुझाव जमा करवा सकते हैं। मसौदा निगम की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है।

बल्क वेस्ट जनरेटर पर विशेष प्रावधान : प्रस्तावित उपनियमों में प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक कचरा पैदा करने वाली हाउसिंग सोसायटियों, संस्थानों, होटलों, रेस्तरां, अस्पतालों, बाजारों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बल्क वेस्ट जनरेटर माना जाएगा। ऐसे प्रतिष्ठानों के लिए अपने परिसर में ही गीले कचरे का कंपोस्टिंग या बायो-मेथनेशन के माध्यम से प्रसंस्करण करना जरूरी होगा।

इसके अलावा बल्क वेस्ट जनरेटर को कचरे का स्रोत पर पृथक्करण सुनिश्चित करना, कचरा प्रबंधन से संबंधित रिकॉर्ड रखना और नियमित रूप से मासिक रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य होगा।

जम्मू में उमर सरकार के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के इस्तीफे की उठी मांग

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिजली, बेरोजगारी और वादाखिलाफी पर सरकार को घेरा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

नेशनल कांफ्रेंस के नेतृत्व वाली उमर अब्दुल्ला सरकार के खिलाफ सोमवार को भाजपा ने जम्मू में जोरदार प्रदर्शन किया। बिजली कटौती, बेरोजगारी और चुनावी वादों को पूरा न करने के आरोपों को लेकर बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनके इस्तीफे की मांग की।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जम्मू शहर के अलग-अलग हिस्सों से सुबह करीब 10:30 बजे प्रदर्शन शुरू किया। डोगरा चौक, महेशपुरा और पंततीर्थी सहित कई स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ता एकत्र हुए और वहां से सिविल सचिवालय की ओर मार्च किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा, सांसद जुगल किशोर शर्मा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार जनता से किए गए चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने बिजली आपूर्ति की स्थिति और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। सचिवालय की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने कई स्थानों पर बैरिकेड्स लगाए थे। हालांकि, भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह बैरिकेड्स पार करने की कोशिश की। इसके कारण प्रदर्शन स्थल पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

> **भाजपा** नेताओं ने कहा कि सरकार को बिजली, रोजगार और अन्य जनसमस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराया।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सचिवालय के बाहर पहुंचकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के पुतले भी फूंके गए। पार्टी नेताओं ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और सरकार को अपने वादों पर जवाब देना चाहिए।

भाजपा का सरकार पर हमला

भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द जनसमस्याओं का समाधान नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने बिजली आपूर्ति सुधारने, युवाओं को रोजगार देने और चुनावी वादों को पूरा करने की मांग उठाई। पार्टी ने कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर वह आगे भी सरकार के खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। भाजपा ने कहा कि सरकार को जनता की समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर जल्द ठोस निर्णय लेना चाहिए। पार्टी ने कहा कि मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन व्यापक किया जाएगा।

भर्ती नियमों को अंतिम रूप देने की मांग पर हड़ताल

राजौरी। सेवा भर्ती नियमों को अंतिम रूप देकर अधिसूचित करने की मांग को लेकर राजौरी स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज के गैर-राजपत्रित कर्मचारियों ने सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में एकत्र होकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की। कर्मचारियों का कहना है कि वर्ष 2019 से सेवा भर्ती नियम लंबित हैं। नियमों के अधिसूचित नहीं होने के कारण कर्मचारियों की पदोन्नति और करियर प्रगति प्रभावित हो रही है। लंबे समय से इस मुद्दे के समाधान की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक भर्ती नियमों को अंतिम रूप देकर लागू नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। हालांकि हड़ताल के बावजूद अस्पताल में आपातकालीन और जीवनरक्षक चिकित्सा सेवाएं प्रभावित नहीं होने दी जाएंगी। आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर की सेवाएं भी नियमित रूप से जारी रहेंगी।

सियाचिन में कड़ाके की ठंड के बीच जवानों ने दिखाई अदम्य दृढ़ता

माइनस तापमान में डटे जवानों का जीओसी ने बढ़ाया हौसला

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर में माइनस तापमान और बेहद कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच तैनात भारतीय सेना के जवानों की परिचालन तैयारियों का सोमवार को फायर एंड फ्यूरी कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल मदनराज पांडे ने जायजा लिया। दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में पहुंचे जीओसी ने अग्रिम इलाकों में तैनात सैनिकों से बातचीत की और उनकी तैयारियों, मनोबल तथा कार्यक्षमता की समीक्षा की।

दौरे के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने चुनौतीपूर्ण मौसम और दुर्गम परिस्थितियों में जवानों की दृढ़ता, अनुशासन और पेशेवर क्षमता की सराहना की। उन्होंने सभी रैंकों को परिचालन तैयारियों के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के साथ अनुशासन और पेशेवर उत्कृष्टता पर लगातार ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। फायर एंड फ्यूरी कोर के अनुसार, इस दौरे का उद्देश्य सियाचिन जैसे ऊंचाई वाले और कठिन क्षेत्र में तैनात सैनिकों की हर परिस्थिति से निपटने की क्षमता का आकलन करना था। सेना के जवान यहां अत्यंत कम तापमान और कठिन मौसम के बावजूद देश की सुरक्षा में लगातार डटे हुए हैं। जीओसी ने सैनिकों को हर चुनौती का प्रभावी ढंग से सामना करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

सियाचिन में सेना की मजबूत तैयारियां रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। यह दौरा अग्रिम मोर्चों पर तैनात जवानों के मनोबल को मजबूत करने और उनकी परिचालन क्षमता को लगातार बेहतर बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस दौरान जवानों ने अपनी तैयारियों और चुनौतियों से निपटने की क्षमता के बारे में जीओसी को जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी सैनिकों का मनोबल ऊंचा है। सियाचिन में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सेना लगातार आवश्यक कदम उठा रही है।

90 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले पुंछ में शिवभक्ति की अनोखी मिसाल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में प्रसिद्ध बूढ़ा अमरनाथ यात्रा सोमवार से शुरू हो गई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा 28 अगस्त तक चलेगी। बाबा बूढ़ा अमरनाथ धाम हिंदू श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आस्था केंद्र है, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यह यात्रा धार्मिक महत्व के साथ पुंछ की स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। यात्रा के दौरान होटल, दुकान, परिवहन, भोजन और अन्य सेवाओं से जुड़े लोगों को रोजगार और कारोबार के अवसर मिलते हैं। स्थानीय लोग भी श्रद्धालुओं के स्वागत में जुटते हैं। पुंछ की विविध आबादी के बीच यह यात्रा आपसी भाईचारे, एकता और सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल पेश करती है। आयोजनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत रखी जाती है। यात्रा से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय लोगों की आर्थिक गतिविधियां भी तेज होने की उम्मीद है।

'दिमागी नक्सल' बयान पर महबूबा का पलटवार, बोलीं- 370 का समर्थन करती रहूंगी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' बयान पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि वह अनुच्छेद 370 की बहाली का समर्थन करती हैं और यदि इसके कारण उन्हें 'दिमागी नक्सल' कहा जाता है तो वह यह पहचान स्वीकार करती हैं। महबूबा ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट के साथ प्रधानमंत्री मोदी और अपने दिवंगत पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद की पुरानी तस्वीर भी साझा की।

सत शर्मा एम्स विजयपुर की गवर्निंग बॉडी के सदस्य निर्वाचित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सत शर्मा को एम्स विजयपुर की गवर्निंग बॉडी का सदस्य निर्वाचित किया गया है। उनके चयन को प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे और चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सत शर्मा के राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक समझ को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि वह एम्स विजयपुर से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उनके अनुभव का लाभ संस्थान की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने और क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में मिल सकता है। मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

वंदे मातरम विवाद के बहाने युवाओं के मुद्दों से ध्यान भटका रही भाजपा : तारिक कर्रा

परीक्षा अनियमितताओं और बेरोजगारी को लेकर भाजपा पर कांग्रेस का पलटवार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक कर्रा ने सोमवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वंदे मातरम को लेकर किया जा रहा विरोध प्रदर्शन युवाओं और छात्रों से जुड़े गंभीर मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश है। कर्रा ने कहा कि देशभर में युवाओं और छात्रों में कथित परीक्षा अनियमितताओं तथा रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर नाराजगी है और भाजपा इस आक्रोश से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। कर्रा ने कहा कि भाजपा के विरोध प्रदर्शन के पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन प्रमुख उद्देश्य जनता का ध्यान युवाओं से जुड़े सवालों से हटाना है। उन्होंने दावा किया कि देश के विभिन्न हिस्सों में छात्र और युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। परीक्षा प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं और अन्य समस्याओं को लेकर भी नाराजगी सामने आ रही है।

कर्रा ने कहा कि इन मुद्दों पर चर्चा होने के बजाय राजनीतिक विवाद को तूल दिया जा रहा है। वंदे मातरम के कथित अपमान को लेकर भाजपा के आरोपों पर कर्रा ने कांग्रेस का पक्ष स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रगीत का अपमान नहीं किया है। उनके अनुसार, कार्यक्रम में जिस संस्करण का इस्तेमाल हुआ, वह कांग्रेस द्वारा स्वीकार्य नहीं है।

आजादी के पर्व पर खुली सुंगल टनल, जम्मू सफर हुआ आसान

भारतेंदु संवाददाता, राजोरी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजोरी-पुंछ के लोगों को बड़ी सौगात मिली। करीब 2.79 किलोमीटर लंबी सुंगल टनल को छोटे और हल्के वाहनों के लिए आम यातायात हेतु खोल दिया गया है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों की जम्मू से कनेक्टिविटी बेहतर होने और यात्रा का समय कम होने की उम्मीद है। फिलहाल टनल में सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक ही छोटे और हल्के वाहनों को आवाजाही की अनुमति दी गई है। रात आठ बजे के बाद यातायात बंद रहेगा। भारी वाहन, बस और मालवाहक वाहन अभी पुराने मार्ग से ही गुजरेंगे। टनल में कुछ निर्माण और फिनिशिंग का काम जारी होने के कारण यातायात सीमित रखा गया है।

गोलाबारी का डर बरकरार, उरी में सुरक्षा इंतजाम अधूरे

उरी में अब तक नहीं बने नए बंकर, दहशत में ग्रामीण

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी उरी में बंकरों का इंतजार, ग्रामीणों में दहशत बरकरार।

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के उरी क्षेत्र में सीमावर्ती गांवों के लोग एक साल से अधिक समय बीतने के बावजूद सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सीमा पार से गोलाबारी का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन उन्हें सुरक्षित रखने के लिए नए सामुदायिक बंकरों का निर्माण अब तक शुरू नहीं हो पाया है।

गत वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा पार से बढ़े तनाव के बीच उरी समेत नियंत्रण रेखा से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों को गोलाबारी का सामना करना पड़ा था। अभियान के बाद प्रशासन की ओर से सीमांत क्षेत्रों में नए बंकर बनाने का आश्वासन दिया गया था। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि जल्द ही सुरक्षित स्थान उपलब्ध होंगे, लेकिन समय बीतने के बाद भी स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, कई पुराने बंकरों की हालत भी अच्छी नहीं है। कुछ बंकर जर्जर हो चुके हैं और सभी परिवारों के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं है।

गोलाबारी के डर में सीमावर्ती ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि अचानक गोलाबारी शुरू होने पर परिवारों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से पुराने बंकरों की मरम्मत कराने और नए सामुदायिक बंकरों का निर्माण जल्द शुरू करने की मांग की है, ताकि सीमावर्ती लोगों को सुरक्षा का भरोसा मिल सके। ग्रामीणों ने कहा कि सुरक्षा इंतजाम मजबूत होने से सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों का भय कम होगा। प्रशासन को इस दिशा में जल्द ठोस कदम उठाने चाहिए।

नन्हीं बहनों ने जवान भाइयों के लिए पिरोया स्नेह और सम्मान का धागा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

देश की सीमाओं की रक्षा में दिन-रात तैनात रहने वाले जवानों के प्रति सम्मान और स्नेह प्रकट करने के लिए जम्मू के बच्चों ने अनूठी पहल की। दैनिक जागरण के भारत रक्षा पर्व अभियान के तहत नानक नगर स्थित ब्लूमिंग डेल स्कूल में छात्राओं ने सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए विशेष रूप से राखियां तैयार कीं।

इस दौरान बच्चों में गजब का उत्साह और देशभक्ति का भाव देखने को मिला। रंग-बिरंगे मोतियों, रेशमी धागों और आकर्षक सामग्री से छात्राओं ने सुंदर राखियां तैयार कीं। राखियां बनाते समय बच्चों ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर सीमा पर तैनात उनके फौजी भाई भी अपनेपन का एहसास कर सकें, इसी भावना से उन्होंने ये राखियां बनाई हैं। बच्चों के लिए यह केवल एक त्योहार की तैयारी नहीं, बल्कि देश की रक्षा करने वाले वीर जवानों के प्रति आभार व्यक्त करने का माध्यम है।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ राखियां बनाईं।

जम्मू-कश्मीर की पवित्र बूढ़ा अमरनाथ यात्रा शुरू, कड़ी सुरक्षा के बीच जत्था रवाना, एलजी सिन्हा ने दिखाई झंडी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

भगवती नगर से रवाना हुआ पहला जत्था

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले की लोरन घाटी में पुलस्त्य नदी के किनारे स्थित हिमालयी तीर्थस्थल बूढ़ा अमरनाथ की वार्षिक यात्रा सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सुबह करीब साढ़े छह बजे जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को झंडी दिखाकर रवाना किया। करीब 12 दिन तक चलने वाली यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर संपन्न होगी। यात्रा को लेकर जम्मू-राजौरी-पुंछ राजमार्ग सहित आधार शिविर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सुरक्षाबलों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। यात्रा शुरू होने से एक दिन पहले पुंछ में विशेष अभियान समूह ने दशनामी अखाड़ा मंदिर और शंकर नगर में तलाशी अभियान भी चलाया था।

प्रशासन ने लोगों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने और अनजान लोगों को घर में ठहराने से बचने की अपील की है। समुद्र तल से करीब 4,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित बूढ़ा अमरनाथ मंदिर जम्मू से लगभग 290 किलोमीटर दूर है। पुंछ कस्बे से मंदिर की दूरी करीब 23 किलोमीटर है।

उमर सरकार के दो फैसलों पर केंद्र की मंजूरी अटकी

आरक्षण और बिजनेस रूल्स पर दिल्ली जाएगी उमर सरकार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर सरकार के दो महत्वपूर्ण कैबिनेट फैसले लंबे समय से केंद्र सरकार की मंजूरी के इंतजार में हैं। सामान्य वर्ग के आरक्षण और बिजनेस रूल्स से जुड़े इन प्रस्तावों पर अब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला केंद्र सरकार के समक्ष मामला उठाने की तैयारी में हैं।

मुख्यमंत्री जल्द दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर दोनों लंबित मामलों पर जल्द निर्णय की मांग करेंगे। सरकार के अनुसार, बिजनेस रूल्स से संबंधित प्रस्ताव पहले कैबिनेट से मंजूर होकर केंद्र को भेजा गया था। केंद्र की ओर से कुछ आपत्तियां जताए जाने के बाद इसे वापस भेज दिया गया था। इसके बाद प्रदेश सरकार ने आवश्यक संशोधन कर प्रस्ताव दोबारा तैयार किया और उपराज्यपाल के माध्यम से केंद्र को भेजा। इसके बावजूद इस पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है।

बिजनेस रूल्स के माध्यम से जम्मू-कश्मीर सरकार के प्रशासनिक अधिकारों और कामकाज की सीमाएं निर्धारित होती हैं। सरकार का कहना है कि केंद्र की ओर से सुझाए गए बदलावों को प्रस्ताव में शामिल किया जा चुका है और इस मामले में आवश्यक लचीलापन भी दिखाया गया है। वहीं, सामान्य वर्ग के आरक्षण का प्रस्ताव भी केंद्र के स्तर पर लंबित है। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री सकीना इत्तू की अध्यक्षता में समिति गठित की गई थी। समिति की रिपोर्ट को कैबिनेट की मंजूरी के बाद उपराज्यपाल के पास भेजा गया था।

कुछ आपत्तियों के चलते रिपोर्ट वापस प्रदेश सरकार को भेजी गई, जिसके बाद आवश्यक संशोधन किए गए। सरकार ने सरकारी नौकरियों में सामान्य वर्ग के आरक्षण में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया है।

दीवारों में करंट और उखड़ता पलस्तर खतरे में 600 बच्चों की पढ़ाई

भारतेंदु संवाददाता, ऊधमपुर

ऊधमपुर के लोअर बरमीन स्थित पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल की जर्जर इमारत में करीब 600 बच्चे पढ़ने को मजबूर हैं। बारिश के दौरान स्कूल की छत से पानी टपकता है और कक्षाओं व गलियारों में पानी जमा हो जाता है। दीवारें सीलन से भरी हैं, कई जगह पलस्तर उखड़ चुका है और दीमक का असर भी दिखाई देता है। स्कूल में दीवार छूने पर करंट महसूस होने की शिकायत भी सामने आई है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जर्जर कमरों की स्थिति के कारण कई बार बच्चों को दूसरी कक्षाओं में बैठाना पड़ता है। वहीं, स्कूल की चारदीवारी भी टूटी हुई है, जिससे मवेशियों के परिसर में घुसने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों और स्कूल प्रबंधन की ओर से भवन की मरम्मत को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। पीएम श्री योजना में शामिल होने के बावजूद विद्यालय की बदहाली सवाल खड़े कर रही है। भवन की मरम्मत और विद्युत सुरक्षा व्यवस्था जल्द दुरुस्त करने की मांग लगातार उठ रही है।

विकास | बैसरन घाटी को सर्किट रोड से जोड़ने की तैयारी, दो से तीन साल में पूरा होगा सड़क निर्माण

बैसरन घाटी तक पहुंचेगी मोटरेबल सड़क, 6.09 करोड़ रुपए होंगे खर्च

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

पहलगाम की प्रसिद्ध बैसरन घाटी में अब विकास की नई शुरुआत होने जा रही है। घाटी तक बेहतर पहुंच के लिए 6.09 करोड़ रुपये की लागत से चार किलोमीटर से अधिक लंबी मोटरेबल सड़क बनाई जाएगी। यह सड़क बैसरन को सर्किट रोड से जोड़ेगी। इससे पर्यटकों के साथ सुरक्षाबलों को भी बेहतर संपर्क सुविधा मिल सकेगी।

इस परियोजना की आधारशिला पहलगाम विधायक अल्ताफ अहमद वानी ने रखी। सड़क का निर्माण नाबार्ड के तहत लोक निर्माण विभाग के सड़क एवं भवन प्रभाग द्वारा किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, परियोजना को पूरा होने में करीब दो से तीन वर्ष लग सकते हैं। बैसरन घाटी को मिनी स्विटजरलैंड के नाम से भी जाना जाता है। यहां पहुंचने के लिए अभी पर्यटकों को मुख्य रूप से पैदल यात्रा या टट्टू की सवारी का सहारा लेना पड़ता है।

छह करोड़ में बदलेगी बैसरन घाटी की तस्वीर

सड़क बनने से पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

पर्यटन को मिलेगी रफ्तार

परियोजना से बैसरन घाटी में पर्यटन को नई गति मिलने की उम्मीद है। सड़क बनने के बाद यहां पर्यटकों की आवाजाही आसान होगी और आपात स्थिति में सुरक्षाबलों की पहुंच भी तेज हो सकेगी। स्थानीय कारोबारियों और पर्यटन से जुड़े लोगों को भी इसका लाभ मिलने की संभावना है। सरकार का उद्देश्य क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर सुरक्षित और सुविधाजनक पर्यटन को बढ़ावा देना है।

घाटी में बढ़ेगा रोजगार

इसके साथ ही बैसरन घाटी में अन्य पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की भी तैयारी है। सड़क बनने से स्थानीय लोगों को अपने उत्पाद और सेवाएं पर्यटकों तक पहुंचाने में आसानी होगी। इससे होटल, घोड़ा संचालन, खानपान और अन्य पर्यटन आधारित गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है। अधिकारियों का मानना है कि बेहतर संपर्क सुविधा से क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। विकास कार्यों के साथ सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से पर्यटकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है।

सड़क से बदलेगी तस्वीर

नई सड़क से बैसरन घाटी में वर्षभर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावना है। बेहतर संपर्क के कारण बुजुर्गों, बच्चों और परिवारों के लिए भी यहां पहुंचना पहले की तुलना में आसान हो सकता है। स्थानीय प्रशासन को उम्मीद है कि परियोजना पूरी होने के बाद पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, जिससे आसपास के गांवों में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी। रोजगार के नए अवसर पैदा होने के साथ स्थानीय युवाओं को पर्यटन क्षेत्र में काम मिल सकता है।

हनुमान जी के चरित्र में छिपा है साहस, बुद्धि भक्ति और निस्वार्थ सेवा का अद्भुत संगम

भारतीय संस्कृति में सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित माना गया है। इन्हीं में मंगलवार का विशेष महत्व है। यह दिन भगवान हनुमान और मंगल ग्रह से जुड़ा हुआ माना जाता है। हिंदू धर्म में मंगलवार को शक्ति, साहस, पराक्रम, आत्मविश्वास और सेवा भावना का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान हनुमान की आराधना करने से भय, संकट, रोग और नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है। यही कारण है कि देशभर के हनुमान मंदिरों में मंगलवार को विशेष पूजा-अर्चना और भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

भगवान हनुमान को भगवान शिव का रुद्रावतार तथा श्रीराम का परम भक्त माना जाता है। उन्होंने अपने अद्भुत बल, बुद्धि, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा से मानवता के सामने आदर्श प्रस्तुत किया। रामायण में हनुमान जी का प्रत्येक कार्य कर्तव्यनिष्ठा, साहस और समर्पण का संदेश देता है। उन्होंने समुद्र लांघकर माता सीता का पता लगाया, लंका दहन किया और संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा की। इन घटनाओं से यह शिक्षा मिलती है कि दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और ईश्वर पर अटूट विश्वास से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं।

मंगलवार को अनेक श्रद्धालु व्रत रखते हैं और हनुमान चालीसा, सुंदरकांड तथा बजरंग बाण का पाठ करते हैं। मंदिरों में सिंदूर, चमेली का तेल, लाल फूल, नारियल और बूंदी का प्रसाद अर्पित किया जाता है। कई लोग इस दिन जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान भी करते हैं। भारतीय परंपरा में यह माना जाता है कि सच्ची भक्ति केवल पूजा तक सीमित नहीं होती, बल्कि सेवा, परोपकार और सदाचार के माध्यम से भी व्यक्त होती है। इसलिए मंगलवार को सेवा कार्यों का विशेष महत्व बताया गया है।

ज्योतिष शास्त्र में मंगलवार का संबंध मंगल ग्रह से माना गया है। मंगल ग्रह को साहस, ऊर्जा, पराक्रम, आत्मबल और नेतृत्व का कारक माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल की स्थिति कमजोर होती है, वे मंगलवार को विशेष पूजा, दान और मंत्र जाप करते हैं। हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि ज्योतिषीय उपायों के साथ-साथ अच्छे कर्म, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही जीवन में स्थायी सफलता का आधार बनते हैं।

मंगलवार हमें केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों की भी शिक्षा देता है। भगवान हनुमान का जीवन हमें विनम्रता, निष्ठा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता का संदेश देता है। अपार शक्ति होने के बावजूद उन्होंने कभी अहंकार नहीं किया। उन्होंने सदैव स्वयं को भगवान श्रीराम का सेवक माना। आज के समय में जब समाज में स्वार्थ, प्रतिस्पर्धा और तनाव बढ़ता जा रहा है, तब हनुमान जी का चरित्र हमें सेवा, संयम और समर्पण का मार्ग दिखाता है।

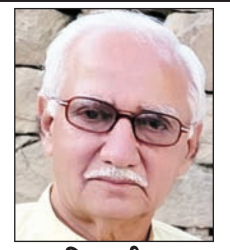

हरि राम धीमान
स्वतंत्र लेखक

आज का युवा वर्ग यदि हनुमान जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अनुशासन, आत्मविश्वास और परिश्रम को अपनाए तो वह जीवन की हर चुनौती का सामना कर सकता है। नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन, समय का सदुपयोग और लक्ष्य के प्रति समर्पण जैसे गुण भी हनुमान जी के व्यक्तित्व से जुड़े हुए हैं। इस दृष्टि से मंगलवार केवल धार्मिक अनुष्ठानों का दिन नहीं, बल्कि स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने की प्रेरणा देने वाला दिन भी है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मंगलवार को अनेक धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कई स्थानों पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भंडारे, रक्तदान शिविर और सेवा कार्य भी आयोजित होते हैं। इससे समाज में भाईचारे, सहयोग और सामाजिक एकता की भावना मजबूत होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

क्षेत्र के विकास के लिए राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास और जनसहभागिता जरूरी

आज के दौर में जिस प्रकार हर क्षेत्र में राजनीति का बोलबाला देखने एवं सुनने को मिलता है, तो वहीं इसमें भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राजनीति ही क्षेत्र समाज और किसी भी प्रदेश को विकास की दृष्टि से आगे बढ़ाने में अहम् भूमिका निभा सकता है जो कि लोकतांत्रिक रूप में विशेषाधिकार माना जाता है।
जिस प्रकार हाल ही में पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है और अपने अपने दलों एवं गुटों में उम्मीदवारों एवं कार्यकर्ताओं में ऐसी सक्रियता देखने एवं सुनने को मिलती है जिसे देखकर हर शिक्षित,जागरूक और बुद्धिजीवी वर्ग अचंभित नजर आता है, परंतु अगर अपने क्षेत्र समाज में कोई सामूहिक समस्या और गंभीर मुद्दे पर विचार विमर्श और सहयोग की बात आती है तो निसंदेह ऐसी स्थिति में चंद लोग भी राजनीति और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर एकत्रित होने में दिलचस्पी नहीं दिखाते। यह बहुत ही लज्जा और आत्मचिंतन करने का विषय है। साथ ही अपने क्षेत्र के पिछड़ने और विकास के रूप में सफल न होने का भी मुख्य कारण यही माना जाता है कि हम राजनीति से ऊपर उठकर और एकजुटता होने में कहीं न कहीं गुरेज करते हैं,राजनीति रूप से यह गंभीर स्थिति पंचायत चुनाव में ही नहीं बल्कि विधानसभा व लोकसभा चुनाव में भी बखूबी देखने एवं सुनने को मिलती हैं।

बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति को अपने विवेक और बुद्धिमत्ता के अनुसार किसी भी दल को अपना बहुमूल्य समर्थन देने का विशेषाधिकार प्राप्त है,जो हमेशा रहना चाहिए, परंतु केवल चुनाव के समय ही एकता और सक्रियता नहीं दिखनी चाहिए बल्कि चुनाव के उपरांत और चुनाव से पूर्व भी आपसी सौहार्द,भाईचारा और अपने क्षेत्र समाज के विकास और उत्थान के लिए राजनीति से ऊपर उठकर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से विभिन्न विकासात्मक कार्यों को करवाने में भी सक्रियता दिखनी चाहिए। साथ ही कभी कभी परिस्थितियां इस प्रकार से बनती हैं कि हम राजनीति के लिए अपने रिश्तों और आपसी भाईचारे को भी दांव पर लगा लेते हैं,जिससे राजनीति के कारण वर्षों तक समाज में आपसी मन मुटाव और बेवजह की तकरारें विभिन्न क्षेत्रों में देखने एवं सुनने को मिलती हैं।

इस प्रकार मीडिया बंधुओं के माध्यम से निवेदन और जनहित में सुझाव रहेगा कि हम चुनाव बेला की तरह ही अपने क्षेत्र समाज के विकास और उत्थान के लिए भी कुछ यूं ही अपनी सक्रियता और एकजुटता का परिचय देने का प्रयास करें ताकि भविष्य में हम आपका क्षेत्र विकास की दृष्टि से अग्रणी भूमिका में नजर आएं। अगर हम ऐसे विभिन्न क्षेत्रों को देखने को समझने का प्रयास करते हैं जो क्षेत्र विकास के रूप में अग्रणी भूमिका में माने जातें हैं तो ऐसे क्षेत्रों में सर्वप्रथम उन क्षेत्रों की जनता शिक्षित, जागरूक और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर जनहित में अपनी सहभागिता और अहम् भूमिका निभाने का प्रयास करते हैं। इसी का कारण है कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा नहीं मिलता और हर जनप्रतिनिधि विकास को आगे बढ़ाने में ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ क्षेत्र के विकास को लेकर सक्रिय नजर आते हैं।

तुलसी राम डोगरा
(स्वतंत्र लेखक), पालमपुर।

साथ ही इसमें भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जब हम अपने क्षेत्र की किसी भी महत्वपूर्ण उचित समस्याओं को राजनीति व निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर प्रयास करते हैं तो निस्संदेह किसी भी स्थानीय जनप्रतिनिधि को भी यकीनन सामूहिक कार्यों को करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा, और हम आप कहीं न कहीं विकास और सुविधाओं के लिए भविष्य में लाभान्वित होंगे।
आज के समय में आवश्यकता इस बात की भी है कि राजनीति को केवल चुनावी गतिविधियों तक सीमित न रखकर इसे सतत जनसेवा और जवाबदेही का माध्यम बनाया जाए। यदि स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधि नियमित रूप से जनता से संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को प्राथमिकता दें और विकास कार्यों की पारदर्शी निगरानी करें, तो समाज में विश्वास और सहभागिता दोनों बढ़ सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

पुनर्चक्रण से घटेगा कचरे का बोझ

तेजी से बढ़ते शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और बदलती जीवनशैली ने भारत सहित विश्व के अधिकांश शहरों के सामने कचरा प्रबंधन की गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। आज प्रत्येक शहर प्रतिदिन हजारों टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न कर रहा है। यदि इस कचरे का वैज्ञानिक और समयबद्ध तरीके से निस्तारण न किया जाए तो यह केवल गंदगी का कारण नहीं बनता, बल्कि पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य, जल स्रोतों, वायु गुणवत्ता तथा जैव विविधता के लिए भी गंभीर खतरा बन जाता है। स्वच्छ और सुंदर शहर केवल आधुनिक इमारतों, चौड़ी सड़कों और आकर्षक पार्कों से नहीं बनते, बल्कि उनकी वास्तविक पहचान वहां की स्वच्छता, सुव्यवस्थित कचरा प्रबंधन व्यवस्था और नागरिकों की जागरूकता से होती है। इसलिए कचरा प्रबंधन आज केवल नगर निकायों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व बन चुका है।

वर्तमान समय में शहरों में निकलने वाले कचरे में घरेलू अपशिष्ट, प्लास्टिक, पॉलीथीन, कागज, कांच, धातु, ई-कचरा, चिकित्सा अपशिष्ट, निर्माण सामग्री का मलबा तथा जैविक कचरा प्रमुख रूप से शामिल हैं। इनमें से प्लास्टिक और ई-कचरा सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं, क्योंकि ये लंबे समय तक नष्ट नहीं होते और पर्यावरण को निरंतर प्रदूषित करते रहते हैं। खुले स्थानों पर फेंका गया कचरा दुर्गंध फैलाता है, मच्छरों और मक्खियों को बढ़ावा देता है तथा डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, हैजा और अन्य संक्रामक रोगों के प्रसार का कारण बनता है। वर्षा के दौरान यही कचरा नालियों और जल निकासी मार्गों को अवरुद्ध कर देता है, जिससे जलभराव और शहरी बाढ़ जैसी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं।

कचरे का अनियोजित निस्तारण पर्यावरण संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। प्लास्टिक का कचरा मिट्टी की उर्वरता को कम करता है और वर्षा जल के साथ बहकर नदियों, झीलों और समुद्र तक पहुंच जाता है। इससे जल प्रदूषण बढ़ता है और जलीय जीवों का जीवन संकट में पड़ जाता है। खुले में जलाया जाने वाला कचरा वायु में विषैले धुएं और गैसों का उत्सर्जन करता है, जिससे श्वसन संबंधी रोग, एलर्जी और फेफड़ों की बीमारियां बढ़ती हैं। आज अनेक महानगरों में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण ठोस अपशिष्ट का अनुचित प्रबंधन भी है।

भारत सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने का प्रयास किया है। इस अभियान के अंतर्गत शहरों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने, घर-घर से कचरा संग्रहण, सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण, खुले में कचरा फेंकने पर रोक तथा नागरिकों को जागरूक बनाने जैसे अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। कई शहरों ने स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह सिद्ध किया है कि प्रशासन और नागरिक मिलकर किसी भी शहर को स्वच्छ बना सकते हैं। इंदौर, सूरत, नवी मुंबई और मैसूर जैसे शहर कचरा प्रबंधन के सफल उदाहरण बनकर सामने आए हैं। इन शहरों में स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण, नियमित संग्रहण, कम्पोस्टिंग, पुनर्चक्रण तथा आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।

कचरा प्रबंधन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण। यदि प्रत्येक परिवार गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्र करना शुरू कर दे तो कचरे का बड़ा हिस्सा पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण के योग्य बन सकता है। रसोई से निकलने वाले जैविक कचरे से कम्पोस्ट खाद तैयार की जा सकती है, जबकि प्लास्टिक, कागज, धातु और कांच जैसे पदार्थों का पुनर्चक्रण कर उन्हें दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है। इससे लैंडफिल स्थलों पर दबाव कम होगा और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी संभव होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि एकल-उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग न्यूनतम किया जाए। कपड़े के थैले, स्टील या कांच की बोतलें तथा पुनः उपयोग योग्य सामग्री को अपनाना समय की मांग है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी संस्थानों, बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में नियमित जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि लोगों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो। बच्चों में प्रारंभ से ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संस्कार विकसित किए जाएं, क्योंकि वही भविष्य में स्वच्छ समाज के निर्माण की आधारशिला बनेंगे।

नगर निगमों और स्थानीय निकायों को भी आधुनिक तकनीकों का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। घर-घर कचरा संग्रहण के लिए जीपीएस आधारित वाहन, स्मार्ट डस्टबिन, अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, बायोगैस इकाइयां, कम्पोस्ट प्लांट और पुनर्चक्रण केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। चिकित्सा अपशिष्ट और ई-कचरे के लिए अलग व्यवस्था विकसित करना भी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इनका सामान्य कचरे के साथ निस्तारण पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए अत्यंत हानिकारक हो सकता है। कचरा प्रबंधन में नागरिकों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

-शिवांश धाकड़

कविता

हौसलों से उम्मीद...!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

अंधेरों से क्यों डरना है, जब भीतर दीप जला है,
रास्ते चाहे कठिन हों, हौसलों से उन्हें सजाना है।
ये ठोकरें ही सिखाती हैं, कैसे आगे बढ़ जाना है,
गिरकर फिर उठ जाना, ये जीवन का 'तराना' है।
सपनों को मत सोने दो, उन्हें हकीकत बनाना है,
आज नहीं तो कल ही, 'मंजिल' तक तो जाना है।
हवा तेज हो या आंधी, दीपक फिर भी जलता है,
जो खुद पर विश्वास रखे, वही सदा 'संभलता' है।
उम्मीद की ये छोटी लौ, अंधेरा सब 'हर' जाती है,
जो कभी हार नहीं माने, वो जीत वरण करता है।
उजालों की ओर जो देखें, वहीं तो 'टिक' पाता है,
ख्वाब और ख्वाहिशें बड़ी, वही प्रेम गीत गाता है।

तुलना की आदत से जन्म लेती है ईर्ष्या, संतोष और आत्मविश्वास से मिलती है इससे मुक्ति

ईर्ष्या मनुष्य की उन स्वाभाविक भावनाओं में से एक है, जो किसी न किसी रूप में प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी अवश्य आती है। जब कोई व्यक्ति दूसरे की सफलता, प्रतिष्ठा, धन, सौंदर्य, प्रतिभा, लोकप्रियता या सुख-सुविधाओं को देखकर स्वयं को उससे कमतर महसूस करने लगता है, तब उसके मन में ईर्ष्या का भाव जन्म लेता है। यह भावना देखने में छोटी प्रतीत होती है, लेकिन यदि समय रहते इस पर नियंत्रण न किया जाए तो यह व्यक्ति के मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक जीवन को गहराई से प्रभावित कर सकती है। ईर्ष्या न केवल मन की शांति को छीन लेती है, बल्कि व्यक्ति की सोच, व्यवहार और निर्णय लेने की क्षमता को भी नकारात्मक दिशा में मोड़ देती है।

मानव जीवन में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विशेष महत्व है, क्योंकि यह व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। किंतु जब यही प्रतिस्पर्धा ईर्ष्या का रूप धारण कर लेती है, तब यह प्रेरणा के स्थान पर द्वेष, क्रोध और असंतोष को जन्म देती है। ईर्ष्यालु व्यक्ति अपनी ऊर्जा स्वयं को बेहतर बनाने में नहीं, बल्कि दूसरों की कमियां खोजने या उन्हें नीचे गिराने में व्यर्थ कर देता है। परिणामस्वरूप उसका स्वयं का विकास रुक जाता है और वह मानसिक तनाव, चिंता तथा असंतोष का शिकार बनने लगता है।

ईर्ष्या का सबसे बड़ा कारण तुलना करने की आदत है। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया के माध्यम से लोग दूसरों की सफलताओं, यात्राओं, महंगी वस्तुओं और सुखद जीवन की झलकियां देखते रहते हैं। अधिकांश लोग केवल दूसरों की उपलब्धियां देखते हैं, उनके संघर्ष नहीं। इससे उनके मन में यह भावना उत्पन्न होती है कि उनका जीवन दूसरों की तुलना में कम सफल है। यही सोच धीरे-धीरे ईर्ष्या का रूप ले लेती है। वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति का जीवन, परिस्थितियां, अवसर और संघर्ष अलग-अलग होते हैं। इसलिए किसी भी व्यक्ति की तुलना दूसरे से करना उचित नहीं है।

अदित्य प्रसाद दास
स्वतन्त्र लेखक

ईर्ष्या केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसका प्रभाव परिवार, समाज और कार्यस्थल पर भी दिखाई देता है। परिवार में भाई-बहनों के बीच भेदभाव या तुलना ईर्ष्या को जन्म दे सकती है। यदि माता-पिता एक बच्चे की अधिक प्रशंसा करें और दूसरे की उपेक्षा करें, तो मन में असंतोष और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हो सकती है। इसी प्रकार कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी की पदोन्नति, प्रशंसा या सफलता को देखकर कुछ लोग प्रेरित होने के बजाय ईर्ष्या करने लगते हैं। इससे टीम भावना कमजोर होती है, आपसी विश्वास घटता है और कार्य का वातावरण तनावपूर्ण बन जाता है।

मित्रता और प्रेम संबंधों में भी ईर्ष्या एक बड़ी चुनौती बन सकती है। यदि किसी संबंध में विश्वास की कमी हो या एक-दूसरे के प्रति संदेह बढ़ जाए, तो ईर्ष्या धीरे-धीरे रिश्ते को कमजोर करने लगती है। बिना कारण शक करना, हर बात पर नाराज होना या सामने वाले की स्वतंत्रता को सीमित करना स्वस्थ संबंधों के लिए हानिकारक है। विश्वास, सम्मान और खुला संवाद ही ऐसे संबंधों को मजबूत बनाए रखते हैं।

ईर्ष्या का प्रभाव व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा पड़ता है। लगातार दूसरों से तुलना करने वाला व्यक्ति कभी संतुष्ट नहीं रह पाता। वह अपनी उपलब्धियों का आनंद लेने के बजाय दूसरों की सफलताओं से दुखी रहता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

विराट कोहली के वनडे पदार्पण से लेकर पटौदी की क्रिकेट विरासत तक, 18 अगस्त का खेल इतिहास रहा खास

18 अगस्त का दिन खेल इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं और उपलब्धियों के लिए याद किया जाता है। क्रिकेट, टेनिस, फुटबॉल, एथलेटिक्स और अन्य खेलों से जुड़े अनेक प्रसंग इस तारीख को विशेष बनाते हैं। खिलाड़ियों की उपलब्धियों, यादगार मुकाबलों और खेल जगत में योगदान देने वाली हस्तियों के कारण 18 अगस्त का अपना अलग महत्व है। भारतीय खेल प्रेमियों के लिए यह तारीख विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय क्रिकेट से जुड़े दो प्रमुख नाम विराट कोहली और मंसूर अली खान पटौदी का संबंध इस दिन से रहा है।

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में 18 अगस्त की तारीख विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के कारण खास पहचान रखती है। 18 अगस्त 2008 को विराट कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ अपना एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उस समय शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह युवा बल्लेबाज आगे चलकर विश्व क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल होगा। शुरुआती दौर में अपनी तकनीक और आक्रामक बल्लेबाजी के कारण पहचान बनाने वाले विराट कोहली ने धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी मजबूत जगह बनाई।

विराट कोहली की बल्लेबाजी ने भारतीय क्रिकेट को कई यादगार पारियां दी हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को अनेक मुकाबलों में जीत दिलाई। उनकी फिटनेस, अनुशासन और मैदान पर आक्रामक रवैये ने क्रिकेट की नई पीढ़ी को भी प्रभावित किया। वह केवल एक शानदार बल्लेबाज ही नहीं बल्कि भारतीय टीम के सफल कप्तानों में भी शामिल रहे हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता में भारतीय टीम ने कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया। यही कारण है कि 18 अगस्त को क्रिकेट प्रशंसक उनके अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत को विशेष रूप से याद करते हैं।

18 अगस्त का संबंध भारतीय क्रिकेट के महान कप्तान मंसूर अली खान पटौदी से भी है। पटौदी का जन्म 18 अगस्त 1941 को हुआ था। उन्होंने भारतीय क्रिकेट को उस दौर में नई दिशा दी जब देश की टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाने की कोशिश कर रही थी। कम उम्र में भारतीय टीम की कप्तानी संभालने वाले पटौदी ने अपनी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास से टीम में नई ऊर्जा पैदा की।

मंसूर अली खान पटौदी अपनी आक्रामक कप्तानी और शानदार बल्लेबाजी के लिए प्रसिद्ध रहे। उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों में विदेशों में भी आत्मविश्वास के साथ खेलने की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कप्तानी का दौर भारतीय क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। पटौदी की खेल भावना और नेतृत्व क्षमता आज भी क्रिकेट इतिहास में याद की जाती है।

डॉ अंकिता चौधरी, (सह-प्राध्यापक)
अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी (हि .प्र)

18 अगस्त केवल क्रिकेट के कारण ही महत्वपूर्ण नहीं है। अगस्त का महीना अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण रहता है। इस दौरान टेनिस, एथलेटिक्स, फुटबॉल और क्रिकेट सहित कई खेलों में महत्वपूर्ण मुकाबले आयोजित होते हैं। खिलाड़ियों के प्रदर्शन और प्रतियोगिताओं के परिणाम खेल इतिहास में अपनी जगह बनाते हैं। अलग-अलग देशों के खिलाड़ी इस अवधि में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल करते हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

स्वाद और सुविधा के कारण बढ़ रहा फास्ट फूड का चलन, पौष्टिक भोजन की आदत हो रही कमजोर

आज का आधुनिक जीवन तेज रफ्तार, व्यस्तता और बदलती जीवनशैली का प्रतीक बन चुका है। समय की कमी और स्वाद की बढ़ती चाहत ने लोगों को फास्ट फूड की ओर तेजी से आकर्षित किया है। कभी-कभार स्वाद बदलने के लिए खाया जाने वाला फास्ट फूड अब बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों तक की रोजमर्रा की आदत बनता जा रहा है। पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, फ्रेंच फ्राइज, मोमोज, शीतल पेय और पैकेटबंद स्नैक्स आज लगभग हर आयु वर्ग की पसंद बन चुके हैं। देखने में आकर्षक और खाने में स्वादिष्ट लगने वाला यह भोजन धीरे-धीरे स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

फास्ट फूड की सबसे बड़ी चिंता बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर है। रंग-बिरंगे विज्ञापन, आकर्षक पैकेजिंग और खिलौनों के साथ मिलने वाले खाद्य पदार्थ बच्चों को आसानी से अपनी ओर खींच लेते हैं। कई बार माता-पिता भी बच्चों की जिद के आगे झुककर उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थ उपलब्ध करा देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि छोटी उम्र से ही बच्चों में पौष्टिक भोजन के प्रति रुचि कम होने लगती है। लगातार फास्ट फूड खाने से बच्चों में मोटापे, दांतों की समस्याओं, पाचन संबंधी परेशानियों और शारीरिक कमजोरी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके अलावा पढ़ाई के दौरान एकाग्रता और सक्रियता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

युवाओं में फास्ट फूड केवल भोजन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह फैशन और सामाजिक चलन का हिस्सा बनता जा रहा है। कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और बाजारों के आसपास फास्ट फूड की दुकानों की बढ़ती संख्या इसका प्रमाण है। दोस्तों के साथ समय बिताना हो, जन्मदिन मनाना हो या घूमने जाना हो, फास्ट फूड अक्सर इन अवसरों का हिस्सा बन जाता है। स्वाद और सुविधा के कारण युवा घर के पौष्टिक भोजन की तुलना में बाहर का भोजन अधिक पसंद करने लगे हैं। सामाजिक माध्यमों और विज्ञापनों ने भी इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है।

कामकाजी लोगों में भी फास्ट फूड की आदत तेजी से बढ़ रही है। लंबे समय तक काम करना, अनियमित दिनचर्या और भोजन के लिए कम समय मिलना इसके प्रमुख कारण हैं। कई कर्मचारी समय बचाने के लिए घर का भोजन ले जाने के बजाय बाहर का भोजन या पैकेटबंद खाद्य पदार्थ लेना पसंद करते हैं। देर रात तक काम करने और अनियमित समय पर भोजन करने की आदत स्थिति को और गंभीर बना देती है। इससे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल, मोटापा और हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है।

फास्ट फूड की लोकप्रियता के पीछे कई कारण हैं। यह जल्दी तैयार हो जाता है, आसानी से उपलब्ध होता है और स्वाद में आकर्षक लगता है। इसके अलावा दुकानों और खाद्य वितरण सेवाओं के कारण लोगों के लिए इसे घर बैठे मंगाना भी आसान हो गया है। आकर्षक विज्ञापन और सामाजिक माध्यमों पर प्रचार इसकी मांग को लगातार बढ़ा रहे हैं। कई खाद्य पदार्थों में अधिक मात्रा में तेल, नमक और चीनी का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में ऐसे घटक भी हो सकते हैं जिनका अत्यधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं माना जाता। दूसरी ओर, इन खाद्य पदार्थों में शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा अक्सर संतुलित भोजन की तुलना में कम होती है।यह स मझना जरूरी है कि फास्ट फूड का कभी-कभार सेवन और नियमित रूप से इसका सेवन एक जैसी बात नहीं है।

चंदन ठाकुर
कवि लेखक एवं साहित्यकार

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

नेहा महाजन का शानदार सफर

अभिनेत्री नेहा महाजन का जन्म **18 अगस्त** 1990 को हुआ था। उन्होंने भारतीय मनोरंजन जगत में अपने अभिनय के दम पर अलग पहचान बनाई है।

नेहा महाजन
जन्म : 18 अगस्त 1990

नेहा ने हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय सिनेमा में भी काम किया है। उनकी फिल्मों में उनके अभिनय की विविधता और गंभीर भूमिकाओं के प्रति रुचि दिखाई देती है। वह ऐसे कलाकारों में शामिल हैं जिन्होंने पर्दे पर अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी प्रतिभा साबित की है।

नेहा महाजन ने अभिनय के क्षेत्र में कदम रखने के बाद कई फिल्मों और परियोजनाओं में काम किया। उनकी अभिनय शैली सहज और प्रभावशाली मानी जाती है। उन्होंने ग्लैमर आधारित भूमिकाओं के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील किरदारों को भी पर्दे पर निभाया है। इसी वजह से उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में देखा जाता है जो अपनी भूमिकाओं के साथ प्रयोग करने से पीछे नहीं हटतीं।

नेहा का सिनेमा से जुड़ाव केवल अभिनय तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने अपने काम के माध्यम से अलग-अलग विषयों और कहानियों का हिस्सा बनने की कोशिश की है। उनका मानना रहा है कि एक कलाकार के लिए लगातार सीखते रहना जरूरी है। हर नया किरदार कलाकार को खुद को समझने और अपनी अभिनय क्षमता को बेहतर बनाने का अवसर देता है।

उनके करियर में कई ऐसी भूमिकाएं रही हैं जिनमें उन्होंने अपने अभिनय की गंभीरता दिखाई। पर्दे पर भावनाओं को स्वाभाविक तरीके से प्रस्तुत करना उनकी खासियतों में शामिल है। वह अपनी भूमिकाओं में केवल संवाद बोलने के बजाय किरदार की भावनाओं और परिस्थितियों को समझने पर जोर देती हैं। यही कारण है कि उनके अभिनय को दर्शकों और सिनेमा से जुड़े लोगों का ध्यान मिला।

18 अगस्त को जन्मदिन के अवसर पर नेहा महाजन के प्रशंसक उनके जीवन और अभिनय यात्रा को याद करते हैं। एक कलाकार के लिए जन्मदिन केवल निजी खुशी का अवसर नहीं होता बल्कि अब तक की यात्रा को देखने और भविष्य की नई संभावनाओं की ओर बढ़ने का समय भी होता है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

अदवा बांध से पानी छोड़े जाने पर हलिया बाजार में घुसा पानी, दुकानें डूबीं

एजेंसी, मीरजापुर। लगातार बारिश के चलते हलिया क्षेत्र स्थित अदवा बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। स्थिति को देखते हुए रविवार रात बांध के चार गेट खोलकर करीब 14 हजार क्यूसेक पानी अदवा नदी में छोड़ा गया। तेज बहाव के कारण हलिया बाजार के दवरी रोड पर स्टेट बैंक समेत कई दुकानों और घरों में पानी घुस गया। इससे दुकानदारों को सामान खराब होने से नुकसान की आशंका है। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद हलिया-हथेड़ा मार्ग स्थित पुल के ऊपर से भी पानी बहने लगा, जिससे आवागमन बाधित हो गया। छोटे वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से भेजा गया, जबकि बड़े वाहनों को करीब 15 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ी। बाजार में अचानक पानी भरने से अफरा-तफरी मच गई। सिंचाई विभाग ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से नदी के पास नहीं जाने की अपील की है।

अदलपुरा बड़ी शीतला धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, केसरिया रंग में रंगा घाट

एजेंसी, मीरजापुर। सावन के तीसरे सोमवार को चुनार नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों व देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला माता धाम और शीतलेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही कांवड़ियों और शिवभक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने गंगा घाट पर स्नान कर कांवड़ में जल भरा और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। घाट से मंदिरों तक बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। चुनार के बूढ़ेनाथ महादेव, गंगेश्वरनाथ महादेव, रामघाट स्थित महादेव, नर्मदेश्वर महादेव समेत कई प्राचीन शिव मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। वाराणसी और आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। मंदिरों में भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहा। भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंदिरों व घाटों पर पुलिस बल तैनात रहा।

चेन स्नेचिंग के दो आरोपित पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, आरक्षी घायल

एजेंसी, गोरखपुर। गोरखपुर में कैंट थाना क्षेत्र के पैडलेगंज के पास पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो कथित चेन स्नेचरों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपितों के पैर में गोली लगी, जबकि उनकी फायरिंग में पुलिस आरक्षी भूपेन्द्र कुमार यादव घायल हो गए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान देवरीय निवासी जय उर्फ मंगरु और कसिहार निवासी संजय के रूप में हुई है। दोनों कैंट क्षेत्र में हुई चेन छिनैती की दो घटनाओं में वांछित थे। पुलिस ने उनके कब्जे से छिनैती की दो चेन, वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, दो देशी तमंचे, दो खोखा कारतूस और दो जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस टीम ने संदिग्धों की सूचना पर पैडलेगंज के पास घेराबंदी की थी। पुलिस के मुताबिक, रोकने पर आरोपितों ने फायरिंग की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हुए। जांच में उनके आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की जा रही है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर फिर धंसी सड़क, बारिश में खुली निर्माण की पोल

एजेंसी, लखनऊ-कानपुर। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर सड़क धंसने और उखड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। 4200 करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेसवे पर लोकार्पण के 13वें दिन से ही अलग-अलग स्थानों पर सड़क में खामियां सामने आ रही हैं। सोमवार को भी कई हिस्सों में मरम्मत का काम जारी रहा। 24 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड क्षेत्र की करीब 80 प्रतिशत सड़क में पहले ही मरम्मत और पैचिंग की जा चुकी है। इसके बावजूद बारिश के बाद नई समस्याएं सामने आ रही हैं। रविवार को चार स्थानों पर सड़क उखड़ने और धंसने की शिकायत मिली। नेवरना गांव के पास करीब 100 मीटर सड़क धंस गई, जिससे वाहन लहराने लगे। अड़ेरुआ गांव के पास भी 30 मीटर हिस्से की ऊपरी परत उखाड़कर दोबारा निर्माण शुरू किया गया।

चौबेपुर कैथी में तेज रफ्तार कार ने कांवड़ियों को रौंदा,एक की मौत,तीन घायल

एजेंसी, वाराणसी

चौबेपुर थाना क्षेत्र के कैथी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे आराम कर रहे कांवड़ियों को रौंद दिया। हादसे में एक कांवड़िये की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान वाराणसी के काल भैरव निवासी विनीत तिवारी (25) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार वाराणसी कोतवाली क्षेत्र निवासी आशीष चौधरी, रितेश पासी और सागर के साथ विनीत तिवारी रविवार देर रात कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए पैदल निकले थे। चारों कांवड़ियों के साथ कैथी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अस्पताल के सामने कुछ देर आराम करने के लिए बैठ गए। इसी दौरान वाराणसी की तरफ से तेज गति से आ रही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बैठे कांवड़ियों को कुचलते हुए निकल गई।

हादसे में विनीत तिवारी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं आशीष, रितेश और सागर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। चौबेपुर पुलिस ने तीनों घायलों को तत्काल पांडेयपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय अस्पताल पहुंचाया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए दो को बेहतर उपचार के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

यूपी के 78 हजार राशन कोटेदारों का बढ़ा लाभांश, सीएम योगी ने शुरू की नई व्यवस्था

योगी सरकार ने राशन कोटेदारों का लाभांश 90 से बढ़ाकर 125 रुपए प्रति कुंतल किया

एजेंसी, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के 78 हजार से अधिक राशन विक्रेताओं के लाभांश में बढ़ोतरी का उपहार दिया। उचित दर विक्रेताओं को अब 90 रुपये के बजाय 125 रुपये प्रति कुंतल लाभांश मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्जिन मनी में 35 रुपये की वृद्धि हुई है, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से 10 रुपये और राज्य सरकार की ओर से 25 रुपये शामिल हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने राशन विक्रेताओं की आय बढ़ाने के साथ व्यवस्था को पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया है। उन्होंने बताया कि लाभांश में और 25 रुपये की वृद्धि के लिए भारत सरकार को पत्र भेजा गया है। उन्होंने उचित दर विक्रेताओं से अपील की कि ऐसा कार्य करें जिसमें सम्मान मिले। उनके अनुसार सम्मान के बिना किया गया काम आने वाली पीढ़ियों पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में राशन वितरण व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है। ई-पॉस मशीनों की शुरुआत के बाद वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी है। सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के तहत खाद्य निगम के गोदाम से सीधे उचित दर की दुकान तक राशन पहुंचाया जा रहा है। इससे बीच की व्यवस्था में अनावश्यक हस्तक्षेप कम हुआ है और राशन विक्रेताओं तथा सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रदेश के करीब 15 करोड़ लोगों को लगातार निशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। निराश्रितों और दिव्यांगों तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था भी की जा रही है। प्रदेश में करीब 10 हजार राशन दुकानों को अन्नपूर्णा भवन के रूप में विकसित किया गया है। इन भवनों में दुकान और गोदाम के साथ अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार अब इन दुकानों पर राशन के अलावा 39 प्रकार की वस्तुओं की बिक्री की व्यवस्था है।

योगी ने कहा कि राशन वितरण में पारदर्शिता आने से उचित दर विक्रेताओं के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2017 में जनता दर्शन के दौरान राशन संबंधी बड़ी संख्या में शिकायतें आती थीं, लेकिन अब ऐसी शिकायतों में काफी कमी आई है। मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा व्यवस्था में हुए बदलाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प के तहत स्कूलों में फर्श, पेयजल, अलग-अलग शौचालय, स्मार्ट कक्षाएं, डिजिटल पुस्तकालय और फर्नीचर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। करीब 1.60 करोड़ विद्यार्थियों को बैग, किताबें, वर्दी, जूते-मोजे और स्वेटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर देना सरकार की प्राथमिकता: मुख्य सचिव

एजेंसी, लखनऊ

युवाओं को जल्द रोजगार देने के लिए भर्ती प्रक्रिया तेज करने पर जोर।

उत्तर प्रदेश में युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और विभिन्न चयन परीक्षाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने को लेकर सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में प्रदेश के विभिन्न चयन आयोगों और भर्ती बोर्डों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में भर्ती प्रक्रियाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने चयन आयोगों और भर्ती संस्थाओं से भर्ती प्रक्रियाओं को निर्धारित नियमों और उनकी स्वायत्तता का सम्मान करते हुए समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े, इसके लिए प्रक्रियाओं में तेजी जरूरी है। उन्होंने चयन परीक्षाओं के आयोजन, परिणाम जारी करने, अभिलेख सत्यापन और नियुक्ति तक की प्रक्रिया के लिए वार्षिक कैलेंडर तथा निर्धारित समयसीमा का प्रभावी पालन करने पर जोर दिया। लंबित मामलों की नियमित समीक्षा और संबंधित संस्थाओं के बीच समन्वय बढ़ाने की भी बात कही। मुख्य सचिव ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, शुचिता और निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

उन्होंने आधुनिक तकनीकी संसाधनों के अधिक उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे परीक्षाएं सुरक्षित, विश्वसनीय और अभ्यर्थियों के लिए सुविधाजनक बनेंगी। उन्होंने कहा कि भर्ती में तेजी के साथ परीक्षा की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी जरूरी है। बैठक में विभिन्न भर्ती संस्थाओं के अधिकारियों ने परीक्षाओं की प्रगति और व्यवस्थाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान भर्ती प्रक्रिया को और सुगम बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

फर्रुखाबाद में कांवड़ियों पर टूटा कहर गंगा में डूबे एक परिवार के तीन सदस्य

एजेंसी, फर्रुखाबाद

गंगा में डूबे चार कांवड़ियों की तलाश में एनडीआरएफ और गोताखोरों ने संभाला मोर्चा।

शहर के पांचाल घाट पर सोमवार भोर बड़ा हादसा हो गया। गंगा में स्नान करने के दौरान एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत चार कांवड़िए गहरे पानी में डूब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस, स्थानीय गोताखोरों और एनडीआरएफ की टीम ने युवकों की तलाश शुरू कर दी, लेकिन तेज बहाव के कारण दोपहर तक उनका पता नहीं चल सका।

जानकारी के अनुसार शाहजहांपुर जिले के नयागांव खुदागंज निवासी योगेश (17), उसके चाचा विकास (25), चचेरे चाचा कमल (23) और गांव का अर्जुन (17) रविवार देर रात करीब दस लोगों के साथ पांच बाइकों से पांचाल घाट पहुंचे थे।

सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे सभी लोग गंगा स्नान के लिए घाट पर पहुंचे। बताया गया कि योगेश समेत चारों युवक स्नान करते समय धीरे-धीरे गहरे पानी की ओर चले गए।

लोधेश्वर महादेवा में शिवभक्तों पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

एजेंसी, बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेव धाम में सावन के तीसरे सोमवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सोमवार सुबह शिवभक्तों और कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। फूलों की बारिश होते ही मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। सुबह करीब आठ बजे अचानक हेलीकॉप्टर की आवाज सुनकर मंदिर परिसर और आसपास मौजूद श्रद्धालुओं की नजरें आसमान की ओर उठ गईं। कुछ ही देर बाद हेलीकॉप्टर से शिवभक्तों पर फूल बरसाए जाने लगे। पुष्पवर्षा देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दृश्य को अपने मोबाइल में कैद करते नजर आए। पुष्पवर्षा के बीच श्रद्धालु भगवान लोधेश्वर महादेव के दर्शन और पूजन में जुटे रहे। पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया।

फतेहपुर में अवैध उर्वरक गोदाम सील, 353 बोरी खाद व सल्फर जब्त, मुकदमा भी दर्ज

एजेंसी, फतेहपुर

फतेहपुर जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी के खिलाफ कृषि विभाग और तहसील प्रशासन की संयुक्त टीम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। बिंदकी क्षेत्र के भोलेपुरवा गांव में बिना लाइसेंस संचालित गोदाम पर छापेमारी कर टीम ने भारी मात्रा में डीएपी, यूरिया और सल्फर बरामद किया। कार्रवाई के बाद गोदाम को सील कर दिया गया।

आरोपित दुकानदार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। कृषि विभाग को सोमवार सुबह सूचना मिली थी कि भोलेपुरवा गांव स्थित एक गोदाम में बिना लाइसेंस उर्वरकों का अवैध भंडारण कर उनकी कालाबाजारी की जा रही है। सूचना के आधार पर उर्वरक निरीक्षक बिंदकी रंजीत कनोजिया और नायब तहसीलदार राहुल कुमार के नेतृत्व में टीम ने पुलिस बल के साथ मौके पर छापा मारा।

जांच में गोदाम कौशल किशोर पुत्र लाल बहादुर निवासी घेरा, विकासखंड खजुआ का पाया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसकी उर्वरक की दुकान करीब एक किलोमीटर दूर है। हालांकि, जिस गोदाम से खाद बरामद हुई, उसके पास कोई लाइसेंस या वैध अभिलेख नहीं मिला।

सावन के तीसरे सोमवार पर बदायूं के शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

एजेंसी, बदायूं

कांवड़ियों ने गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।

सावन के तीसरे सोमवार पर जिलेभर में शिवभक्ति का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही प्रसिद्ध शिवालयों में श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और गंगाजल से शिवलिंग का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंजते रहे।

शहर के बिरुआबाड़ी मंदिर, हरप्रसाद मंदिर, सिद्धपीठ सर्वेश्वर श्री साईं मंदिर और सहस्त्रधाम गौरी शंकर देवालय में तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। कांवड़िए गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचे और भगवान शिव का अभिषेक कर परिवार के सुख-समृद्धि तथा मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। सावन सोमवार को लेकर मंदिरों में विशेष पूजा और धार्मिक अनुष्ठान भी किए गए। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसरों और आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी बनाए रखी गई। पूरे जिले में दिनभर भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

इस दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। कांवड़ियों ने गंगाजल चढ़ाकर भगवान शिव से परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की। कई मंदिरों में भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। सुबह से शाम तक शिवालयों में भक्तों की आवाजाही बनी रही और पूरा क्षेत्र शिवमय नजर आया।

प्रधानमंत्री एकता माल के निर्माण कार्यों का विधायक डॉ नीलकंठ ने किया निरीक्षण

एजेंसी, वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के राजघाट वार्ड में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री एकता मॉल के कार्यों का सोमवार को विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण स्थल पर पहुंचकर अधिकारियों से परियोजना की प्रगति और निर्माण कार्यों की जानकारी ली। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाए। निरीक्षण के दौरान डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्यों को समय से पूरा कराना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

विधायक ने बताया कि प्रधानमंत्री एकता मॉल सात मंजिला होगा। इसमें पांच मंजिलों तक विभिन्न प्रकार की दुकानों की व्यवस्था की जाएगी। इसके ऊपर एक सभागार बनाया जाएगा, जहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। मॉल के भूमिगत हिस्से में तीन मंजिल की पार्किंग की व्यवस्था प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एकता मॉल के निर्माण से स्थानीय लोगों को खरीदारी के लिए एक ही स्थान पर बड़ा और व्यवस्थित बाजार उपलब्ध होगा। इससे क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विधायक ने अधिकारियों से निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने और निर्धारित समय के भीतर परियोजना को पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी और निर्माण कार्य से जुड़े कर्मचारी भी मौजूद रहे।

शाहजहांपुर में मकान ढहने से चाचा भतीजे की मौत, महिला गंभीर घायल

एजेंसी, शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में चाचा और दो वर्षीय भतीजे की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा पुवायां थाना क्षेत्र के मुड़िया कुर्मियात गांव में हुआ, जहां कच्ची दीवार गिरने के बाद पड़ोसी मकान का लिंटर भरभराकर नीचे आ गया। अचानक हुए हादसे से गांव में अफरा-तफरी मच गई।

पुवायां थाना प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र कुमार के अनुसार, सोमवार सुबह राजाराम के मकान की कच्ची दीवार अचानक पड़ोसी राजन के मकान की दीवार पर जा गिरी। दीवार गिरने का दबाव पड़ते ही राजन का मकान भी ढह गया। उस समय मकान के अंदर राजन (26), उसका दो वर्षीय भतीजा आरव और उसकी भाभी काजल (27) मौजूद थे। मकान के मलबे में तीनों दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद तीनों को मलबे से बाहर निकाला गया। हालांकि, तब तक राजन और मासूम आरव की मौत हो चुकी थी। वहीं काजल गंभीर रूप से घायल मिलीं।

उन्हें तत्काल उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों की भी बड़ी संख्या में मौके पर भीड़ जुट गई। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर कच्ची दीवार गिरने को हादसे की वजह माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेगी।

आश्वासन बारिश में बच्चे को लेकर पहुंची मां की गुहार पर सीएम योगी ने मदद का दिया भरोसा

जनता दर्शन में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे की मां से मिले सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान सीतापुर से आई रोली अपने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे के इलाज की गुहार लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंचीं। मूसलाधार बारिश के बावजूद वह बच्चे को लेकर जनता दर्शन में पहुंचीं और मुख्यमंत्री को अपनी परेशानी बताई।

रोली ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि उनका बच्चा थैलेसीमिया से पीड़ित है और उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता है। परिवार के सामने इलाज का खर्च उठाना चुनौती बना हुआ है। महिला की बात सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बच्चे के सिर पर हाथ फेरा और उसके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चे के इलाज के लिए अस्पताल से तत्काल एस्टीमेट मंगवाया जाए और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए। सीएम से मदद का भरोसा मिलने के बाद रोली को बड़ी राहत मिली। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने सभी फरियादियों को भरोसा दिलाया कि किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी बाधा नहीं बनने दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संबंधित अस्पतालों से इलाज का अनुमानित खर्च यानी एस्टीमेट जल्द प्राप्त कर शासन को भेजा जाए, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंभीर बीमारियों से जुड़े मामलों में सहायता की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। जरूरतमंद परिवारों को समय पर उपचार की सुविधा मिलना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। सीतापुर की रोली का जनता दर्शन में पहुंचना भी चर्चा का विषय रहा। सोमवार को मूसलाधार बारिश के बीच वह अपने बीमार बच्चे को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं। बच्चे की बीमारी और आर्थिक परेशानी की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री ने तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बच्चे को आशीर्वाद देते हुए उसके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान मां को भरोसा दिलाया गया कि इलाज के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद रोली की चिंता कुछ कम हुई और उन्होंने सरकार का आभार जताया। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंदों को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का प्रयास है कि पैसे की कमी के कारण किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति का इलाज प्रभावित न हो। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि इलाज के लिए आने वाले आर्थिक सहायता के मामलों में अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया जल्द पूरी कराई जाए।

फफूंद में बिजली कटौती से हाहाकार चेयरमैन ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी, औरैया

फफूंद में बिजली कटौती से परेशान लोग, जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते चेयरमैन।

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले की नगर पंचायत फफूंद में लगातार हो रही बिजली कटौती, बार-बार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। विद्युत व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर नगर पंचायत फफूंद के चेयरमैन मोहम्मद अनवर कुरैशी ने सोमवार को जिलाधिकारी बृजेश कुमार से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपकर समस्या के जल्द समाधान की मांग की।

चेयरमैन ने जिलाधिकारी को दिए पत्र में बताया कि शहरी क्षेत्रों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 24 घंटे बिजली आपूर्ति के निर्देश हैं, लेकिन फफूंद नगर में वर्तमान में करीब छह से 10 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इसके चलते आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय तक बिजली कटौती के साथ ही बार-बार ट्रिपिंग और कम वोल्टेज की समस्या भी बनी हुई है।

फफूंद में लगातार बिजली कटौती और लो वोल्टेज के खिलाफ चेयरमैन ने उठाई आवाज

अनियमित विद्युत आपूर्ति का सबसे अधिक असर व्यापारियों, दुकानदारों और आम नागरिकों पर पड़ रहा है।

बिजली के अभाव में दुकानों और प्रतिष्ठानों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। घरेलू उपभोक्ताओं को भी गर्मी के मौसम में परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा बिजली कटौती का सीधा असर नगर की पेयजल आपूर्ति पर भी पड़ रहा है। कई इलाकों में बिजली नहीं होने के कारण पानी की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। चेयरमैन मोहम्मद अनवर कुरैशी ने जिलाधिकारी से केशमपुर सबस्टेशन से 33 केवीए चपटा बिजलीघर को अलग करने की मांग की। उनका कहना है कि विद्युत व्यवस्था को अलग करने से बार-बार होने वाली ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या में कमी आएगी। इससे नगर की बिजली आपूर्ति अधिक सुचारु और व्यवस्थित हो सकेगी।

उन्होंने जिलाधिकारी से विद्युत विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की, ताकि नगरवासियों को निर्धारित शेड्यूल के अनुसार बिजली मिल सके। चेयरमैन ने कहा कि समस्या का जल्द समाधान होने से व्यापारियों, दुकानदारों और आम नागरिकों को राहत मिलेगी।

भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में हरियाणा का दबदबा, कई नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी

संजय भाटिया, बिप्लब देब और सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को अपनी नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से घोषित नई टीम में हरियाणा से जुड़े कई प्रमुख नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। इससे प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। नई टीम में भाजपा सांसद संजय भाटिया को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है।

उनके साथ हरियाणा भाजपा के प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया और पूर्व प्रभारी बिप्लब कुमार देब को भी राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, हरियाणा से जुड़े नेता अरुण यादव को भी राष्ट्रीय टीम में स्थान मिला है। भाजपा की राष्ट्रीय टीम में हरियाणा से जुड़े नेताओं की इस मौजूदगी को संगठन के स्तर पर प्रदेश के बढ़ते महत्व से जोड़कर देखा जा रहा है। संजय भाटिया को राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने से उनके संगठनात्मक दायित्व का दायरा बढ़ गया है।

वह पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसी तरह सतीश पूनिया और बिप्लब कुमार देब को राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने से भी संगठन में उनकी भूमिका और मजबूत हुई है। नई टीम में हरियाणा से जुड़े चार नेताओं को प्रमुख स्थान मिलने से प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है।

पार्टी संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी मिलने से इन नेताओं की भूमिका आने वाले समय में और महत्वपूर्ण हो सकती है। भाजपा की नई टीम में संगठन विस्तार, चुनावी रणनीति और पार्टी की गतिविधियों को लेकर इन नेताओं की सक्रिय भागीदारी रहने की संभावना है। संजय भाटिया हरियाणा से भाजपा सांसद हैं और पार्टी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्हें राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

वहीं डॉ. सतीश पूनिया वर्तमान में हरियाणा भाजपा के प्रभारी के रूप में संगठन से जुड़े हुए हैं। बिप्लब कुमार देब भी हरियाणा भाजपा के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। दोनों नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री का दायित्व मिलने से उनका संगठनात्मक कद और बढ़ा है। भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में हरियाणा के नेता अरुण यादव को भी शामिल किया गया है। उनके शामिल होने से प्रदेश से राष्ट्रीय संगठन में प्रतिनिधित्व और बढ़ गया है। पार्टी के स्तर पर इसे हरियाणा के नेताओं को संगठन में आगे बढ़ाने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

50 लाख की फिरौती और प्लाट की मांग प्रापर्टी डीलर पर हमले में चार गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चरखी दादरी

थाना बौंद कलां क्षेत्र में प्रापर्टी डीलर सुनील कुमार उर्फ रायफल पर जानलेवा हमला करने और 50 लाख रुपये की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों से पूछताछ के दौरान वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार भी बरामद किए हैं। मामले के मुख्य आरोपित बौंद कलां निवासी हर्ष उर्फ हर्षित को पुलिस ने दो दिन के रिमांड पर लिया है।

पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि छह अगस्त 2026 को बौंद कलां निवासी सुनील कुमार उर्फ रायफल के साथ मारपीट होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही बौंद कलां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रापर्टी डीलर के बारे में जानकारी जुटाई। शिकायत और प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपितों ने सुनील कुमार पर जानलेवा हमला किया था। इसके बाद उनसे 50 लाख रुपये की फिरौती और एक प्लाट देने की मांग की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पुलिस को वारदात से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग मिले। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार भी बरामद किए हैं।

मुख्य आरोपित हर्ष उर्फ हर्षित को पुलिस ने अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए दो दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस उससे वारदात में शामिल अन्य लोगों, हमले की वजह और फिरौती की मांग से जुड़े पहलुओं के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात की साजिश में और कितने लोग शामिल थे। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा सीएम आवास पर भाजपा की अहम बैठक शुरू, एसआइआर और संगठन पर मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा भाजपा की अहम बैठक सोमवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आवास संत कबीर कुटीर पर शुरू हुई। बैठक में प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा के विधायक, मंत्री, जिला अध्यक्ष और वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके प्रत्याशी शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से एसआइआर और संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। पार्टी आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर रणनीति तैयार कर सकती है। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने पर भी मंथन किया जाएगा। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद हैं। नेताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। पार्टी की ओर से विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की स्थिति और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा भी की जा सकती है।

फरीदाबाद में दो डंपरों की जोरदार टक्कर चालक घायल; रेड लाइट का पोल टूटा

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर रोड पर सोमवार सुबह करीब सात बजे तेज रफ्तार डंपर बेकाबू होकर रेड लाइट पर खड़े दूसरे डंपर से जा टकराया। बताया जा रहा है कि चल रहे डंपर के ब्रेक फेल होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर खड़े वाहन को पीछे से टक्कर मारने के बाद डिवाइडर पर चढ़ गया। इस दौरान सड़क पर लगा रेड लाइट का पोल भी टूट गया। हादसे में डंपर चालक घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई। हादसे के कारण कुछ समय तक मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा।

राव इंद्रजीत के बयान पर पंजाबी समाज नाराज बोले- हाथ पीछे खींचे तो सांसद नहीं बनोगे

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। पंजाबी समाज को लेकर राव इंद्रजीत सिंह की टिप्पणी के बाद गुरुग्राम में विरोध शुरू हो गया है। रविवार देर शाम न्यू कॉलोनी स्थित गीता भवन में पंजाबी समाज की आपात बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सनातन धर्म मंदिर के चेयरमैन सुरेंद्र खुल्लर ने की। खुल्लर ने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह को चुनावों में पंजाबी समाज का समर्थन मिलता रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के समय नेता समाज के लोगों से वोट मांगते हैं, लेकिन जीतने के बाद उन्हें ही निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाबी समाज चुनाव में अपना समर्थन वापस ले तो किसी के लिए सांसद या विधायक बनना आसान नहीं होगा। दरअसल, 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम में राव इंद्रजीत ने निमंत्रण नहीं मिलने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि केवल पंजाबी नाम के आधार पर चुनाव लड़ने से वोट नहीं मिलते। उनके इसी बयान पर समाज ने नाराजगी जताई है।

सरकारी फंड में गड़बड़ी रोकने की कवायद हरियाणा में बैंक खातों पर कड़ी नजर

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा में सामने आए बैंकिंग घोटाले के बाद वित्त विभाग ने सरकारी धन की निगरानी और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। सरकारी निगमों, कंपनियों, बोर्डों, सहकारी संस्थाओं और स्वायत्त निकायों में जमा सरकारी फंड की नियमित निगरानी के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत संबंधित संस्थाओं के बैंक खातों की अब हर तिमाही जांच की जाएगी। बैंक खातों में दर्ज रकम का मिलान अकाउंट बुक्स और उपलब्ध वित्तीय रिकॉर्ड से किया जाएगा। किसी भी तरह की विसंगति मिलने पर उसकी जांच कर जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

झज्जर की दो बेटियों ने रचा इतिहास, पैरा हॉकी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चयन

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

खेल के मैदान में झज्जर की बेटियां एक बार फिर जिले का नाम रोशन करने जा रही हैं। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए आयोजित होने वाले पहले एफआईएच पैरा हॉकी विश्व कप-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में झज्जर की दो खिलाड़ियों तमन्ना और साक्षी का चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ियों के भारतीय टीम में चयन से जिले के खेल प्रेमियों और उनके परिवारों में खुशी का माहौल है।

तमन्ना को भारतीय टीम में गोलकीपर की जिम्मेदारी मिली है, जबकि साक्षी डिफेंस की कमान संभालेंगी। दोनों खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन और लगातार मेहनत के दम पर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। विश्व कप जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की ओर से खेलने का अवसर मिलने से झज्जर की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान मिली है।

झज्जर की तमन्ना और साक्षी का भारतीय पैरा हॉकी टीम में चयन।

एफआईएच पैरा हॉकी विश्व कप-2026 दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए आयोजित होने वाला पहला विश्व कप है। प्रतियोगिता में विभिन्न देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। भारतीय टीम में झज्जर की दोनों खिलाड़ियों के चयन से जिले के युवाओं में भी खेलों के प्रति उत्साह बढ़ने की उम्मीद है।

पत्नी को लेने ससुराल आए युवक की मौत, नूंह के तालाब में मिला शव

भारतेन्दु संवाददाता, नूंह। हरियाणा के नूंह में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। गुरुग्राम से रविवार शाम अपनी पत्नी को लेने ससुराल ऊदाका गांव पहुंचे युवक अनीश का शव सोमवार तड़के गांव के तालाब में मिला। युवक के शव की सूचना मिलने के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, अनीश रविवार शाम ससुराल पहुंचा था। इसके बाद वह अचानक लापता हो गया। परिजन और आसपास के लोग उसकी तलाश में जुटे थे। सोमवार तड़के करीब तीन बजे परिवार को सूचना मिली कि तालाब में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। परिजन मौके पर पहुंचे तो शव अनीश का निकला। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी सीधी टक्कर, बुजुर्ग की मौत; आरोपी चालक फरार

भारतेन्दु संवाददाता, पलवल

पलवल में कैंप थाना क्षेत्र के अलावलपुर रेलवे ओवरब्रिज पर रविवार रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार पिता-पुत्र को सीधी टक्कर मार दी। हादसे में 77 वर्षीय बुजुर्ग खचेरा की मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र अजयपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, 77 वर्षीय खचेरा मूल रूप से गहलब गांव के रहने वाले थे और वर्तमान में परिवार के साथ पलवल शहर के सल्लागढ़ में रहते थे। रविवार रात वह अपने पुत्र अजयपाल के साथ कैलाश नगर स्थित सत्संग में शामिल होने गए थे। सत्संग समाप्त

होने के बाद दोनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे।

बताया गया कि रात करीब 11 बजे जब पिता-पुत्र अलावलपुर रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंचे, तभी पलवल की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने खचेरा को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। वहीं, उनके पुत्र अजयपाल की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद आरोपी चालक कार को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी चालक की पहचान की जा सके। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है। जांच के आधार पर चालक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कैथल के लाल नरेंद्र सिंधू का सर्वोच्च सम्मान, मरणोपरांत शौर्य चक्र से नवाजा गया

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी

कैथल के गांव रोहेड़ा निवासी लांस नायक नरेंद्र सिंधू को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद नरेंद्र सिंधू के अदम्य साहस और वीरता को सम्मान मिला। इस खबर से उनके पैतृक गांव में गर्व और भावुकता का माहौल है। लांस नायक नरेंद्र सिंधू राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे।

सितंबर 2025 में श्रीनगर के गुडडर के जंगलों में आतंकियों की तलाश के लिए चलाए गए सर्च अभियान के दौरान उनकी आतंकियों से मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान उन्होंने बेहद कठिन परिस्थितियों और भारी गोलीबारी के बीच अदम्य साहस का परिचय दिया। मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया गया। एक आतंकी को नरेंद्र सिंधू ने पहले घायल किया और बाद में उसे भी ढेर कर दिया गया। मुठभेड़ के दौरान नरेंद्र ने सूझबूझ और बहादुरी के साथ मोर्चा संभाला। गंभीर खतरे के बावजूद उन्होंने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखी। अभियान के दौरान वह बलिदान हो गए।

मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान—लांस नायक नरेंद्र सिंधू को शत्-शत् नमन।

उनकी वीरता और सर्वोच्च बलिदान के लिए अब उन्हें देश के प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कार शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। नरेंद्र सिंधू के सम्मान में गांव रोहेड़ा के युवाओं ने यात्रा निकाली। ग्रामीणों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके साहस को याद किया। ग्रामीणों का कहना है कि नरेंद्र सिंधू ने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, जिसे आने वाली पीढ़ियां हमेशा याद रखेंगी। परिवार और ग्रामीणों के लिए यह सम्मान गर्व के साथ-साथ भावुक करने वाला क्षण है। नरेंद्र सिंधू की वीरता ने कैथल ही नहीं, बल्कि पूरे हरियाणा का गौरव बढ़ाया है। नरेंद्र सिंधू की शहादत ने कैथल जिले के साथ-साथ पूरे हरियाणा को गौरवान्वित किया है।

ग्रामीणों ने कहा कि उनकी वीरता और देश के प्रति समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। शौर्य चक्र मिलने से उनके परिवार का सम्मान और बढ़ा है। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की कि शहीद के नाम पर गांव में स्मारक बनाया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके अदम्य साहस और बलिदान से प्रेरणा ले सकें। परिजनों ने कहा कि नरेंद्र का सपना देश की सेवा करना था और उन्होंने अंतिम सांस तक अपने कर्तव्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। शहीद की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने देशभक्ति के नारे लगाए और उनके बलिदान को नमन किया।

भिवानी में गोली चलाने वाले दो दोषियों को उम्रकैद, 60 हजार रुपए का जुर्माना

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

भिवानी जिला कोर्ट ने जान से मारने की नीयत से गोली चलाने के मामले में दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों दोषियों पर कुल 60 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला वर्ष 2016 का है और करीब दस वर्ष बाद अदालत का फैसला आया है। मामले के अनुसार, पांच दिसंबर 2016 को बवानीखेड़ा निवासी अनिल की शिकायत पर थाना बवानीखेड़ा में मामला दर्ज किया गया था।

शिकायत के मुताबिक, आरोपितों ने एक युवक का पीछा किया और उसे जान से मारने की नीयत से गोली चलाई थी। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर आरोपितों के खिलाफ साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े तथ्यों और गवाहों के बयान दर्ज किए। मामले की जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। इसके बाद मामले की सुनवाई भिवानी

जिला कोर्ट में हुई। अदालत में अभियोजन पक्ष ने आरोपितों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्य और गवाहों के बयान प्रस्तुत किए।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने दोनों आरोपितों को जान से मारने की नीयत से गोली चलाने के मामले में दोषी माना। कोर्ट ने दोनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाने के साथ 60 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत के फैसले के बाद मामले में पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। वहीं, करीब दस वर्ष पुराने इस मामले में फैसला आने के बाद पुलिस और अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए साक्ष्यों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान उपलब्ध रिकॉर्ड और गवाहियों के आधार पर दोषियों को सजा सुनाई।

चरखी दादरी में स्कॉर्पियो पर 30 राउंड फायरिंग पुलिस ने अब तक 15 आरोपियों को पकड़ा

भारतेन्दु संवाददाता, चरखी दादरी

शहर के कोर्ट रोड पर छह अगस्त को सिटी पुलिस थाने के सामने हुए स्कॉर्पियो गोलीकांड में पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए दो और आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक पुलिस साजिश रचने, रेकी करने और आरोपितों को पनाह देने सहित अलग-अलग भूमिकाओं में कुल 15 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि, वारदात को अंजाम देने वाले तीनों शूटर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

पुलिस के अनुसार छह अगस्त को कोर्ट में पेशी भुगतकर स्कॉर्पियो से लौट रहे सात युवकों को कोर्ट रोड पर सिटी पुलिस थाने के सामने हथियारबंद बदमाशों ने निशाना बनाया था। तीन हमलावरों ने स्कॉर्पियो पर करीब 30 राउंड गोलियां चलाई थीं। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। गोलीबारी में वाहन सवार सभी सात युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच के

कोर्ट रोड गोलीकांड में आरोपितों की धरपकड़ जारी, तीन शूटर अभी फरार।

लिए अलग-अलग स्तर पर कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने वारदात की साजिश से जुड़े लोगों, रेकी करने वालों और आरोपितों को छिपने में मदद करने वालों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया।

अब दो और आरोपितों की गिरफ्तारी से मामले में पकड़े गए लोगों की संख्या 15 हो गई है। पुलिस अब उन तीन शूटरों की तलाश में जुटी है, जिन्होंने स्कॉर्पियो पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। जांच में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ आरोपितों से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि फरार शूटरों को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। गोलीकांड में घायल युवकों में से एक की मौत भी हो चुकी है। इस कारण मामला और गंभीर हो गया है।

पुलिस घटना के पीछे की पूरी साजिश, हमलावरों की भूमिका और उन्हें मदद पहुंचाने वालों की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हुई है। पुलिस अब फरार शूटरों तक पहुंचने के लिए उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। साथ ही गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर हमले की वजह और पूरी साजिश का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों ने जल्द खुलासे का दावा किया है।

फरीदाबाद निगम में सहायक कर्मचारियों को एसपीआइओ बनाने पर सूचना आयोग सख्त

सूचना आयोग ने स्पष्ट किया कि एसपीआइओ की जिम्मेदारी केवल सूचना उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा राज्य सूचना आयोग ने फरीदाबाद नगर निगम में सहायक स्तर के क्लेरिकल कैडर कर्मचारियों को राज्य लोक सूचना अधिकारी (एसपीआइओ) नियुक्त किए जाने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत एसपीआइओ की भूमिका केवल आरटीआइ आवेदन को संबंधित शाखा तक पहुंचाने या उपलब्ध सूचना आवेदक को देने तक सीमित नहीं है। इस पद पर नियुक्त अधिकारी को यह भी तय करना होता है कि मांगी गई सूचना कानून के तहत सार्वजनिक की जा सकती है या वह किसी वैधानिक अपवाद के अंतर्गत आती है।

राज्य सूचना आयोग की पीठ ने कहा कि एसपीआइओ को सूचना के अधिकार से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने होते हैं। ऐसे में इस जिम्मेदारी के लिए पर्याप्त प्रशासनिक अनुभव, जिम्मेदारी और कानूनी समझ रखने वाले अधिकारी की नियुक्ति आवश्यक है। सहायक स्तर के कर्मचारियों को यह दायित्व सौंपने से पहले उनकी क्षमता और पद की जिम्मेदारियों को ध्यान में रखना जरूरी है। यह टिप्पणी राज्य सूचना आयुक्त डा. अजय सूरा की पीठ ने फरीदाबाद निवासी

दीपक त्रिपाठी की ओर से दायर शिकायत पर सुनवाई के दौरान की।

शिकायत में नगर निगम में एसपीआइओ की नियुक्ति और आरटीआइ से संबंधित प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए गए थे। सुनवाई के दौरान आयोग के सामने यह मुद्दा आया कि क्या सहायक स्तर के क्लेरिकल कर्मचारियों को एसपीआइओ जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। आयोग ने अपने रुख में स्पष्ट किया कि आरटीआइ आवेदन आने के बाद एसपीआइओ को कई कानूनी पहलुओं पर विचार करना पड़ सकता है। किसी सूचना को सार्वजनिक किया जा सकता है या नहीं, यह तय करने के लिए संबंधित कानून और उसमें दिए गए अपवादों की जानकारी जरूरी है। कई मामलों में सूचना तीसरे पक्ष से जुड़ी हो सकती है या उसके सार्वजनिक किए जाने पर कानूनी आपत्ति हो सकती है। ऐसे मामलों में एसपीआइओ को केवल संबंधित विभाग से सूचना लेकर आवेदक तक पहुंचाने वाला अधिकारी नहीं माना जा सकता।

उसे उपलब्ध रिकॉर्ड और आरटीआइ कानून के प्रावधानों को समझकर उचित निर्णय लेना होता है। इसी वजह से आयोग ने इस पद पर जिम्मेदार और अनुभवी अधिकारियों की नियुक्ति की आवश्यकता पर जोर दिया। फरीदाबाद नगर निगम में सहायक स्तर के कर्मचारियों को एसपीआइओ की जिम्मेदारी दिए जाने के मामले ने निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आयोग की टिप्पणी के बाद यह मुद्दा महत्वपूर्ण हो गया है कि नगर निगम में आरटीआइ आवेदनों का निपटारा किस प्रक्रिया के तहत किया जा रहा है और संबंधित अधिकारियों के पास इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक एवं कानूनी अनुभव है या नहीं।

आरटीआइ अधिनियम का उद्देश्य सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। ऐसे में सूचना उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में किसी स्तर पर लापरवाही या गलत निर्णय होने से आवेदकों को परेशानी हो सकती है। राज्य सूचना आयोग के समक्ष यह मामला फरीदाबाद निवासी दीपक त्रिपाठी की शिकायत के बाद पहुंचा। सुनवाई के दौरान एसपीआइओ पद की जिम्मेदारियों और नगर निगम में इस पद पर की गई नियुक्तियों को लेकर चर्चा हुई। आयोग ने पद की प्रकृति और उससे जुड़ी कानूनी जिम्मेदारियों को देखते हुए पर्याप्त अनुभव वाले अधिकारी की नियुक्ति को जरूरी बताया। मामले में आयोग की टिप्पणी के बाद नगर निगम में एसपीआइओ की नियुक्ति प्रक्रिया और आरटीआइ मामलों के निपटारे को लेकर आगे की स्थिति पर नजर रहेगी।

75 लाख का निवेश, फिर धोखाधड़ी का आरोप; पानीपत में चार के खिलाफ दर्ज केस

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत के सेक्टर-29 औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कंपनी में निवेश के नाम पर 75 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। लुधियाना निवासी कपड़ा कारोबारी की शिकायत पर सेक्टर-29 थाना पुलिस ने कंपनी के दो निदेशकों, एक निदेशक की पत्नी और बेटी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि आरोपितों ने निवेश की रकम का दुरुपयोग करने के साथ फर्जी बिलिंग, कर चोरी और जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस को दी शिकायत के अनुसार, कारोबारी कई दशकों से कपड़े की जिप बनाने के कारोबार से जुड़े हैं। अगस्त 2024 में पानीपत स्थित कंपनी के एक निदेशक ने उन्हें तकनीकी विशेषज्ञता के आधार पर साझेदारी का प्रस्ताव दिया। प्रस्ताव पर भरोसा करते हुए कारोबारी कंपनी में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ निदेशक बने। इसके बाद उन्होंने बैंक और नकद माध्यम से अलग-अलग किश्तों में कुल 75 लाख रुपये कंपनी में निवेश किए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि निवेश के बाद कंपनी के संचालन और पैसों के लेनदेन में अनियमितताएं सामने आने लगीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी ओर से लगाई गई रकम का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया गया और कंपनी के पैसों में गड़बड़ी की गई। इसके अलावा फर्जी बिल तैयार करने तथा कर चोरी किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। कारोबारी ने पुलिस अधिकारियों को

दी शिकायत में यह भी बताया कि जब उन्होंने निवेश की रकम और कंपनी के लेनदेन को लेकर जानकारी मांगी तो उन्हें कथित तौर पर धमकाया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपितों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कंपनी से जुड़े दस्तावेज, बैंक लेनदेन, बिलिंग रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों की जांच करेगी। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शिकायत में लगाए गए आरोपों की गंभीरता को देखते हुए मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। जांच के दौरान कंपनी के दस्तावेज, निवेश की रकम, बैंक खातों और लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जाएंगे। आरोपों की पुष्टि होने पर आरोपितों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

युद्ध के चलते महंगा हुआ बिटुमिन, सड़क परियोजनाओं पर असर

पश्चिमी एशिया संकट से बढ़ी बिटुमिन कीमतों के बीच 162.7 किलोमीटर सड़कों के लिए 467.66 करोड़ रुपए मंजूर

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी एशिया में युद्ध के हालात के कारण बिटुमिन की कीमतों में हुई तेज वृद्धि का असर सड़क निर्माण और सुदृढ़ीकरण परियोजनाओं पर भी पड़ा है। केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की छठी व्यय वित्त समिति की बैठक में पूर्वी और उत्तरी रखरखाव जोन की कुल 162.712 किलोमीटर सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 467.66 करोड़ रुपये की संशोधित लागत को मंजूरी दी है। इसमें बिटुमिन की बढ़ी कीमतों के कारण करीब 72.55 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि शामिल है।

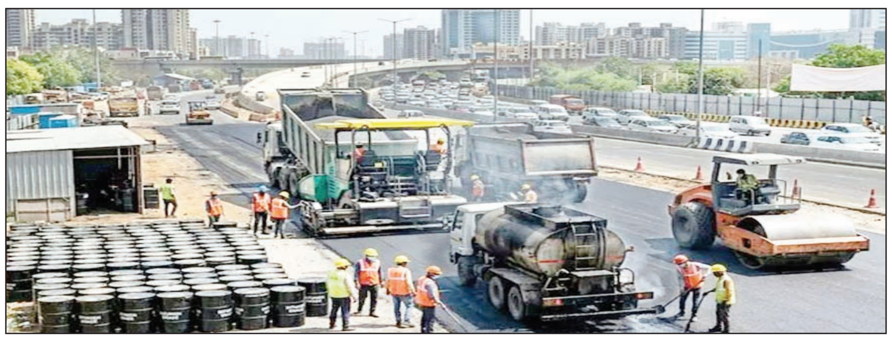

पूर्वी रखरखाव जोन में 58.292 किलोमीटर सड़कों के लिए पहले 147.08 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे। संशोधित प्रक्रिया के बाद इस परियोजना के लिए कुल 169.14 करोड़ रुपये तक की मंजूरी दी गई है। वहीं उत्तरी रखरखाव जोन में 104.42 किलोमीटर सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए पहले 247.31 करोड़ रुपये निर्धारित थे। अब अन्य मदों को शामिल करने के बाद कुल 298.52 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।

विभाग ने दोनों परियोजनाओं के लिए संशोधित प्रारंभिक अनुमान करीब 587.94 करोड़ रुपये रखा था। हालांकि निविदा प्रक्रिया में सबसे कम बोली के आधार पर वास्तविक स्वीकृति 467.66 करोड़ रुपये रही। पूर्वी जोन की परियोजना का संशोधित अनुमान 215.23 करोड़ रुपये था, जबकि सबसे कम बोली 164.55 करोड़ रुपये आई। अन्य निर्धारित मदों को जोड़कर स्वीकृति 169.14 करोड़ रुपये हुई।

इसी तरह उत्तरी जोन की परियोजना का संशोधित अनुमान 372.71 करोड़ रुपये था। इसके लिए सबसे कम बोली 290.44 करोड़ रुपये प्राप्त हुई और अन्य मदों को जोड़कर 298.52 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

बिटुमिन की कीमत लगभग दोगुनी : दस्तावेजों के अनुसार सड़क परियोजनाओं की लागत बढ़ने का प्रमुख कारण बिटुमिन की कीमत में भारी वृद्धि है। युद्ध से पहले बिटुमिन की कीमत करीब 40,831 रुपये प्रति मीट्रिक टन थी, जो निविदा के समय बढ़कर 80,140 रुपये प्रति मीट्रिक टन तक पहुंच गई। विभाग ने कीमत बढ़ने के पीछे पश्चिमी एशिया में जारी युद्ध के कारण आपूर्ति में आए व्यवधान को प्रमुख वजह बताया है।

सुरक्षा उपायों पर भी जोर : व्यय वित्त समिति ने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही भारी यातायात वाले और संवेदनशील हिस्सों में सीमेंट कंक्रीट की सड़कें बनाने की संभावना तलाशने को कहा गया है। दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा ग्रिल लगाने और सड़क सुरक्षा से जुड़े जरूरी उपाय करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

समिति ने परियोजनाओं में अनावश्यक देरी रोकने के लिए ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय करने तथा समयसीमा का पालन नहीं होने पर सख्त जुर्माने का प्रविधान रखने को कहा है।

2036 ओलंपिक पदकों के लिए आईआईटी दिल्ली ने बढ़ाई आधुनिक खेल तकनीक

एजेंसी, नई दिल्ली

वर्ष 2036 के ओलंपिक में भारत के पदक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आईआईटी दिल्ली ने खेलों में अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में काम शुरू किया है। इसके लिए आईआईटी दिल्ली ने भारतीय खेल प्राधिकरण और ब्रिटेन के एक्सेटर विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार, चोट के जोखिम को कम करना और चोट के बाद जल्द स्वस्थ होने में मदद करना है।

आईआईटी दिल्ली और एक्सेटर विश्वविद्यालय के बीच जनवरी 2024 में साझेदारी हुई थी। इसके तहत खेल विज्ञान, प्रदर्शन सुधार और खिलाड़ियों के पुनर्वास से जुड़े विषयों पर संयुक्त रूप से काम करने का निर्णय लिया गया। इसी पहल के तहत आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सितंबर 2025 में खेल जैव-यांत्रिकी प्रयोगशाला शुरू की गई। इसे भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र के सहयोग से तैयार किया गया है।

इस प्रयोगशाला में खिलाड़ियों की शरीरगत गतिविधियों, चाल और मांसपेशियों की कार्यप्रणाली का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार के साथ चोट के संभावित खतरे का पता लगाने में मदद मिलेगी। इसका लाभ खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षकों, भौतिक चिकित्सकों, खेल वैज्ञानिकों और खेल महासंघों को भी मिलेगा।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकड़ा जुटाने के लिए गति पकड़ने वाली तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, वैश्विक स्थिति प्रणाली, वायरलेस विद्युत मांसपेशी संकेतक और शरीर पर पहने जाने वाले संवेदकों का इस्तेमाल किया जाएगा। इनसे शरीर की गति, मांसपेशियों की गतिविधि और प्रशिक्षण के दौरान शरीर पर पड़ने वाले दबाव की जानकारी मिलेगी।

आईआईटी दिल्ली, भारतीय खेल प्राधिकरण और एक्सेटर विश्वविद्यालय ने मार्च 2026 में खेल तकनीक, मशीन लर्निंग और आंकड़ा विश्लेषण पर पांच दिवसीय कार्यक्रम भी आयोजित किया था।

ट्रेनों में अब जीआरपी जवान भी करेंगे एस्कॉर्ट, यात्रियों की सुरक्षा होगी मजबूत

एजेंसी, नई दिल्ली

ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अब राजकीय रेलवे पुलिस के जवान भी ट्रेनों में एस्कॉर्ट ड्यूटी करते नजर आएंगे। अभी तक ट्रेनों में सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्य रूप से रेलवे सुरक्षा बल के जवान संभालते थे। नई व्यवस्था के तहत जीआरपी और आरपीएफ मिलकर ट्रेनों में निगरानी करेंगे।

फरीदाबाद सर्कल के अंतर्गत आने वाले फरीदाबाद, पलवल, सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ और नारनौल थाना क्षेत्रों में नई गश्त व्यवस्था शुरू करने की तैयारी है। इसका उद्देश्य ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाना, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

ट्रेन एस्कॉर्ट ड्यूटी का कार्यक्रम फरीदाबाद सर्कल के डीएसपी राजेश चेची द्वारा निर्धारित किया जाएगा। ट्रेनों की आवाजाही, संवेदनशील क्षेत्रों और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जवानों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इससे आरपीएफ और जीआरपी के बीच समन्वय बेहतर होने की उम्मीद है।

नई व्यवस्था में क्षेत्राधिकार का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। राज्य पुलिस का हिस्सा होने के कारण जीआरपी के जवान हरियाणा की सीमा से बाहर जाकर ड्यूटी नहीं करेंगे। दिल्ली-आगरा मार्ग पर जीआरपी की एस्कॉर्ट टीम होडल तक अपनी जिम्मेदारी निभाएगी और इसके बाद उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश नहीं करेगी।

ट्रेनों में चोरी, जेबतराशी, छेड़छाड़, महिलाओं और बुजुर्ग यात्रियों से संबंधित घटनाओं के अलावा संदिग्ध गतिविधियां भी सुरक्षा के लिए चुनौती बनी रहती हैं। ऐसे में आरपीएफ के साथ जीआरपी की गश्त बढ़ने से सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होने की उम्मीद है।

डीएसपी राजेश चेची के अनुसार यात्रियों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जीआरपी के जवान आरपीएफ के साथ समन्वय बनाकर निर्धारित क्षेत्र में गश्त करेंगे। उन्होंने यात्रियों से भी सफर के दौरान सतर्क रहने और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल सुरक्षा कर्मियों को देने की अपील की।

नोएडा में घरों तक पहुंचा पीला पानी दूषित जलापूर्ति से मचा हड़कंप

एजेंसी, नई दिल्ली

सेक्टर-12 में सोमवार सुबह घरों में नलों के जरिए पहुंचा पानी बेहद गंदा और पीले रंग का होने से लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय निवासियों ने पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे स्वास्थ्य के लिए चिंताजनक बताया। कुछ लोगों के अनुसार पानी देखने में एसिड जैसा प्रतीत हो रहा था।

मामले को लेकर प्लाट ओनर्स रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-12 ने नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग से तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि सुबह जब लोगों ने नल खोले तो सामान्य पानी के बजाय पीले रंग का गंदा पानी आया। इससे लोगों में पेयजल की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि पाइपलाइन के माध्यम से दूषित पानी घरों तक पहुंच रहा है तो इसकी तत्काल जांच जरूरी है। एसोसिएशन ने प्राधिकरण से पानी के नमूने लेकर अधिकृत प्रयोगशाला में जांच कराने और दूषित पानी की वजह का पता लगाने की मांग की है।

इसके अलावा पिछले छह महीनों की नगर जलापूर्ति व्यवस्था से संबंधित टीडीएस रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग की गई है। लोगों ने पाइपलाइनों की स्थिति, जलापूर्ति व्यवस्था और संभावित रिसाव की जांच कराने की अपील की है।

पोरवा ने फोनरवा से भी मामले में हस्तक्षेप करने और जल विभाग के अधिकारियों के समक्ष सेक्टर-12 के निवासियों की समस्या उठाने का आग्रह किया है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जांच रिपोर्ट सामने आने तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

समय पर उपचार और मजबूत रेफरल व्यवस्था से स्ट्रोक का खतरा होगा कम

स्ट्रोक देखभाल मजबूत करने पर विशेषज्ञों ने दिया विशेष जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

स्ट्रोक की समय पर पहचान, तत्काल उपचार और बेहतर रेफरल व्यवस्था से मस्तिष्क को होने वाली स्थायी क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर बड़े अस्पतालों तक स्ट्रोक की रोकथाम, शुरुआती पहचान, आपात उपचार और पुनर्वास की व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है। एम्स नई दिल्ली के न्यूरोलाजी विभाग की ओर से छह अगस्त को आयोजित इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन की सीएमई में विशेषज्ञों ने देश में स्ट्रोक देखभाल की व्यवस्था को व्यापक बनाने पर जोर दिया।

सीएमई में 400 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का विषय भारत में स्ट्रोक देखभाल का विस्तार : रोकथाम से उन्नत उपचार तक था। आयोजन मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं की जांच के लिए होने वाली सेरेब्रल एंजियोग्राफी के 100 वर्ष पूरे होने और इसके जनक एगास मोनिज को श्रद्धांजलि देने के अवसर पर किया गया।

एम्स के निदेशक प्रो. निखिल टंडन ने कहा कि स्ट्रोक चिकित्सा अब केवल कमजोरी और अन्य लक्षणों की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि मस्तिष्क के कार्य को बचाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि स्ट्रोक की रोकथाम और उपचार सामूहिक जिम्मेदारी है। चिकित्सा व्यवस्था का लक्ष्य मस्तिष्क को हुए नुकसान का उपचार करने के साथ उसके कार्य को सुरक्षित रखना होना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक अराधना पटनायक ने स्ट्रोक की रोकथाम, शुरुआती पहचान और समय पर रेफरल को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्ट्रोक के जोखिम कारकों की जांच कराने तथा आशा, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित करने पर जोर दिया।

45 मिनट की सर्जरी में निकलीं चार हजार से अधिक पित्त की पथरियां

एजेंसी, फरीदाबाद

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल में डॉक्टरों ने मोटापे से ग्रस्त 41 वर्षीय मरीज की जटिल लैप्रोस्कोपिक सर्जरी कर उसके पित्ताशय से चार हजार से अधिक पित्त की पथरियां निकालने में सफलता हासिल की। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार इतनी बड़ी संख्या में पित्त की पथरियां मिलने का यह फरीदाबाद में गिने-चुने मामलों में से एक है। मरीज लंबे समय से तेज दर्द की समस्या से परेशान था।

अस्पताल के अनुसार मरीज का स्वास्थ्य पहले से ही कई गंभीर समस्याओं से प्रभावित था। वह मोटापे के साथ मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से भी जूझ रहा था। इन परिस्थितियों को देखते हुए उसे अत्यधिक जोखिम वाले मरीज की श्रेणी में रखा गया था। ऐसे में सर्जरी के दौरान मरीज की स्थिति को नियंत्रित रखना चिकित्सकों के लिए बड़ी चुनौती थी।

जीआई, मिनिमल एक्सेस एवं बेरियाट्रिक सर्जरी के वरिष्ठ निदेशक डॉ. बीडी पाठक के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने मरीज की स्थिति का विस्तृत मूल्यांकन किया। इसके बाद सामान्य बेहोशी देकर लैप्रोस्कोपिक तकनीक से सर्जरी करने का निर्णय लिया गया।

चिकित्सकों ने करीब 45 मिनट में पूरी सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की। इस दौरान पित्ताशय से चार हजार से अधिक पित्त की पथरियां निकाली गईं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीज की जटिल स्वास्थ्य स्थिति के बावजूद कम समय में सर्जरी पूरी करना चिकित्सकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

डॉक्टरों के मुताबिक मोटापा, मधुमेह और अन्य चयापचय संबंधी समस्याओं के कारण पित्ताशय से जुड़ी परेशानियों का जोखिम बढ़ सकता है। पेट में लगातार या तेज दर्द, उल्टी, अपच अथवा भोजन के बाद असहजता जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर चिकित्सकीय जांच कराने से बीमारी की पहचान और उचित उपचार संभव हो सकता है।

गौर सिटी चौक पर जाम से राहत के लिए यातायात पुलिस सख्त

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बढ़ती यातायात समस्या और आए दिन लगने वाले जाम को लेकर गौर सिटी चौक यातायात पुलिस चौकी पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में यातायात पुलिस अधिकारियों के साथ क्षेत्र की विभिन्न आवासीय सोसायटियों के प्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों ने हिस्सा लिया। सभी ने क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव और अव्यवस्थित पार्किंग से होने वाली परेशानियों को अधिकारियों के सामने रखा।

बैठक में पुलिस उपायुक्त यातायात अभय कुमार मिश्रा ने लोगों की समस्याएं सुनीं। गौर सिटी चौक, पार्थला, गौर सिटी-टू और आसपास के प्रमुख मार्गों पर व्यस्त समय में लगने वाले जाम को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। निवासियों ने बताया कि कार्यालय और विद्यालय जाने तथा लौटने के समय इन मार्गों पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाता है। इससे लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ता है।

दिल्ली में पानी के पुराने बिलों पर राहत 2027 तक बढ़ी एलपीएससी माफी योजना मार्च

एजेंसी, नई दिल्ली

पुराने पानी के बिलों पर लगातार बढ़ रहे विलंब भुगतान सरचार्ज से परेशान दिल्ली के उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड की एलपीएससी माफी योजना की अवधि बढ़ाकर 31 मार्च 2027 कर दी है। पहले योजना का लाभ लेने की अंतिम तारीख 15 अगस्त थी। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को इसकी घोषणा की।

योजना के तहत पुराने पानी के बिल का मूल बकाया जमा करने पर उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत विलंब भुगतान सरचार्ज माफ किया जाएगा। यह सुविधा घरेलू उपभोक्ताओं के साथ गैर-घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं को भी मिलेगी। सरकार का कहना है कि योजना से लंबे समय से लंबित पानी के बिलों का निपटारा होगा और दिल्ली जल बोर्ड को भी अपना मूल बकाया वसूलने में मदद मिलेगी।

दिल्ली जल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार अब तक 5,27,514 उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इनके मामलों में बोर्ड ने कुल 3,261 करोड़ रुपये का एलपीएससी माफ किया है। वहीं घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं से 815.84 करोड़ रुपये का मूल बकाया वसूल किया जा चुका है।

सरकार के अनुसार योजना के दायरे में करीब 14.09 लाख घरेलू और 70,312 व्यावसायिक उपभोक्ता आते हैं। इन उपभोक्ताओं के पास अब मूल बकाया राशि जमा कर पुराने बिलों पर लगे सरचार्ज से पूरी तरह राहत पाने का अवसर है।

जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि पुराने पानी के बिल लंबे समय से कई परिवारों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। समय पर भुगतान नहीं होने के कारण विलंब भुगतान सरचार्ज लगातार बढ़ता रहता है और कुल बकाया राशि काफी अधिक हो जाती है। ऐसे में सरकार ने उपभोक्ताओं को केवल मूल बकाया राशि जमा कर सरचार्ज से पूरी राहत पाने का अवसर दिया है।

हवलदार किसान ने बदली खेती की तस्वीर, ड्रैगन फ्रूट से बढ़ी आमदनी

छह बीघे खेत में ड्रैगन फ्रूट उगाकर किसान ने कमाए 14 लाख रुपए

एजेंसी, नई दिल्ली

परंपरागत खेती से हटकर कुछ नया करने की सोच और जुनून ने फरीदाबाद के एक किसान परिवार की आर्थिक स्थिति बदल दी है। नीमका जेल में हवलदार के पद पर तैनात नरेंद्र अत्री ने गेहूं, धान, ज्वार, मक्का और गन्ने जैसी पारंपरिक फसलों की जगह ड्रैगन फ्रूट की खेती शुरू कर नई मिसाल कायम की है। छह बीघे से अधिक खेत में की गई इस खेती से परिवार को इस वर्ष करीब 14 लाख रुपये की आय हुई है।

फरीदाबाद-पलवल सीमा पर स्थित जल्हाका गांव के किसान नरेंद्र अत्री के परिवार को पहले परंपरागत खेती से हर वर्ष करीब डेढ़ से दो लाख रुपये की आमदनी होती थी। जनवरी 2023 में ड्यूटी के दौरान नरेंद्र ने खेती से संबंधित एक यूट्यूब चैनल पर ड्रैगन फ्रूट की खेती के बारे में जानकारी देखी। उन्हें यह खेती इतनी पसंद आई कि उन्होंने पारंपरिक खेती छोड़कर इसे अपनाने का फैसला कर लिया।

घर पहुंचकर जब उन्होंने पत्नी और बच्चों को अपने फैसले के बारे में बताया तो परिवार ने शुरुआत में उन्हें ऐसा करने से रोकने की कोशिश की। हालांकि नरेंद्र अपने निर्णय पर कायम रहे। उन्होंने ड्रैगन फ्रूट की खेती से संबंधित जानकारी लगातार जुटाई और खेती की तैयारी शुरू कर दी।

फरवरी 2023 में उन्होंने अपने खेत की मिट्टी और ट्यूबवेल के पानी का पीएच स्तर जांच कराया। दोनों खेती के लिए अनुकूल पाए गए। इसके बाद खेत में पोल लगाए गए, पौधों की कलमें मंगवाई गईं और उन्हें लगाने के बाद पोल पर रिंग लगाई गई। लगभग तीन महीने में प्रारंभिक तैयारी पूरी हो गई।

नरेंद्र के अनुसार करीब नौ महीने बाद पौधे रिंग तक पहुंचकर फैलने लगे। पहली बार पौधों पर फल आने के बाद उन्होंने शुरुआती फल तोड़ दिए, ताकि पौधों का विकास बेहतर तरीके से हो सके। करीब डेढ़ वर्ष बाद पौधों से अच्छी मात्रा में फल मिलने शुरू हुए। शुरुआती उत्पादन करीब ढाई से तीन टन रहा।

ड्रैगन फ्रूट की खेती ने पारंपरिक खेती से कहीं अधिक आमदनी का खोला रास्ता

अब तीन वर्ष बाद उत्पादन बढ़कर करीब आठ टन तक पहुंच गया है। नरेंद्र ने बताया कि इस वर्ष उन्हें थोक बाजार में करीब 200 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से फल बेचने पर लगभग 14 लाख रुपये की आय हुई। खेती शुरू करने से अब तक उनका कुल खर्च करीब 6.5 लाख रुपये रहा है।

नरेंद्र का कहना है कि ड्रैगन फ्रूट के पौधे कई वर्षों तक उत्पादन देते हैं और आने वाले वर्षों में भी अच्छी आमदनी की उम्मीद है। उनके प्रयोग से प्रेरित होकर फरीदाबाद और पलवल में अब कुछ अन्य किसान भी ड्रैगन फ्रूट की खेती की ओर बढ़ रहे हैं। नरेंद्र की सफलता ने साबित किया है कि नई तकनीक, सही जानकारी और मेहनत के साथ किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर बेहतर आय के नए रास्ते तलाश सकते हैं।

नरेंद्र अत्री की सफलता अब आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रही है। परंपरागत फसलों में बढ़ती लागत, मौसम की अनिश्चितता और सीमित आमदनी के बीच किसान ऐसी फसलों की तलाश कर रहे हैं, जिनसे कम जमीन में बेहतर आय प्राप्त की जा सके। ड्रैगन फ्रूट की खेती इसी दिशा में एक संभावनाशील विकल्प के रूप में सामने आई है।

नरेंद्र बताते हैं कि इस खेती को शुरू करने से पहले उन्होंने इंटरनेट के माध्यम से इसकी पूरी जानकारी जुटाई। खेत की मिट्टी और पानी की जांच कराने के बाद ही उन्होंने निवेश करने का फैसला लिया। इससे उन्हें शुरुआत में कई जोखिमों से बचने में मदद मिली।

चार्जिंग बैटरी में विस्फोट से हुई मामा-भांजे की दर्दनाक मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के राघुबीर नगर में सोमवार तड़के ई-रिक्शा की पोर्टेबल बैटरी में अचानक विस्फोट होने से दर्दनाक हादसा हो गया। धमाके के बाद पहली मंजिल पर रखे घरेलू सामान में आग लग गई। हादसे में कमरे में सो रहे 17 वर्षीय मोहम्मद सफेद और उसके 38 वर्षीय मामा मोहम्मद सहमद गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 5:24 बजे ख्याला थाना पुलिस को राघुबीर नगर स्थित मस्जिद गुरुद्वारा रोड की एक इमारत में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां दोनों मामा-भांजे आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। उन्हें तत्काल गुरु गोविंद सिंह अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

तीनों चलाते थे ई-रिक्शा : जांच में सामने आया कि मोहम्मद सफेद अपने पिता मोहम्मद नसीब और मामा मोहम्मद सहमद के साथ किराये के परिसर में रहता था। तीनों ई-रिक्शा चलाकर परिवार का खर्च चलाते थे। ई-रिक्शा की पोर्टेबल बैटरियां किराये के परिसर में ही चार्ज की जाती थीं। सोमवार तड़के बैटरी चार्जिंग पर लगी हुई थी। इसके बाद सफेद और उसका मामा कमरे में सो गए। इसी दौरान बैटरी में अचानक विस्फोट हो गया और आग फैल गई। हादसे के समय सफेद के पिता घर पर मौजूद नहीं थे।

दमकल की चार गाड़ियां पहुंचीं : बैटरी में विस्फोट के बाद पहली मंजिल पर रखा घरेलू सामान आग की चपेट में आ गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की तीन पानी की गाड़ियां और एक पानी टैंकर मौके पर पहुंचा।

सफाईकर्मी की हत्या पर भड़का आक्रोश कर्मचारियों ने छोड़ा काम

एजेंसी, नई दिल्ली

कल्याणपुरी में मेट्रो वेस्ट के सफाईकर्मी की चाकू मारकर हत्या के विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारियों ने काम बंद कर धरना दिया। कर्मचारियों ने लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल और स्वामी दयानंद अस्पताल के बाहर प्रदर्शन करते हुए हत्यारोपित की जल्द गिरफ्तारी और सफाईकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

कल्याणपुरी इलाके में मेट्रो वेस्ट के 27 वर्षीय कर्मचारी अनिल कुमार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। वह ड्यूटी के दौरान टिपर वाहन के साथ मौजूद था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावर किसी दूसरे कर्मचारी को निशाना बनाने आया था, लेकिन गलत पहचान के कारण उसने अनिल पर हमला कर दिया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। घटना के बाद मेट्रो वेस्ट कर्मचारियों में भारी रोष है। कर्मचारियों का कहना है कि सफाईकर्मी रोजाना जोखिम के बीच काम करते हैं, लेकिन ड्यूटी के दौरान उनकी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं।

ऊना-नालागढ़ के औद्योगिक पार्कों को जल्द मंजूरी देने की मुख्यमंत्री सुक्खू ने की मांग

रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने से घटेगी लॉजिस्टिक्स लागत

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास और कार्यान्वयन ट्रस्ट के सर्वोच्च निगरानी प्राधिकरण की तीसरी बैठक में शिमला से वर्चुअल माध्यम से भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के लिए विश्वस्तरीय औद्योगिक आधारभूत संरचना विकसित करने के राज्य सरकार के प्रयासों से अवगत करवाया। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के प्रथम चरण के तहत इन्वेस्टमेंट-रेडी औद्योगिक पार्क विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास और कार्यान्वयन ट्रस्ट को दो प्रस्ताव पहले ही प्रस्तुत किए हैं। इन औद्योगिक पार्कों में आधुनिक प्लग-एंड-प्ले आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जानी प्रस्तावित हैं। प्रस्तावित परियोजनाओं में जिला ऊना के गांव बीटन में 75 एकड़ क्षेत्र में 80 करोड़ रुपए की लागत से औद्योगिक पार्क तथा जिला सोलन के नालागढ़ स्थित मझोली औद्योगिक क्षेत्र में 150 एकड़ क्षेत्र में 154.39 करोड़ रुपए की लागत से औद्योगिक पार्क शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री से इन दोनों प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया, ताकि इनका कार्यान्वयन जल्द से जल्द शुरू किया जा सके। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश में औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा देने के लिए लॉजिस्टिक्स एवं परिवहन ढांचे को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने केंद्र सरकार से प्रदेश में रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने तथा बद्दी-नालागढ़ रेल लाइन के विस्तार के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल कनेक्टिविटी से लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी, उद्योगों को बेहतर बाजार पहुंच मिलेगी, विनिर्माण इकाइयों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी तथा हिमाचल प्रदेश में निजी निवेश को और प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आधुनिक आधारभूत संरचना, निवेशक-अनुकूल नीतियों के माध्यम से एक सुदृढ़ औद्योगिक इकोसिस्टम विकसित करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर बल दिया। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम का उद्देश्य औद्योगिक गलियारों का एक नेटवर्क स्थापित करता है जो आर्थिक विकास के इंजन के रूप में काम करेगा, औद्योगिकरण को बढ़ावा देगा और देश में रोजगार के अवसर सृजित करेगा। इस कार्यक्रम में विश्वस्तरीय अवसंरचना के विकास, निवेश को आकर्षित करने और सत्त रूप से औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने पर फोकस किया गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और प्राधिकरण के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।

रियुंद खड्ड पुल सितंबर तक पूरा करने के निर्देश घटेगा यातायात दबाव

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा शहर में बढ़ते यातायात और अतिक्रमण की समस्या को लेकर एसडीएम डॉ. अंजलि गर्ग ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई। एसडीएम ने पुलिस विभाग को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डॉ. अंजलि गर्ग ने नगर परिषद को नालियों के ऊपर किए गए अतिक्रमण को तुरंत हटाने और महीने में दो बार कांगड़ा शहर का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के चालान किए जाएं, ताकि पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि वह भी जल्द कांगड़ा बाजार का औचक निरीक्षण करेंगी। एसडीएम ने रियुंद खड्ड पर निर्माणाधीन पुल का कार्य सितंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि फोरलेन पूरी तरह चालू हो सके और शहर में यातायात का दबाव कम हो। इसके अलावा समेला से कांगड़ा बाईपास तक पैचवर्क जल्द शुरू करने और नालियों को कवर करने को कहा गया। उन्होंने सीवरेज विभाग को कांगड़ा में चल रहे कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। श्रावण अष्टमी मेले के दौरान यातायात नियमों की अवहेलना और मुख्य बाजारों में अनधिकृत पार्किंग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं।

शराब पार्टी में देवता को लेकर विवाद, चाकू व बोतल से हमला

◆ सोलन में खूनी झड़प, 18 वर्षीय युवक गंभीर घायल; आरोपी काबू

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। सोलन के करोल कॉलोनी स्थित एक किराये के कमरे में शराब पार्टी के दौरान देवता को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी झड़प में बदल गया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है और जांच जारी बताई गई है ।

सोलन के बसाल में स्थित करोल कॉलोनी के किराए के कमरे में 15 अगस्त की रात करीब 11 बजे तीन युवक मयंक, सारांश और निखिल शराब पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान देवता को लेकर मयंक और निखिल के बीच बहस शुरू हुई और देखते ही देखते बहस मारपीट में तबदील ही गई । मयंक और निखिल की बहस को बढ़ता देख सारांश ने दोनों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन निखिल ने टूटी शराब की बोतल से मयंक के सिर पर वार कर दिया। जिससे 18 वर्षीय युवक मयंक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बीच-बचाव करने वाले उसके साथी सारांश तेजवान को भी चाकू और टूटी बोतल से चोटें आईं। पुलिस ने मुख्य आरोपी निखिल संजटा (19) को चंबाघाट से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों युवक झगड़ा करते हुए बाथरूम में पहुंच गए, जहां निखिल ने शेफ चाकू से मयंक पर हमला कर दिया। सारांश जब मदद के लिए बाहर निकलने लगा तो आरोपी ने उसके बाएं कंधे पर भी चाकू से दो वार किए। सारांश ने वैभव को बुलाया और दोनों जब कमरे में लौटे तो मयंक बाथरूम के बाहर पेट पकड़कर खड़ा मिला। उसे तुरंत क्षेत्रीय अस्पताल सोलन पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में आईजीएमसी शिमला रेफर कर दिया गया। मयंक का उपचार जारी है। घटना की सूचना पर पुलिस थाना सदर सोलन में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच के आधार पर आरोपी निखिल संजटा, निवासी गांव दिस्वानी, डाकघर कलोटी, तहसील चिड़गांव, जिला शिमला को 16 अगस्त को चंबाघाट से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है तथा उसके पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। आरोपी को 17 अगस्त को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। एसपी सोलन एसडी वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब के नशे में हुए विवाद के दौरान आरोपी ने तेजधार हथियार से मयंक और शिकायतकर्ता सारांश पर हमला किया। मामले में आगामी अन्वेषण जारी है।

न्यूज ब्रीफ

नूरपुर पुलिस ने पंजाब से उद्घोषित अपराधी दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर की ओर से उद्घोषित अपराधियों (पीओ) के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पीओ सेल की टीम ने एक उद्घोषित अपराधी को पंजाब के दीनानगर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आकाश (33) पुत्र अशोक कुमार, निवासी गांव अवांखा, तहसील दीनानगर, जिला गुरदासपुर, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना इंदौरा में वर्ष 2016 में हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1)(ए) के तहत एफआईआर संख्या 65/2016 दर्ज की गई थी। मामले में आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। माननीय न्यायालय ने 28 जुलाई 2026 को उसे उद्घोषित अपराधी घोषित किया था। पीओ सेल की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दीनानगर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की सूचना उसके भाई विशाल कुमार को दूरभाष के माध्यम से दे दी गई है। पुलिस जिला नूरपुर ने कहा कि उद्घोषित अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून से बचकर चल रहे आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

डॉक्टर अर्चना ठाकुर तेल और प्राकृतिक गैस निगम की इंडिपेंडेंट डायरेक्टर नियुक्त

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भारत सरकार के पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने हिमाचल भाजपा नेत्री डॉक्टर अर्चना ठाकुर को सार्वजनिक क्षेत्र के नवरत्न उपक्रम तेल और प्राकृतिक गैस निगम ओ एन जी सी की तीन वर्ष के लिए इंडिपेंडेंट डायरेक्टर नियुक्त किया है । हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिला के घागस क्षेत्र से संबंध रखने वाली डॉक्टर अर्चना ठाकुर अपने परिवार के साथ कुल्लू में रहती है। एक सैनिक परिवार की पृष्ठभूमि से संबंध रखने बाली डॉक्टर अर्चना ठाकुर की स्कूल और कालेज की शिक्षा दीक्षा शिमला में हुई और उन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से वर्ष 1999 में राजनैतिक विज्ञानं में डॉक्टरेट की डिग्री ग्रहण की। वह इस समय हिमाचल भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य है। इससे पहले वह राज्य भाजपा की आई टी और सोशल मीडिया सेल के दो बार कमान सम्भाल चुकी हैं । उनका दो दशकों का शैक्षणिक , प्रशासनिक और समाज सेवा का अनुभव है। उन्होंने महिलाओं के सामुदायिक विकास और महिला सशक्तिकरण के लिए बेहतर काम किया है जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई है । वह इस प्रतिष्ठित पद पर मनोनीत होने वाली पहली हिमाचली महिला है।

नयना देवी मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी में श्रावण अष्टमी मेले के दौरान भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पिछले दो दिनों से मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए एसडीएम धर्मपाल ने स्वयं व्यवस्थाओं की कमान संभाल रखी है। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों के साथ मंदिर का कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम भी प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। इसके माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र और मंदिर परिसर की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। मंदिर अधिकारी चतर सिंह रानौत और अकाउंट ऑफिसर मनीष भी श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार मौके पर डटे हुए हैं।

बेटी के नाम पर लगाया सीताफल का पौधा

भारतेन्दु संवाददाता, अंब। पर्यावरण संरक्षण और बेटियों के सम्मान का संदेश देने के लिए आंगनबाड़ी केंद्र अंब-5 में पहल की गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मोनिका कुमारी ने अनन्या नाम की बच्ची की मां के साथ उसके नाम पर सीताफल का पौधा लगाया। उन्होंने लोगों से प्रत्येक परिवार को बेटी के नाम पर पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने केंद्र में आने वाले 36 बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की। सभी बच्चे स्वस्थ पाए गए। डॉ. हनी संधु ने महिलाओं को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

पेंशनर्स-कर्मचारियों की मांगों पर सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। भाजपा पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के नेताओं ने प्रदेश सरकार पर कर्मचारियों और पेंशनरों से वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए लंबित वित्तीय लाभों का 100 प्रतिशत भुगतान करने की मांग उठाई। नेताओं ने कहा कि पेंशनरों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर बकाया राशि का भुगतान करने की नीति से असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री के पूर्व आश्वासनों का हवाला देते हुए कहा कि लंबित बकाया, महंगाई राहत की किस्तों और चिकित्सा बिलों का भुगतान जल्द किया जाए। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के चुनावी वादों पर भी सवाल उठाते हुए महिलाओं को 1500 रुपए मासिक सहायता और युवाओं को रोजगार देने का वादा पूरा करने की मांग की।

कराटे चैंपियनशिप में इंदौरा के खिलाड़ियों ने जीते 13 गोल्ड, 11 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज

ओवरऑल चैंपियन बना विजय मेमोरियल स्कूल

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विजय मेमोरियल स्कूल इंदौरा ने शिक्षा के साथ खेलों में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए बटाला में आयोजित स्वतंत्रता कराटे चैंपियनशिप में ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी जीतकर हिमाचल का नाम रोशन किया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर से करीब 800 खिलाड़ियों ने भाग लिया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्ण, 11 रजत और 8 कांस्य पदक अपने नाम किए।

विद्यालय की इस उपलब्धि से विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन में खुशी की लहर है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि यह सफलता शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास को समान महत्व देने का परिणाम है। स्कूल में शूटिंग, स्विमिंग और कराटे सहित विभिन्न खेलों के लिए आधुनिक सुविधाएं तथा विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की व्यवस्था की गई है। प्रधानाचार्या सोनिया शर्मा ने खिलाड़ियों, अभिभावकों, कोच और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय पिछले करीब चार दशकों से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को घर के नजदीक बेहतर शिक्षा और खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाना विद्यालय की प्राथमिकता है। विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उसे उचित दिशा देना भी स्कूल का प्रमुख उद्देश्य है। विद्यालय के निदेशक इंजीनियर सचिन शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को शिक्षा, खेल, अनुशासन और कौशल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर देना है, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय तथा देश का नाम रोशन कर सकें। विद्यालय की यह उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक है।

सरकार से सवाल करना गुनाह व जनसेवा पर बैन, यही आपातकाल है: राजेंद राणा

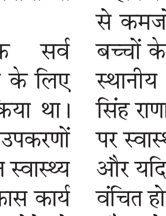

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। देश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने सुजानपुर अस्पताल में 6 सितंबर को प्रस्तावित नि:शुल्क मेडिकल कैंप के लिए जगह न मिलने पर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि जरूरतमंदों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाना भी अब अपराध बन गया है क्या? राणा ने आरोप लगाया कि जनहित के कार्यों को सरकार की अनुमति का मोहताज बनाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सर्व कल्याणकारी संस्था ने कैंप के लिए 20 जुलाई को आवेदन किया था। चिकित्सकों, दवाइयों और उपकरणों की तैयारियां पूरी थीं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल में विकास कार्य का हवाला देकर अनुमति देने से इनकार कर दिया। राणा का दावा है कि जिस भवन में शिविर लगाया जाना था, वहां कोई काम नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था अब तक प्रदेश में 50 से अधिक नि:शुल्क मेडिकल कैंप आयोजित कर चुकी है और सुजानपुर अस्पताल में भी 15 से अधिक शिविर लग चुके हैं। राणा ने कहा कि इन शिविरों में पीजीआई चंडीगढ़ सहित बड़े संस्थानों के विशेषज्ञ चिकित्सक पहुंचते हैं और मरीजों को जांच, टेस्ट तथा दवाइयां नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कैंप आर्थिक रूप से कमजोर, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए बड़ी राहत हैं। उन्होंने स्थानीय विधायक कैप्टन रणजीत सिंह राणा से पूछा कि किसके निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने अनुमति रोकी और यदि किसी मरीज को इलाज से वंचित होना पड़ा तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। राणा ने सरकार पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने का आरोप भी लगाया।

स्मार्ट मीटर परियोजना तत्काल हो स्थगित

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल किसान सभा सुंदरनगर इकाई ने प्रस्तावित स्मार्ट मीटरिंग परियोजना के विरोध में वरिष्ठ अधिशाषी अभियंता, बिजली मंडल सुंदरनगर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। सभा ने परियोजना को तत्काल स्थगित करने और इसकी लागत व निविदा प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच करवाने की मांग की।

सभा के सचिव रामजी दास की अध्यक्षता में सौंपे ज्ञापन में कहा गया कि उपभोक्ताओं की सहमति के बिना मौजूदा डिजिटल मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया लागू नहीं की जानी चाहिए। सदस्य सुरेंद्र सेन ने कहा कि करीब 2500 करोड़ रुपए की परियोजना के वित्तीय औचित्य, अनुमानित व वास्तविक लागत की जांच होनी चाहिए। उन्होंने गरीबों, किसानों और सब्सिडी प्राप्त परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न डालने की मांग की। जिला सदस्य जगमेल ठाकुर ने कर्मचारियों के रोजगार की सुरक्षा तथा उपभोक्ताओं के बिजली आंकड़ों की निजता सुनिश्चित करने की मांग की।

करोड़ों की विकास परियोजनाओं से बदल रहा कांगड़ा का स्वरूप: मोंगरा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश में सुक्खू सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के तहत करोड़ों रुपए की विकास परियोजनाओं से कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। यह बात एपीएमसी के जिला एवं प्रदेश कांग्रेस विभाग के अध्यक्ष चौधरी नरेंद्र निशु मोंगरा ने कही।

सोमवार को निशु मोंगरा ने इच्छी स्थित अपने कार्यालय में जनता दरबार लगाया और कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। बरसात के कारण घरों में आई दरारों, डंगों के निर्माण, कूहलों की सफाई, सड़कों की मरम्मत सहित अन्य समस्याएं प्रमुखता से सामने आईं। उन्होंने कहा कि सभी समस्याओं का विवरण तैयार कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। निशु मोंगरा ने कहा कि जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार और उनका प्राथमिक दायित्व है। हर समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समीरपुर देहरिया मेला ग्राउंड के साथ लगती खड्डु में भूमि धंसने की समस्या के स्थायी समाधान के लिए सात लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। जल्द ही यहां डंगा निर्माण का कार्य शुरू होगा। उन्होंने कहा कि समेला से कांगड़ा बाईपास सड़क का निर्माण कार्य बरसात समाप्त होते ही दोबारा शुरू कर दिया जाएगा। समेला रेलवे पुल के नीचे डंगा निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है, जिसके कारण यातायात में अस्थायी बाधा आ रही है। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि इस अस्थायी परेशानी के बाद क्षेत्र को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी।

समाज शास्त्र शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने स्कूल शिक्षा विभाग में समाज शास्त्र के शिक्षकों के 108 पदों को पोस्ट कोड-26029 के अंतर्गत फिक्स मानदेय के आधार पर भरने के लिए आयोजित कंप्यूटर बेस्ड स्क्रीनिंग टेस्ट (सीबीटी) का परिणाम घोषित कर दिया है। यह परीक्षा परिणाम आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया गया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि समाज शास्त्र के शिक्षकों के 108 पदों के लिए 439 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 374 उम्मीदवारों ने सीबीटी परीक्षा दी थी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण 225 उम्मीदवारों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जा रहा है जोकि 24 अगस्त को सुबह 10 बजे से आयोग के परिसर में आरंभ होगी। इसकी सूचना उम्मीदवारों को उनकी ईमेल आईडी पर दी जाएगी। उन्हें अलग से बुलावा पत्र नहीं भेजे जाएंगे।

युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाना समय की आवश्यकता: राकेश जम्वाल

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मेरा युवा भारत, हिमाचल प्रदेश द्वारा संस्कृति सदन, मंडी में नव-चयनित राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों के लिए आयोजित छह दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में सुंदरनगर के विधायक एवं भाजपा मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने मुखतिथि के रूप में शिरकत की और प्रशिक्षण में भाग ले रहे युवा स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंडी, कुल्लू और सोलन जिलों से चयनित कुल 35 राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 से 22 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नव-चयनित स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण, युवा नेतृत्व, सामुदायिक सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा मेरा युवा भारत की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों से परिचित करवाना है, ताकि वे अपने-अपने जिलों में युवाओं के सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर राकेश ने कहा कि भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और सामर्थ्य को सकारात्मक दिशा देकर राष्ट्र निर्माण से जोड़ना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवा केवल अपने भविष्य के निर्माता नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के वर्तमान को मजबूत करने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि युवा अवस्था जीवन का ऐसा पड़ाव है, जब व्यक्ति में कुछ नया करने, सीखने और समाज के लिए योगदान देने की सबसे अधिक क्षमता होती है। यदि युवाओं को सही दिशा, उचित मार्गदर्शन और अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर मिलें तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं। मेरा युवा भारत जैसे मंच इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेतृत्व का अर्थ केवल किसी पद पर होना नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़कर कार्य करना है। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे इस प्रशिक्षण को केवल एक औपचारिक कार्यक्रम के रूप में न लें, बल्कि यहां मिलने वाले अनुभव और ज्ञान को अपने जीवन तथा सामाजिक कार्यों में व्यवहारिक रूप से लागू करें। राकेश जमवाल ने कहा कि आज भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और देश के विकास में युवाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। युवा शक्ति के सामर्थ्य का सही उपयोग विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

परेशानी हिमाचल में बारिश का कहर, 110 सड़कें बंद और 217 पेयजल योजनाएं प्रभावित

आज बारिश का ऑरेंज, 21 तक येलो अलर्ट

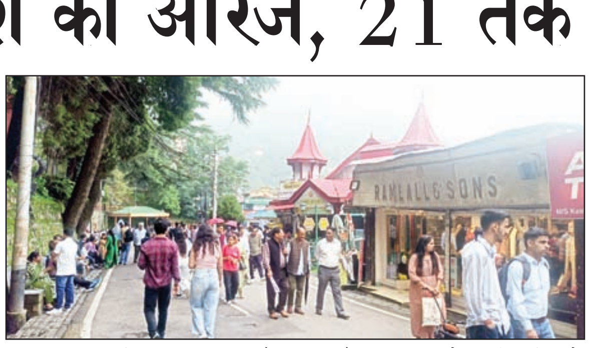

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की सक्रियता बनी हुई है और लगातार हो रही बारिश का असर जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है। भूस्खलन और मलबा गिरने की घटनाओं के कारण प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार सोमवार सुबह तक प्रदेश में 110 सड़कें यातायात के लिए बंद थीं। इसके अलावा 91 बिजली ट्रांसफार्मर और 217 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 21 अगस्त तक प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है। विभाग ने 18 अगस्त के लिए भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके बाद 19 से 21 अगस्त तक भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट रहेगा। मौसम विभाग ने लोगों को भूस्खलन संभावित क्षेत्रों, नदी-नालों और खड्डों के आसपास विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। 17 और 18 अगस्त को कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई।

मंडी जिले के कटौला में सबसे अधिक 74 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा चंबा के जोत में 52 मिलीमीटर, कांगड़ा जिले के धर्मशाला में 30 मिलीमीटर, शिमला जिले के सराहन में 20 मिलीमीटर और जोगिंदरनगर में 15 मिलीमीटर बारिश हुई। बारिश के बीच चंबा जिले के जनजातीय क्षेत्र भरमौर से एक बड़ी घटना सामने आई है। भरमौर उपमंडल के बलोठ क्षेत्र के 84 चला में बादल फटने से अचानक पानी और मलबे का बहाव बढ़ गया। इस घटना में एक लोहे का पुल बह गया, जिससे क्षेत्र का संपर्क प्रभावित हुआ। उस समय मणिमहेश यात्रा मार्ग पर 40 से 50 श्रद्धालु रास्ते में फंस गए थे।

सूचना मिलने के बाद प्रशासन और स्थानीय बचाव दल मौके पर पहुंचे और सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। प्रशासन क्षेत्र में हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। प्रदेश में सबसे अधिक असर मंडी जिले में देखा गया है। यहां 39 सड़कें बंद हैं। जिले में 28 बिजली ट्रांसफार्मर और 209 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। कुल्लू जिले में 33 सड़कें बंद हैं, जबकि चंबा में 12 और शिमला जिले में 9 सड़कें अवरुद्ध हैं। बिजली आपूर्ति पर भी बारिश का असर पड़ा है।

सिरमौर जिले के मुख्यालय नाहन क्षेत्र में 41 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित हैं। वहीं शिमला जिले के रामपुर और चौपाल क्षेत्रों में 22 ट्रांसफार्मर खराब पड़े हैं। कई इलाकों में विभागीय टीमें बहाली कार्य में जुटी हुई हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक मानसून सक्रिय बना रहेगा। ऐसे में पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन, मलबा गिरने और स्थानीय स्तर पर अचानक जलस्तर बढ़ने जैसी घटनाओं की आशंका बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

एनएचएम कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान की सौगात का कर्मियों ने किया स्वागत

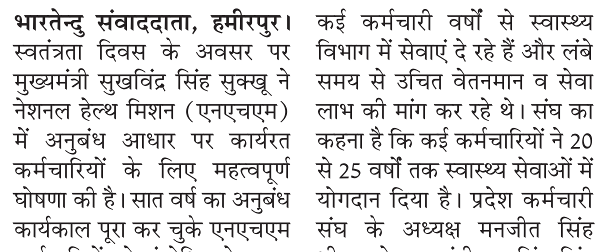

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) में अनुबंध आधार पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है। सात वर्ष का अनुबंध कार्यकाल पूरा कर चुके एनएचएम कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान देने का निर्णय लिया गया है। संशोधित वेतनमान 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा।

इस निर्णय से एनएचएम के तहत कार्यरत करीब 54 श्रेणियों के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इनमें डॉक्टर, फार्मेसी ऑफिसर, सुपरवाइजर, लैब टेक्नीशियन सहित विभिन्न वर्गों के कर्मचारी शामिल हैं। इससे लगभग 4,200 परिवारों के लाभान्वित होने की उम्मीद है। एनएचएम कर्मचारियों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। कर्मचारी संघ के अनुसार कई कर्मचारी वर्षों से स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दे रहे हैं और लंबे समय से उचित वेतनमान व सेवा लाभ की मांग कर रहे थे। संघ का कहना है कि कई कर्मचारियों ने 20 से 25 वर्षों तक स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान दिया है। प्रदेश कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मनजीत सिंह धीमान ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से भेंट कर पुष्पगुच्छ प्रदान किया और एनएचएम कर्मचारियों की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के लिए सम्मानजनक वेतन और बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश कर्मचारी संघ ने कहा कि एनएचएम कर्मचारियों के हित में लंबे समय बाद इतना व्यापक निर्णय लिया गया है। संघ ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस फैसले से हजारों कर्मचारियों और उनके परिवारों में नई उम्मीद जगी है।

न्यूज ब्रीफ

राजेश धर्माणी आज व कल घुमारवीं के प्रवास पर

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी 18 और 19 अगस्त को घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राजेश धर्माणी 18 अगस्त को सुबह 10 बजे राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, डंगार के विद्यार्थियों के साथ संवाद करेंगे। इसके बाद 19 अगस्त को सुबह 10 बजे राजकीय महाविद्यालय, घंडालवी के विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे।

वैल्डर, सिक्योरिटी गार्ड के साक्षात्कार 22 को

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के मुख्य औद्योगिक क्षेत्र बद्दी-नालागढ़ में वैल्डर, हैल्पर, सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के कुल 60 पदों को भरने के लिए 22 अगस्त को सुबह 10 बजे जिला रोजगार कार्यालय हमीरपुर में साक्षात्कार लिए जाएंगे। ये साक्षात्कार बाज सिक्योरिटी सर्विसेज एंड मैन पॉवर नालागढ़ द्वारा लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि वैल्डर एवं हैल्पर के 30 पदों के लिए वैल्डर ट्रेड में आईटीआई डिप्लोमाधारक पुरुष पात्र होंगे। इनकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 16 हजार से 22 हजार रुपए तक मासिक वेतन मिलेगा। सिक्योरिटी सुपरवाइजर और महिला एवं पुरुष सिक्योरिटी गार्ड के 30 पदों के लिए अभ्यर्थी दसवीं या बारहवीं पास होना चाहिए। महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों की आयु 23 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयनित उम्मीदवारों को 16 हजार से 22 हजार रुपए तक मासिक वेतन मिलेगा। इन सभी उम्मीदवारों के कार्य स्थल नालागढ़ और बद्दी में ही होंगे। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा इन पदों के लिए योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है, तो वह अपने मूल प्रमाण पत्रों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है।

दौहदी को नगर निगम से बाहर करने की उठी मांग

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। नगर निगम मंडी में शामिल किए गए दौहदी वार्ड के ग्रामीणों ने शहरी निकाय से बाहर करने की मांग उठाई है। सोमवार को दर्जनों महिलाओं सहित ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रकाश चौधरी से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। ग्रामीणों ने कहा कि दौहदी पूरी तरह ग्रामीण क्षेत्र है और नगर निगम में शामिल किए जाने के बाद उन पर शहरी टैक्स और नियमों का बोझ बढ़ गया है, जबकि मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली भाजपा सरकार के समय उनकी इच्छा के विरुद्ध क्षेत्र को नगर निगम में शामिल किया गया था। ग्रामीणों ने प्रकाश चौधरी से मुख्यमंत्री के समक्ष मामला उठाकर उन्हें नगर निगम की व्यवस्था से बाहर करवाने की मांग की। प्रकाश चौधरी ने आश्वासन दिया कि वह ग्रामीणों के साथ जल्द शिमला जाकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के हित में मामले का न्यायसंगत समाधान करवाने का प्रयास किया जाएगा।

नाग पंचमी पर नाग नवमी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सोमवार को श्रावण मास की संक्रांति, तीसरा सोमवार और नाग पंचमी का पर्व एक साथ पड़ा है। इस शुभ संयोग पर नाहन के प्राचीन नाग नवमी मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोग कतारबद्ध होकर नाग देवता के दर्शन कर रहे हैं और प्रतिमा पर दूध चढ़ाकर पूजा अर्चना कर रहे हैं। रियासत काल में स्थापित यह मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। मंदिर के पुजारी पंडित दया राम शर्मा ने बताया कि नाग पंचमी पर नाग देवता की पूजा से कालसर्प दोष दूर होता है और अनेक कष्टों से छुटकारा मिलता है। उन्होंने कहा कि इस दिन दूध से विशेष स्नान करना शुभ माना जाता है और सच्चे मन से पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा अर्चना करने से अनेक कष्ट दूर होते हैं। कालसर्प दोष भी शांत होता है। आज नाहन के नाग नवमी मंदिर में श्रद्धालु श्रद्धा भाव से पूजा करने के लिए आए हैं। श्रावण के तीसरे सोमवार और संक्रांति के साथ नाग पंचमी का यह संयोग विशेष माना जा रहा है। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई पूजा से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मजबूत संगठन के दम पर हिमाचल में लोजपा खड़ा करेगी तीसरा बड़ा विकल्प : नितिन

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) हिमाचल प्रदेश में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ तीसरे बड़े विकल्प के रूप में खुद को स्थापित करने की तैयारी में है। पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नितिन चौहान उर्फ टिंकू ने सोमवार को नाहन में पत्रकार वार्ता में कहा कि पार्टी किसी दबाव, दल या सरकार के विरोध की राजनीति नहीं करेगी, बल्कि अपने मुद्दों और संगठन की ताकत के साथ जनता के बीच जाएगी। नितिन चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, वह उनके लिए केवल राजनीतिक पद नहीं बल्कि बड़ी जिम्मेदारी है। उनका प्राथमिक लक्ष्य हिमाचल में के संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है। बूथ और खंड स्तर से लेकर मंडल और जिला स्तर तक संगठन का विस्तार किया जाएगा। प्रदेश के सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी की मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी में युवाओं, महिलाओं, किसानों-बागवानों, कर्मचारियों और व्यापारियों सहित समाज के सभी वर्गों को जोड़ा जाएगा। प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा जल्द की जाएगी, जिसके बाद संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिलेगी।नितिन चौहान ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जल्द हिमाचल प्रदेश का दौरा करेंगे।

नेरचौक व टांडा मेडिकल कॉलेज में 50 करोड़ रुपए से लगेंगी पेट स्कैन मशीनें : सीएम सुक्खू

300 करोड़ के उन्नत चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के दिए निर्देश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के लिए लगभग 300 करोड़ रुपए के चिकित्सा उपकरणों और मशीनरी की खरीद व स्थापना की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि उन्नत चिकित्सा सुविधाओं का लाभ लोगों को जल्द से जल्द मिल सके। उन्होंने निदान सेवाओं को मजबूत करने के लिए इस वर्ष के अंत तक चिकित्सा महाविद्यालयों में ऑटोमेटेड लेबोरेटरी सिस्टम स्थापित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि कई महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए निविदाएं जारी की जा चुकी हैं। इनमें चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए 75 करोड़ रुपए का ट्रैक-आधारित इंटीग्रेटेड टोटल लैब ऑटोमेशन सिस्टम, लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नेरचौक और डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा के लिए 50 करोड़ रुपए की पैट स्कैन मशीनें तथा अटल इन्स्टीच्यूट् ऑफ मेडिकल सुपरस्पेशियलिटी चमियाना के लिए दो करोड़ रुपए की उच्च क्षमता वाली इकोकार्डियोग्राफी मशीनें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों चंबा में 13 फुल डिजिटल रेडियोग्राफी मशीनों, मैमोग्राफी तथा अन्य उपकरणों के लिए भी निविदाएं जारी की गई हैं। इसके अतिक्ति डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हमीरपुर में 3 करोड़ रुपए की ब्लड कंपोनेंट सेपरेटर यूनिट, आईजीएमसी शिमला में 5 करोड़ रुपए के 4के लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सेट और इलेक्ट्रोसर्जिकल स्टेशन, 36 लाख रुपए की इसीजी मशीनें, ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट्स के लिए 13 करोड़ के उपकरण, आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों के अंतर्गत 15 करोड़ रुपए की मशीनरी व उपकरण, विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के लिए 100 करोड़ रुपए की दवाइयां एवं औषधियां तथा 30 करोड़ रुपए के चिकित्सा उपभोग्य एवं सर्जिकल सामान की खरीद भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे चरण में लगभग 83 करोड़ रुपए की अतिरिक्त चिकित्सा मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए निविदाएं जारी की जाएंगी।

स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करना प्रमुख प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया की नियमित निगरानी करने व सभी प्रक्रियाएं बिना किसी अनावश्यक देरी के पूरा करने के निर्देश दिए। सुक्खू ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला अस्पतालों, नागरिक अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक जांच व उपचार सुविधा उपलब्ध करवाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि लोगों को अपने घरों के नजदीक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

टांडा मेडिकल कॉलेज में जरूरी दवाइयां न मिलने से मरीज परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज टांडा में मरीजों को आवश्यक दवाइयां न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दवाइयों की कमी को लेकर मरीजों और तीमारदारों में प्रदेश सरकार तथा अस्पताल प्रशासन के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। लोगों का आरोप है कि लंबे समय तक कतार में लगने के बाद जब उनका नंबर आता है तो उन्हें एक-दो दवाइयां ही दी जाती हैं और बाकी दवाइयां उपलब्ध न होने की बात कहकर लौटा दिया जाता है। मरीजों के अनुसार दर्द, पेट, हृदय, न्यूरो, ऑर्थोपेडिक, त्वचा, मेडिसिन और आंखों से संबंधित कई जरूरी दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं। रमेल सिंह, कश्मीर सिंह, हरदेव कुमार, चंचला देवी, कुसमी लता, राम प्यारी, कृष्ण देवी, सरताज कुमारी, रेखा कुमारी, जीवना देवी, रमा कुमारी सहित अन्य मरीजों ने बताया कि दवाइयों के लिए उन्हें काफी देर तक लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। उनका आरोप है कि दवाइयां उपलब्ध न होने के बारे में पूछने पर डिस्पेंसरी में कुछ कर्मचारियों का व्यवहार भी ठीक नहीं रहता। मरीजों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे अस्पताल प्रशासन और सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे। इस संबंध में टांडा अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक बुनियाल ने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन करीब 3,000 मरीज आते हैं और उन्हें दवाइयां उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने माना कि कुछ दवाइयां फिलहाल उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं, जिन्हें जल्द उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टैंकर व कार की टक्कर में दो पुलिस जवानों की मौत

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में रविवार देर रात हुए एक सड़क हादसे ने पुलिस विभाग को गहरे सदमे में डाल दिया। शहर की टालैंड-खलीनी सड़क पर एक कार और टैंकर की टक्कर में शिमला पुलिस के दो जवानों की मौत हो गई।

दोनों पुलिसकर्मी पुलिस लाइन कैंथू में तैनात थे और शिमला जिले के रहने वाले थे। पुलिस के अनुसार हादसा टालैंड के पास उस समय हुआ, जब कार और टैंकर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। बचाव दल इन्हें अस्पताल ले गया, जहां इनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान हेड कांस्टेबल प्रवीण मेहता और कांस्टेबल हेमंत कुमार के रूप में हुई है। हेमंत कुमार की उम्र 32 वर्ष बताई जा रही है, जबकि प्रवीण मेहता की उम्र करीब 51 वर्ष थी। दोनों लंबे समय से पुलिस विभाग में सेवाएं दे रहे थे और वर्तमान में पुलिस लाइन कैंथू में तैनात थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। हालांकि दोनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। उनके निधन की खबर मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार सुबह हादसे की सूचना फैलते ही पुलिस कर्मियों और दोनों जवानों को जानने वाले लोगों में भी दुख का माहौल देखा गया।

दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहनों की आवाजाही को सुचारू बनाया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने की कार्रवाई की। दोनों जवानों के पार्थिव शरीरों का पोस्टमार्टम करवाने और आगे की औपचारिकताएं पूरी करने की प्रक्रिया जारी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी में दुर्घटना की सटीक वजह सामने नहीं आई है। जांच अधिकारी दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रहे हैं। टक्कर किस परिस्थिति में हुई और क्या किसी तरह की लापरवाही इसके पीछे थी, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। यह हादसा ऐसे समय में हुआ है, जब प्रदेश में लगातार बारिश के कारण कई सड़कों पर वाहन चालकों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, इस दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन दो पुलिस जवानों की असमय मौत ने उनके परिवारों के साथ-साथ पूरे पुलिस विभाग को गहरा आघात पहुंचाया है।

बिलासपुर में 49,156 श्रमिक पंजीकृत 2,324 को मिला 9.62 करोड़ का लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के माध्यम से जिला बिलासपुर में श्रमिकों और उनके परिवारों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जिले में अब तक 49,156 निर्माण श्रमिक पंजीकृत किए जा चुके हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 2,569 नए श्रमिकों का पंजीकरण हुआ है।

◆ **विवाह, शिक्षा और पेंशन सहित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए श्रमिक**

जिला कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार विभिन्न योजनाओं के तहत 2,324 श्रमिकों एवं उनके परिवारों को करीब 9.62 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इनमें विवाह सहायता योजना के तहत 968 लाभार्थियों को करीब पांच करोड़ रुपए, जबकि शिक्षा सहायता योजना के तहत 503 लाभार्थियों को लगभग 1.48 करोड़ रुपए दिए गए हैं। वृद्धावस्था पेंशन के तहत 560 श्रमिकों को 41.22 लाख रुपए तथा दिव्यांग पेंशन योजना में 25 लाभार्थियों को 2.69 लाख रुपए की सहायता मिली है। मृत्यु एवं अंतिम संस्कार सहायता योजना के तहत 116 लाभार्थियों को 2.41 करोड़ रुपए प्रदान किए गए हैं। मातृत्व एवं पितृत्व लाभ के तहत 52 परिवारों को 5.45 लाख रुपए और बेटी जन्म उपहार योजना के तहत 18 बेटियों को 9.18 लाख रुपए की सहायता दी गई है।

आवास योजनाओं के तहत आठ पात्र परिवारों को 8.50 लाख रुपए तथा चिकित्सा सहायता योजना में 63 लाभार्थियों को करीब 6.15 लाख रुपए प्रदान किए गए हैं। उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने कहा कि श्रमिक कल्याण योजनाओं को गंभीरता से लागू किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों और उनके परिवारों को लाभ मिल सके।

सोलन अस्पताल में पर्ची शुल्क बढ़ाने के सुझाव पर भाजपा ने जताया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। सोलन के क्षेत्रीय अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच पर्ची काउंटर पर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर भाजपा सोलन शहरी मंडल ने स्वास्थ्य मंत्री एवं सोलन के विधायक कर्नल धनीराम शांडिल के सुझाव पर कड़ा ऐतराज जताया है। भाजपा का आरोप है कि मरीजों को लंबी कतारों से राहत देने के बजाय पर्ची पर 10 रुपए शुल्क लगाने का सुझाव समस्या का समाधान नहीं है। भाजपा शहरी मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि बैठक में मूल मुद्दा यह था कि क्षेत्रीय अस्पताल में मरीजों को लंबी कतारों से कैसे राहत दिलाई जाए और उन्हें कम से कम समय में चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए पर्ची काउंटर पर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की मांग की गई थी, लेकिन इसके बजाय पर्ची शुल्क लगाने का सुझाव दिया गया, जो तर्कसंगत नहीं है।

डॉ. सोनिया को शैक्षणिक गतिविधियों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, बिलासपुर द्वारा राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के प्राणीशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सोनिया राठौर को शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थी कल्याण एवं सामाजिक जागरूकवोता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया।

इस उपलब्धि पर राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने डॉ. सोनिया राठौर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके समर्पण, कर्मठता एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ सोनिया को जो भी ज़िम्मेदारी दी जाती है उसे वो पूरी ईमानदारी से निभाती हैं। प्राचार्य डॉ. कटवाल ने विशेष रूप से उनके शैक्षणिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में प्राणीशास्त्र की प्रमुख छात्रा मानसी शर्मा ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि डॉ. राठौर की शैक्षणिक प्रतिबद्धता और विद्यार्थियों के प्रति उनके समर्पित मार्गदर्शन को दर्शाती है। इसके साथ ही, प्राचार्य ने एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रमों में डॉ. राठौर के उल्लेखनीय योगदान की भी सराहना की। उनके समर्पित प्रयासों के परिणामस्वरूप राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के रेड रिबन क्लब ने हिमाचल प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें निदेशक, HPSACS, शिमला तथा DAPO, क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर की ओर से भी प्रशंसा प्राप्त हुई है।

मारपीट व धमकी के दो मामलों में 12 लोगों पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध शराब व मारपीट के मामलों में कार्रवाई करते हुए विभिन्न थानों में मामले दर्ज किए हैं। पुलिस थाना तलाई के तहत एक दुकान पर छापेमारी के दौरान 9 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की गई। पुलिस ने दुकानदार ज्ञान चंद निवासी माकड़ी, जेजवीं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं, पुलिस थाना घुमारवीं में संत राम निवासी कोठी की शिकायत पर गाली-गलौज और मारपीट के आरोप में जितराम, कृष्ण लाल, राजेंद्र, संजू, रीशु, संकरी देवी, शकुंतला देवी और सुमन के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस थाना कोट कहलूर में डबाट निवासी सिमरन की शिकायत पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में राम कुमार, नसीब, अनीश और ललित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने बताया कि सभी मामलों में नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा के 25 प्रकोष्ठों की बैठक में संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान पर मंथन

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा हिमाचल प्रदेश के 25 विभिन्न प्रकोष्ठों की संयुक्त प्रदेश स्तरीय बैठक सोमवार को शिमला स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय दीपकमल चक्कर में आयोजित की गई।

बैठक में प्रकोष्ठों की भूमिका, संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने की। बैठक में भाजपा प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक पुरुषोत्तम गुलेरिया, प्रदेश सह-संयोजक राजपाल सिंह तथा विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक और सह-संयोजक मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, वंदे मातरम और अतिथि स्वागत के साथ हुई। इसके बाद सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। पुरुषोत्तम गुलेरिया ने स्वागत भाषण देते हुए बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि भाजपा के सभी प्रकोष्ठ संगठन और समाज के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी वर्षभर समाज के बीच सक्रिय रहती है और विभिन्न वर्गों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने का काम करती है। ऐसे में प्रकोष्ठों की जिम्मेदारी केवल संगठनात्मक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े लोगों की समस्याओं और सुझावों को भी संगठन तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के 25 प्रकोष्ठों में विधि, खेल, पर्यटन, देव समाज, ट्रांसपोर्ट, चुनाव और अन्य क्षेत्रों से जुड़े प्रकोष्ठ शामिल हैं। इन मंचों के माध्यम से अधिवक्ताओं, खिलाड़ियों, पर्यटन कारोबारियों, परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों, देव समाज और अन्य सामाजिक तथा व्यावसायिक वर्गों के साथ संपर्क मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकोष्ठ अपने क्षेत्र का विशेषज्ञ समूह है और उसे जनहित के विषयों पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। डॉ. बिंदल ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने में भी प्रकोष्ठ अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने प्रदेश, जिला व मंडल स्तर पर प्रकोष्ठों की सक्रियता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती समाज के हर वर्ग की भागीदारी से ही संभव है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सभी प्रकोष्ठ अपने-अपने क्षेत्रों में बैठकें, संवाद कार्यक्रम और जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। इससे संगठन का विस्तार होगा और समाज के विभिन्न वर्गों के साथ संपर्क और मजबूत होगा। बैठक के दौरान प्रदेश के विभिन्न वर्गों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों से हमीरपुर व कांगड़ा के ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण कार्यों को मिली बड़ी मंजूरी

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के सक्रिय प्रयासों के फलस्वरूप हिमाचल प्रदेश की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है।

संस्कृति मंत्रालय ने कांगड़ा जिले के हरिपुर-गुलेर स्थित ऐतिहासिक मंदिरों तथा हमीरपुर जिले के सुजानपुर टीहरा किले में आवश्यक संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कार्य करवाने की प्रतिबद्धता जताई है। संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल द्वारा सांसद अनुराग को हाल ही में भेजे गए पत्र में इन कार्यों की जानकारी दी गई है। यह पहल अनुराग द्वारा 15 जुलाई को संस्कृति मंत्रालय को लिखे गए पत्र का परिणाम है, जिसमें उन्होंने हिमाचल प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया था। केंद्र द्वारा संरक्षित सुजानपुर टीहरा किले के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नए संरक्षण कार्य प्रस्तावित किए हैं। इनमें बारादरी तक पहुंचने के लिए एमएस रेलिंग सहित एप्रोच पाथवे का निर्माण तथा मुख्य प्रवेश द्वार परिसर की लकड़ी की छत की मरम्मत एवं पुनर्स्थापना शामिल है। इसके अतिरिक्त किले का विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा, जिसके आधार पर भविष्य में आवश्यक संरक्षण कार्यों के लिए विस्तृत अनुमान तैयार किए जाएंगे। इससे किले के संरक्षण एवं

रखरखाव का कार्य चरणबद्ध तरीके से जारी रखा जा सकेगा। इससे पहले वर्ष 2022-23 में चामुंडा देवी मंदिर तथा मुख्य प्रवेश द्वार की संरचनाओं में आवश्यक मरम्मत कार्य करवाए गए थे। कांगड़ा जिले के हरिपुर में स्थित गोवर्धन धारी मंदिर, सरस्वती देवी मंदिर और कल्याण राय मंदिर के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक ने वार्षिक संरक्षण कार्यक्रम को मंजूरी प्रदान कर दी है।

मंत्रालय द्वारा इन स्मारकों के लिए आवश्यक धनराशि शीघ्र ही असुरक्षित स्मारक मद के अंतर्गत एएसआई के शिमला सर्किल को जारी की जाएगी। गोवर्धन धारी मंदिर के लिए अनुमान पहले ही स्वीकृत हो चुका है, जबकि अन्य मंदिरों के संशोधित अनुमान तैयार किए जा रहे हैं।

वृद्धि — बंद सीजन खुलते ही गोबंद सागर जलाशय में पकड़ी 40 किलो की बिग हेड

जलाशयों में हुआ 46.37 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश के जलाशयों में दो माह के बंद सीजन के बाद 16 अगस्त को मछली पकड़ने का कार्य शुरू होते ही पहले दिन 46.37 मीट्रिक टन मछली पकड़ी गई। पिछले वर्ष बंद सीजन खुलने के पहले दिन 33.06 मीट्रिक टन मछली पकड़ी गई थी। इस प्रकार वर्ष 2026 में पिछले वर्ष की तुलना में 13.31 मीट्रिक टन की वृद्धि दर्ज की गई है।

प्रदेश के जलाशयों, सामान्य नदियों-नालों और उनकी सहायक नदियों में 13 हजार से अधिक मछुआरे मछली पकड़ने के कार्य से अपनी आजीविका अर्जित कर रहे हैं। प्रदेश के पांच प्रमुख जलाशय गोबिंद सागर, पोंग, चमेरा, कोलडैम और रणजीत सागर लगभग 43,785 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं, जिनमें 6,300 से अधिक मछुआरे कार्यरत हैं। वहीं, करीब 2,400 किलोमीटर लंबाई वाले सामान्य जल क्षेत्रों में 6,700 से अधिक मछुआरे मछली पकड़ने के कार्य में लगे हैं। मत्स्य संपदा के संरक्षण और मछलियों के प्राकृतिक प्रजनन को सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा सामान्य जल क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष 16 जून से 15 अगस्त तक दो माह का बंद सीजन रखा जाता है।

इस अवधि में अधिकांश महत्वपूर्ण मछली प्रजातियां प्राकृतिक रूप से प्रजनन करती हैं, जिससे जल स्रोतों में मछली बीज का प्राकृतिक संग्रहण होता है। बंद सीजन के दौरान मत्स्य संपदा की सुरक्षा के लिए विशेष कर्मचारी बल तैनात कर कैंप और उड़न दस्ते गठित किए गए। इस वर्ष बिलासपुर में कुल 19 कैंप और एक उड़न दस्ता, पोंग डैम में 17 कैंप और एक उड़न दस्ता तथा चंबा में 5 कैंप और एक उड़न दस्ता गठित किया गया। कर्मचारियों ने जलाशयों में नावों के माध्यम से तथा नदियों, नालों और खड्डों के किनारों पर वाहनों एवं पैदल गश्त कर मत्स्य संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की। 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक चले बंद सीजन के दौरान अवैध मछली आखेट के 342 मामले पकड़े गए, जिनसे विभाग ने 3.64 लाख रुपये का मुआवजा प्राप्त किया। वहीं, वर्ष 2026-27 में अब तक अवैध मछली आखेट के कुल 425 मामले पकड़े गए हैं और 4.25 लाख रुपये का मुआवजा वसूल किया गया है। 16 अगस्त को बंद सीजन खुलने के पहले दिन गोबिंद सागर जलाशय से 28.16 मीट्रिक टन, पोंग जलाशय से 17.23 मीट्रिक टन, कोलडैम से 0.068 मीट्रिक टन तथा चंबा और रणजीत सागर से 0.914 मीट्रिक टन मछली पकड़ी गई। इस दौरान गोबंद सागर जलाशय के जगातखाना लैंडिंग सेंटर में बग्गी सहकारी सभा के मछुआरे सुख राम ने प्रदेश की सबसे बड़ी 40 किलोग्राम की बिग हेड मछली पकड़ी। पोंग डैम में जंबल मत्स्य सहकारी सभा के मछुआरे राकेश कुमार ने 22.60 किलोग्राम की कतला, चंबा जिले में संघारा मत्स्य सहकारी सभा के मछुआरे कुलदीप ने 11 किलोग्राम की सिल्वर कार्प तथा कोलडैम जलाशय में कसोल मत्स्य सहकारी सभा के मछुआरे प्यारे लाल ने 6.5 किलोग्राम की ग्रास कार्प पकड़ी।

मत्स्य विभाग हिमाचल प्रदेश के निदेशक एवं प्रारक्षी ओम कांत ठाकुर ने बताया कि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित एवं सतत प्रयासों से बंद सीजन के दौरान मत्स्य संपदा के संरक्षण और अवैध मछली आखेट पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया गया। उन्होंने कहा कि मछुआरों की आजीविका को बनाए रखने के साथ-साथ प्रदेश के जल स्रोतों में मत्स्य संपदा के संरक्षण के लिए विभाग निरंतर कार्य कर रहा है।

भाजपा के कार्यकाल में शुरू हुए कार्यों पर कांग्रेस लगा रही अपनी नेम प्लेट : राजेंद्र गर्ग

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग ने बिलासपुर के सर्किट हाउस में मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर विकास कार्यों को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के साढ़े तीन वर्ष के कार्यकाल में कोई नया बड़ा कार्य नहीं हुआ। भाजपा सरकार के समय शुरू किए गए विकास कार्यों पर कांग्रेस सरकार केवल अपनी नेम प्लेट लगाकर उद्घाटन कर रही है। गर्ग ने कहा कि भराड़ी तहसील का दर्जा कांग्रेस सरकार ने घटाकर सब-तहसील कर दिया था और तहसीलदार को भी वापस भेज दिया गया। अब जनता के दबाव में दोबारा तहसील का दर्जा देने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि जनता सब जानती है और पुराने कार्यों का श्रेय लेने से सरकार को कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने बताया कि हटवाड़ पीएचसी और पटियालग पीएचसी को 10-10 बेड का दर्जा भाजपा सरकार ने दिया था। कपाहड़ा में पीडब्ल्यूडी डिवीजन भी भाजपा के समय शुरू हुआ था। घुमारवीं अस्पताल की ओपीडी बिल्डिंग के लिए केंद्र सरकार ने 9.67 करोड़ रुपए स्वीकृत किए थे, लेकिन उद्घाटन के दौरान केंद्र का उल्लेख नहीं किया गया। गर्ग ने कहा कि भुवाणी पुल के लिए 2022 में भाजपा सरकार ने 103 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे। बरठीं वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के लिए 2.51 करोड़ रुपए तथा छत-उठाऊ पेयजल योजना के लिए 7.7 करोड़ रुपये भी भाजपा कार्यकाल में स्वीकृत किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार इन्हीं कार्यों पर अपना श्रेय लेने का प्रयास कर रही है। प्रेस वार्ता में कैप्टन सुरजीत, अमित कुमार, सुदेश ठाकुर और सोनम शर्मा भी उपस्थित रहे।

अलिया फिनेगन का खूबसूरत अंदाज

फिलीपींस। अलिया फिनेगन फिलीपींस की प्रमुख जिम्नास्ट हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर पहचान बनाई है। उनकी शानदार कलात्मक जिम्नास्टिक्स क्षमता, संतुलन और कठिन अभ्यास ने उन्हें खास पहचान दिलाई है।

गॉल टेस्ट में भारत को 178 रन की बढ़त

श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट; सोनल दिनूषा ने बनाए 100 रन, जडेजा के 350 विकेट पूरे

एजेंसी, कोलंबो

गॉल टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही भारत को पहली पारी में 178 रन की बढ़त मिल गई। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। खराब रोशनी के चलते दिन का खेल समय से पहले खत्म कर दिया गया। श्रीलंका से सोनल दिनूषा ने 100 रन की पारी खेली। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन बनाए। दोनों ने छठे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी की।

जडेजा ने तीन, कुलदीप और सिराज ने लिया 1-1 विकेट

भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 विकेट लिए। गॉल टेस्ट के तीसरे दिन भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को 3 विकेट मिले। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 350 विकेट भी पूरे किए। रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे कर लिए हैं। उन्होंने गॉल टेस्ट के तीसरे दिन 66.4 ओवर में केशरा नुवानथा को 2 रन पर आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। नुवानथा ने जडेजा की टर्न लेती गेंद पर शॉर्ट खेला, लेकिन गेंद शॉर्ट लेग के पास खड़े खिलाड़ी से लगकर हवा में उछल गई। शुभमन गिल ने पीछे की ओर दौड़ते हुए कैच लपक लिया। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। केएल राहुल ने 82 और ध्रुव जुरेल ने 51 रन बनाए।

डिकवेला-सोनल की दमदार साझेदारी

लगातार झटकों के बाद सोनल दिनुशा और निरोशन डिकवेला ने श्रीलंकाई पारी को संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की और दूसरे सत्र में भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। श्रीलंका ने एक समय 90 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन सोनल और डिकवेला ने शानदार साझेदारी कर भारत को विकेट के लिए तरसा दिया और चायकाल तक भारत को और सफलता हासिल नहीं करने दी। चाय ब्रेक के बाद आखिरकार प्रसिद्ध कृष्णा निरोशन डिकवेला और सोनल दिनुषा की साझेदारी को तोड़ने में कामयाब रहे। प्रसिद्ध कृष्णा ने डिकवेला को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। डिकवेला ने 115 गेंद में सात चौके की मदद से 80 रन की पारी खेली। उन्होंने सोनल के साथ छठे विकेट के लिए 146 रन की साझेदारी निभाई।

एशियाई खेलें : भारत ने 36 खेलों में 504 प्लेयर्स की मांगी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली। एशियाई खेलों में इस बार पिछली बार के मुकाबले भारत का दल छोटा रहेगा। हांगझोउ एशियाड में भारत ने 40 खेलों में 661 सदस्यीय दल उतारा था, लेकिन इस बार भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 36 खेलों में 504 खिलाड़ियों को उतारने की सरकार से मंजूरी मांगी है। इनमें 275 पुरुष और 229 महिला खिलाड़ी शामिल हैं।

खेल मंत्रालय की मंजूरी के बाद भारतीय दल की संख्या या तो और कम हो सकती है या फिर इसमें मामूली बढ़ोतरी होगी। 504 खिलाड़ियों के साथ 167 कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के अलावा 68 अतिरिक्त टीम ऑफिशियल्स की मंजूरी मांगी गई है। क्रिकेट के कद को देखते हुए पिछले एशियाड में स्वर्ण जीतने वाली पुरुष और महिला टीम के साथ सबसे बड़ा सपोर्ट स्टाफ दल जोड़ा जा रहा है। बीसीसीआई ने पुरुषों के लिए 15 और महिलाओं की 15 सदस्यीय टीम के साथ 10-10 का सपोर्ट स्टाफ भेजने का फैसला लिया है। वहीं, पिछले एशियाड में देश को सर्वाधिक सात स्वर्ण समेत 22 पदक दिलाने वाली शूटिंग टीम भी 30 सदस्यीय है, लेकिन उसके लिए 15 सदस्यीय सपोर्ट स्टाफ की मांग की गई है।

स्पोर्ट्स विंडो

न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट सत्र की 28 अक्तूबर से होगी शुरुआत

एजेंयसी, वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के 2026-27 घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत 28 अक्तूबर से फोर्ड ट्रॉफी के मुकाबले के साथ होगी। गत चैंपियन सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स अपने अभियान की शुरुआत नेल्सन के सेक्स्टन ओवल में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ करेगा। फोर्ड ट्रॉफी के पहले दौर में ऑकलैंड का सामना कैंटरबरी से, जबकि वेलिंगटन की भिड़ंत ओटागो से होगी। दस दौर की पुरुष एकदिवसीय प्रतियोगिता पिछले कुछ सत्रों की तरह ही आयोजित की जाएगी। इसके शुरुआती पांच दौर अक्टूबर और नवंबर में खेले जाएंगे। इसके बाद प्लंकेट शील्ड और सुपर स्मैश के लिए प्रतियोगिता में विराम होगा। फोर्ड ट्रॉफी फरवरी में फिर शुरू होगी और इसके बाद फाइनल्स वीकेंड का आयोजन किया जाएगा। महिला घरेलू सत्र की शुरुआत 14 नवंबर से होगी। गत चैंपियन नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स पामर्स्टन नॉर्थ के फिट्जहर्बर्ट पार्क में सेंट्रल हिंड्स के खिलाफ हेलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड में अपने खिताब का बचाव शुरू करेगा। पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं के दौरान कुल 14 मैदानों पर मुकाबले खेले जाएंगे। ऑकलैंड का कॉलिन मेडन पार्क भी 2023 के बाद घरेलू कार्यक्रम में वापसी करेगा। मैदान के पुनर्विकास के बाद यहां फिर से मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एमी हंट ने बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी, बर्मिंघम। ब्रिटेन की एमी हंट ने रविवार को यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में एक संस्करण में चार स्वर्ण पदक जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, स्वीडन के स्टार पोल वॉल्टर आर्मंड 'मोंडो' डुप्लांटिस ने लगातार चौथी बार यूरोपीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। हंट ने मिश्रित 4|100 मीटर रिले में ब्रिटेन को स्वर्ण दिलाया। जेरेमिया अज़ू, दीना एशर-स्मिथ, झार्नेल ह्यूज और हंट की टीम ने 39.97 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। जर्मनी 40.11 सेकंड के साथ दूसरे और स्पेन 40.42 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहा। हंट इससे पहले 100 और 200 मीटर के व्यक्तिगत खिताब के अलावा शनिवार को महिला 4|100 मीटर रिले का स्वर्ण भी जीत चुकी थीं। एंकर लेग में उन्होंने जर्मनी की जीना लुकेंकेम्पर को पीछे छोड़ते हुए ब्रिटेन को जीत दिलाई। हंट ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं। खेल में अपने कुछ सबसे अच्छे दोस्तों के साथ इसे खत्म करना अविश्वसनीय है। हमने यह सब मिलकर किया और यह शानदार एहसास है।'

पतंजलि फूड्स का मुनाफा 86 प्रतिशत बढ़कर 335 करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली। पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। जून 2026 में समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 86.15 प्रतिशत बढ़कर 335.73 करोड़ रुपये पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा इससे काफी कम था। कंपनी के मजबूत वित्तीय परिणामों से निवेशकों और शेयरधारकों में उत्साह बढ़ा है। बाजार नियामक को दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी की कुल आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। पहली तिमाही में कुल आय 29.19 प्रतिशत बढ़कर 11,341.89 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 8,779 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार कारोबार में बढ़ोतरी और उत्पादों की मांग में मजबूती ने वित्तीय प्रदर्शन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पतंजलि फूड्स खाद्य तेल, एफएमसीजी और पवन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में कारोबार करती है। खाद्य तेल और एफएमसीजी खंड में मजबूत मांग कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। बेहतर बिक्री और परिचालन प्रदर्शन से कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिली है। कंपनी के तिमाही नतीजे ऐसे समय आए हैं जब उपभोक्ता बाजार में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। मजबूत आय और मुनाफे के आंकड़े कंपनी की कारोबारी क्षमता को दर्शाते हैं।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने जीत से की शुरुआत

हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी अगले राउंड में पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत ने जीत के साथ शुरुआत की है। नई दिल्ली में मेंस डबल्स के पहले राउंड में हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ने आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को हरा दिया।

2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हो रहा है। यह चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक चलेगी। भारत ने आखिरी बार 2009 में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी।

भारत में 17 साल के बाद हो रही वर्ल्ड चैंपियनशिप

आयरलैंड की जोड़ी मैच से हटी

भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी 6-4 से आगे थी, तभी आयरलैंड की जोड़ी ने चोट की वजह से मैच से हटने का फैसला किया। आयरलैंड की जोड़ी मैच के दौरान चोटिल होने के कारण मैच से हट गई। आयरलैंड की जोड़ी मैच के दौरान चोटिल होने के कारण मैच से हट गई।

आयुष शेट्टी के सामने पहले राउंड में ही डिफेंडिंग चैंपियन

भारत के आयुष शेट्टी को पहले ही राउंड में बड़ा मुकाबला खेलना है। उनका सामना चीन के टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन शी यू ची से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 3 मुकाबले हुए हैं और तीनों में भारतीय खिलाड़ी को हार मिली है।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पहली बार बना द हंड्रेड चैंपियन

एजेंसी, लंदन। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (पूर्व में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) ने आखिरकार अपने तीसरे प्रयास में खिताब जीत ही लिया। टिम सेफर्ट की तूफानी 72 रन की पारी के दम पर सुपर जायंट्स ने फाइनल में शीर्ष पर रहने वाली ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार पुरुष द हंड्रेड का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने फाइनल में मिली पिछली दो हार का हिसाब भी चुकता कर दिया। टीम 2022 में ट्रेंट रॉकेट्स और 2023 में ओवल इनविंसिबल्स से फाइनल में हार गई थी। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के सामने 159 रन का लक्ष्य था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर जायंट्स को टिम सेफर्ट ने शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज दिया। सेफर्ट ने महज 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 38 गेंदों में सात छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर टीम की जीत की नींव रखी। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) भी चुना गया। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 394 रन बनाए।

ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया

रोनाल्डो और जॉर्जिना की शादी की पहली झलक आई सामने

फैशन मैगजीन वोग ने जारी की दोनों की शादी की तस्वीरें

एजेंसी, कास्केस

क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉर्जिना रोड्रिगेज की शादी आखिरकार दुनिया के सामने आ गई है। लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहने वाले इस कपल ने बेहद सादगी से शादी की थी। अब फैशन मैगजीन वोग ने उनकी शादी की पहली तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें इस खास दिन की कई झलकियां देखने को मिली हैं।

रोनाल्डो और जॉर्जिना ने 11 अगस्त को पुर्तगाल के कास्केस स्थित अपने घर में शादी की। समारोह में उनके पांच बच्चे और सिर्फ चार गवाह मौजूद रहे। इसी दौरान रोनाल्डो ने अपने फुटबॉल करियर के भविष्य और संभावित संन्यास को लेकर भी बड़ा संकेत दिया। खास बात यह रही कि यह तारीख उनके पहली बार मिलने की 10वीं सालगिरह भी थी। दोनों की पहली मुलाकात मैड्रिड के एक गुच्ची स्टोर में हुई थी, जहां उस समय जॉर्जिना सेल्स असिस्टेंट के तौर पर काम करती थीं।

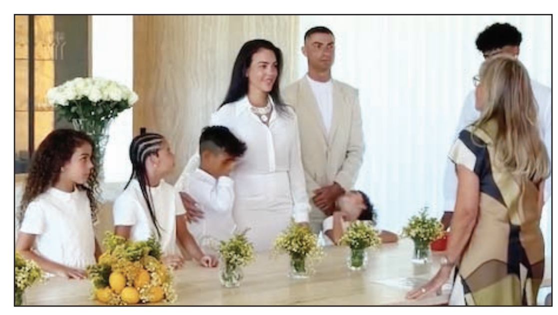

जॉर्जिना ने मैगजीन वोग को बताया कि बचपन में वह अपनी शादी को बेहद भव्य तरीके से देखती थीं। हालांकि, समय के साथ उनकी सोच बदल गई। उन्होंने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तो मैं सबसे बड़े महल, सबसे शानदार बग्घी, सबसे लंबी ड्रेस और हीरों से भरे मुकुट का सपना देखती थी।' उन्होंने आगे कहा, 'अब मैं कहती हूं- नहीं। मैं अपने पार्टनर और बच्चों के साथ घर पर कुछ निजी और अंतरंग चाहती हूं। क्योंकि महल, घर, द्वीप, घोड़े और कारें हमारे पास हर दिन हैं। लेकिन कुछ निजी और अंतरंग होना हमारे लिए बहुत दुर्लभ है।'

आठवें वेतन आयोग की अंतिम रिपोर्ट मई 2027 तक होगी तैयार

मई 2027 तक पूरी होगी आठवें वेतन आयोग की प्रक्रिया, वेतन भत्ते और पेंशन में बदलाव पर टिकी निगाहें

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए आठवें वेतन आयोग को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। संसद के मानसून सत्र के दौरान वित्त मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया कि आठवें वेतन आयोग को अपने गठन की तारीख से 18 महीने के भीतर अपनी अंतिम सिफारिशें सरकार को सौंपनी हैं। निर्धारित समयसीमा के अनुसार आयोग की अंतिम रिपोर्ट मई 2027 तक आने की संभावना है। हालांकि, आयोग ने अभी अपनी अंतिम रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत नहीं की है और वह अपने कार्यों को स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ा रहा है।

कर्मचारियों को वेतन बढ़ोतरी और एरियर की उम्मीद

वेतन आयोग की रिपोर्ट का इंतजार देश के लाखों केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को है। कर्मचारियों को उम्मीद है कि नए वेतन आयोग की सिफारिशों से उनके वेतन और भत्तों में सुधार हो सकता है। वहीं पेंशनभोगियों की नजर भी पेंशन से जुड़े संभावित बदलावों पर है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आयोग वेतन और पेंशन में कितनी वृद्धि की सिफारिश करेगा। इसका निर्धारण आयोग के अध्ययन और विभिन्न पक्षों से प्राप्त सुझावों के बाद ही सामने आएगा। वित्त मंत्रालय की ओर से यह भी बताया गया है कि आयोग अपनी कार्यप्रणाली के अनुसार काम कर रहा है। आयोग के पास अपनी अंतिम रिपोर्ट तैयार करने के लिए 18 महीने का समय है। आवश्यकता पड़ने पर वह कुछ विषयों पर अंतरिम रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है। हालांकि अंतिम सिफारिशें निर्धारित समयसीमा के भीतर ही सरकार को सौंपनी होंगी।

कर्मचारियों को अभी करना होगा लंबा इंतजार

आयोग की रिपोर्ट आने के बाद भी कर्मचारियों को तत्काल संशोधित वेतन मिलने की प्रक्रिया पूरी नहीं होगी। रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने के बाद उसकी समीक्षा की जाएगी। सरकार आयोग की सिफारिशों को स्वीकार करने, उनमें बदलाव करने या कुछ सुझावों पर अलग निर्णय लेने का अधिकार रखती है। इसके बाद ही वेतन संशोधन लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इसलिए, मई 2027 तक रिपोर्ट आने का अर्थ यह नहीं है कि उसी समय से संशोधित वेतन मिलना शुरू हो जाएगा। बकाया राशि यानी एरियर को लेकर भी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में काफी रुचि है।

वेतन भत्ते और पेंशन में बदलाव पर टिकी निगाहें

आठवें वेतन आयोग की प्रक्रिया का असर केवल वेतन पाने वाले कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पेंशनभोगियों पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। वेतन और पेंशन से जुड़े नियमों में संभावित बदलाव से लाखों परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। महंगाई और रोजमर्रा के खर्चों को देखते हुए कर्मचारी संगठनों की नजर आयोग की सिफारिशों पर बनी हुई है। फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आठवें वेतन आयोग के पास अपनी अंतिम रिपोर्ट तैयार करने के लिए 18 महीने की निर्धारित समयसीमा है और मई 2027 तक इसकी रिपोर्ट आने की उम्मीद है। इसके बाद सरकार द्वारा सिफारिशों पर विचार किया जाएगा और लागू करने को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

जुलाई में थोक महंगाई दर मामूली घटकर 9 .78 प्रतिशत पर पहुंची

एजेंसी, चेन्नई

जुलाई 2026 में देश की थोक महंगाई दर में मामूली नरमी दर्ज की गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार जुलाई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 9.78 प्रतिशत रही, जबकि जून में यह 9.87 प्रतिशत थी। इस तरह समग्र थोक महंगाई में हल्की कमी आई है। हालांकि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण महंगाई का दबाव पूरी तरह कम नहीं हुआ है।

झजुलाई में ईंधन एवं ऊर्जा श्रेणी में महंगाई दर में उल्लेखनीय कमी देखने को मिली। जून में यह दर 27.41 प्रतिशत थी, जो जुलाई में घटकर 20.05 प्रतिशत रह गई। ईंधन क्षेत्र में आई इस नरमी ने समग्र थोक महंगाई को कुछ राहत दी। पेट्रोलियम उत्पाद और खनिज तेल की कीमतों में होने वाले बदलाव का थोक मूल्य सूचकांक पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

ईंधन क्षेत्र में नरमी के बावजूद खाद्य महंगाई ने बढ़ाई चिंता

दूसरी ओर खाद्य वस्तुओं की कीमतों ने चिंता बढ़ाई है। थोक खाद्य महंगाई दर जून में 6.14 प्रतिशत थी, जो जुलाई में बढ़कर 6.65 प्रतिशत हो गई। इससे साफ है कि ईंधन क्षेत्र में राहत के बावजूद खाने-पीने की वस्तुओं के दामों पर दबाव बना हुआ है। खाद्य महंगाई बढ़ने का सीधा असर आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर पड़ सकता है। जुलाई में थोक महंगाई को प्रभावित करने वाली प्रमुख वस्तुओं में खनिज तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के अलावा खाद्य वस्तुएं, मूल धातुएं और रसायन शामिल रहे।

पाक-सऊदी-तुर्किये रक्षा समझौते से ट्रंप खुश

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- तीनों देश मजबूती से अपनी रक्षा कर सकेंगे

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस डील से तीनों देश मिलकर अपनी रक्षा ज्यादा मजबूती से कर सकेंगे।

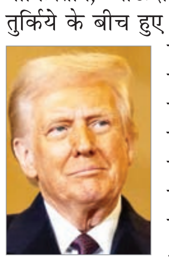

ट्रंप ने रविवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'मुझे बहुत खुशी है कि पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने आखिरकार मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। इससे पता चलता है कि मिडिल-ईस्ट एकजुट हो रहा है और ये देश अब ज्यादा मजबूती से अपनी रक्षा कर सकेंगे।' ट्रंप ने तीनों देशों के नेताओं को बधाई देते हुए डील को 'बड़ा, साहसी और अहम पहला कदम' बताया।

तीनों में पिछले सप्ताह हुआ था रक्षा समझौता

रक्षा समझौते पर 7 अगस्त को मक्का में हस्ताक्षर हुए थे। समझौते पर सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए। एर्दोगन ने कहा है कि आगे दूसरे देश भी इस रक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने खास तौर पर मिस्र के जुड़ने की संभावना बताई है। डील का मकसद तीनों देशों के बीच सैन्य और सुरक्षा सहयोग बढ़ाना है।

लेविट को मुझसे ज्यादा अपने बच्चे पसंद : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट के पद छोड़ने पर मजाक किया। उन्होंने कहा, 'मुझे पता चला है कि कैरोलिन लेविट मुझे पसंद करने से ज्यादा अपने बच्चों को पसंद करती हैं। मैं इसे लेकर बहुत चिंतित हूं।' टंप ने साथ ही कहा कि लेविट की जगह लेना आसान नहीं होगा। लेविट अगस्त के आखिर में व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी की नौकरी छोड़ेंगी। उन्होंने अपने दो छोटे बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए यह फैसला लिया है। लेविट ने इसी हफ्ते पद छोड़ने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार और दो छोटे बच्चों को ज्यादा समय देना चाहती हैं।

चीन पर निर्भरता घटाकर भारत बढ़ाएगा दूरसंचार उत्पादन

एजेंसी, नई दिल्ली

नीति आयोग की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत का दूरसंचार और नेटवर्क उपकरण क्षेत्र आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर बड़ी भूमिका निभा सकता है। वर्तमान में इस क्षेत्र को भारी आयात और चीन पर निर्भरता जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चार जी और पांच जी नेटवर्क से जुड़े कई जरूरी उपकरणों और पुर्जों के लिए भारतीय कंपनियां आयात पर निर्भर हैं। इससे घरेलू उद्योग की लागत बढ़ने के साथ वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित होती है। सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना सहित कई नीतियों के माध्यम से घरेलू दूरसंचार उपकरण निर्माण को बढ़ावा देने की कोशिश की है।

50 अरब डॉलर निर्यात का लक्ष्य

नीति आयोग के प्रस्तावित महाप्लान के अनुसार यदि इन नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है तो भारत वर्ष 2035 तक दूरसंचार क्षेत्र में 50 अरब डॉलर के निर्यात का केंद्र बन सकता है। इस क्षेत्र के विस्तार से देश में करीब पांच लाख कुशल रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना जताई गई है। घरेलू उत्पादन बढ़ने से आयात पर निर्भरता कम होगी और भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का अवसर मिलेगा। दूरसंचार उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भरता भारत की तकनीकी क्षमता, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति दे सकती है।

सेंसेक्स 280 अंक गिरकर 77,728 पर बंद

आईटी और एफएमसीजी के शेयर्स में सबसे ज्यादा बिकवाली

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में 17 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 280 अंक गिरकर 77,728 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 78 अंक की गिरावट रही, यह 24,287 पर बंद हुआ। आईटी और एफएमसीजी शेयर्स में सबसे ज्यादा बिकवाली हुई।

वहीं, दूसरी ओर होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट के आईपीओ आज से ओपन हो गए हैं। इनमें निवेशक 19 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। ललिता ज्वेलरी मार्ट इस आईपीओ के जरिए 1,700 करोड़ रुपए और होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स 2,600 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

सोना 1,703 रुपए बढ़कर 1.54 लाख पर पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 17 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,703 रुपए बढ़कर 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 2,531 रुपए बढ़कर 2.36 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 17 दिन में ही सोना 11 हजार और चांदी 18 हजार रुपए महंगी हो चुकी है।